हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

15 मार्च, 2007

खण्ड 1, अंक 5

अधिकृत विवरण

विषय सूची

वीरवार, 15 मार्च, 2007

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(6) 1
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गार ताराकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(5) 18
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(5) 27

अध्यक्ष का सदन की मर्यादा तथा गरिमा को बनाये रखने संबंधी अवलोकन	(5) 28
अध्यक्ष द्वारा घोषणा	(5) 30
वाक आउट	(5) 30
अनुपस्थिति की अनुमति	(5)31
शोक प्रस्ताव	(5) 31
इण्डियन नेशनल लोकदल के सदस्यों के आचरण तथा व्यवहार की निन्दा करना	(5) 32,
गैर–सरकारी संकल्प––	(5) 32
पृथक हरियाणा सिक्ख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी बनाने बारे	

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 15 मार्च, 2007

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर– 1. चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (डा० रघुबीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण अब सवाल होंगे।

Circular road around Gohana Town

***580. Shri Dharampal Singh Malik:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct circular road around the Gohana Town to avoid the daily traffic jam; and

(b) if so, up to what time the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala):

(a) No. Sir.

(b) Question does not arise.

चौ० धर्मपाल सिंह मलिकः स्पीकर सर, मेरा सवाल यह है कि गोहाना में हमेशा ट्रैफिक जाम रहता है। मेरे सवाल के जवाब मे सरकार

की तरफ से 'ना' में जवाब आया है। क्या सरकार के विचाराधीन कोई ऐसा प्रस्ताव है जिसके अनुसार जनरल बस स्टैण्ड, ज्यूडीशियल कॉफ्लैक्स तहसील ऑफिसेज और गवर्नमैंट कालेज का बॉयज विंग गोहाना शहर से बाहर ले जाया जाए ताकि शहर मे रोजाना जो कई–कई घंटे तक ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है उससे निजात पाई जा सके। यदि इस तरह का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है तो इन संस्थाओ को कब तक और कहां पर स्थानांतरित किया जायेगा ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि इन्होंने जो सवाल पूछा है वह इस सवाल से, जुड़ा हुआ नहीं है। माननीय सदस्य यदि इनके बारे में जानकारी चाहते हैं जैसे अदालत, बस अड्डा, गवर्नमैंट कॉलेज का बॉयज विंग कब तक शहर से बाहर स्थानांतरित किया जाएगा तो माननीय सदस्य इस बारे में पृथक से प्रश्न लिखकर भिजवा दें, हम इनके पास जानकारी भिजवा देंगे। जहां तक सर्कुलर रोड का प्रश्न है उसके बारे में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि भारत सरकार ने रोहतक से पानीपत तक नेशनल हाइवे नंबर 71 ए को चारमार्गी बनाने की स्वीकृति प्रदान कर दी है और हम उसका एन०एच०डी०पी० फेज 3 भारत सरकार से टेकअप कर रहे हैं जव वह प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा तो उसके बाद सर्कुलर रोड का निर्णय होगा कि कहां पर और कितनी चौड़ी सर्कुलर रोड बनाई जाएगी।

चौ० धर्मपाल सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, जो सप्लीमैंट्री मैंने पूछी है वह ट्रैफिक जाम से ही संबंधित है। मेरा सवाल भी यही है। ट्रैफिक जाम को खत्म करने के लिए सर्कुलर रोड निकालने का कोई प्रस्ताव है या नहीं ? में मन्त्री जी की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि गोहाना की लोकेशन बिलकुल हरियाणा के सैंटर में है और आठ इर्म्पोटैट जगहों पर वहां से बसिज जाती हैं। गोहाना से सोनीपत, गोहाना से रोहतक, महम, जुलाना, जींद, सफीदो, पानीपत और गन्नोर बसिज जाती है। इन सारी जगहों पर बसिज आने जाने से और प्राइवेट गाड़ियों के आने जाने से ट्रैफिक जाम हो जाता है। शहर के अंदर से रेलवे लाइन भी गुजरती है इसलिए रेलवे फाटक बंद होने की वजह से भी वहां ट्रैफिक जाम रहता है। इसमें मेरा दूसरा सवाल यह हे कि कुछ समय पहले चीफ मिनिस्टर साहब कै प्रिंसिपल सैक्रेटरी वहां पर गए थे और उन्होंने इस समस्या को दूर करने के लिए एक मीटिंग बुलाई थी। उस बारे में मैं यह जानना चाहता हूं कि गोहाना मे जो रेलवे क्रासिंग है क्या उसके ऊपर पलाई ओवर बनाने का प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है और क्या सैन्ट्रल गवर्नमैंट के पास ऐसा प्रस्ताव भेजा हे या नहीं?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने काफी लम्बा प्रश्न पूछ लिया। फिर भी आपकी अनुमति से मैं माननीय सदस्य व सदन को बताना चाहूंगा कि रोहतक से पानीपत तक एन०एच०डी०पी० और एन०एच०ए०आई० का पूरी सड़क की फोर लेनिंग करने का निर्णय है, उसके बाद गोहाना में सर्कुलर रोड की क्या शक्ल होगी, क्या चौड़ाई होगी, किस प्रकार से सुविधाये दी जाएंगी, यह

निर्णय एन०एच०ए०आई० करेगी। जहां तक इन्होंने अधिकारियो की मीटिंग की चर्चा की उस बारे में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि माननीय सदस्य का जो विधान सभा क्षेत्र है वह हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और हमारी सरकार की प्राथमिकता के केन्द्र बिन्दु पर हैं। महिला विश्वविद्यालय की स्थापना भी माननीय सदस्य के विधान सभा क्षेत्र के अन्दर की गई और दो–दो विश्वविद्यालय सोनीपत जिले में खोले गये हैं। जो भी सुविधाएं सोनीपत में महिलाओं को मुहैया करवानी चाहिए, हम अवश्य वहां पर करवायेंगे।

Sanction of New Canal

***617. Shri Karan Singh Dalal:** Will the Minister for Irrigation be pleased to state whether any proposal is under consideration of Government for construction of new canal from WJC for supplying water for Urban Areas of Gurgaon togetherwith its capacity and place of origin of the said canal ?

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav): Yes, Sir. The channel has been proposed to off-take at RD 223300-R of Delhi Branch having initial Capacity of 500 Cs. with a margin of free board in structures to augment it further by another 300 Cs. when the demand develops.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इन्होंने मेरे प्रश्न के उत्तर में बताया है कि दिल्ली ब्रान्च से नई नहर गुड़गांव के लिए निकालेंगे। अध्यक्ष महोदय, हमारी चिन्ता यह है और हम यह जानना चाहते हैं कि दिल्ली ब्रान्च से तो पहले ही फरीदाबाद, मेवात और

दिल्ली के लिए पानी आया करता था तो इस नई नहर के बनने से कहां से तो पानी की एलोकेशन का बंटवारा करेंगे और जो पानी अब तक जैसे–तैसे मिलता था, इस नहर के पानी की और जो पहले दूसरी नहरे हैं उसके पानी की भरपाई कहां से करेगे ? क्या इस नहर के निकालने से फरीदाबाद और मेवात के किसानो को कोई नुकसान तो नहीं होगा ?

केप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कहा है कि यह जो नई नहर बनाई जा रही है यह एन०सी०आर० के वाटर सप्लाई चौनल के लिए बनाई जा रही है। इससे फरीदाबाद ओर मेवात को कोई नुकसान तो नहीं होगा। मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहता हू कि डब्ल्यू०जे०सी० की कैपेसिटी दादुपुर–इन्द्री हैड से हम 14 हजार से 20 हजार क्यूसिक तक बड़ा रहे हे और इसके लिए 30 करोड़ रुपये की लागत से कार्य किया गया है। मैं समझता हू कि ऐसा करने से जो माननीय सदस्य ने चिन्ता जाहिर की है। वह दूर हो जायेगी। दूसरा, दिल्ली ब्रान्द के खूबडु से काक्डू हैड की कैपेसिटी को भी हम इन्क्रिज कर रहे हैं। जो एन०सी०आर० वाटर सप्लाई चौनल है उससे गुड़गांव बहादुरगढ़, सांपला, बादली, इण्डस्ट्रियल टाऊन मानेसर, खरखोदा जैसी औद्योगिक जगह को जहा पानी की जरूरत है, उनको पानी दिया जायेगा और इस नहर के बनने से फरीदाबाद और मेवात एरिया को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मैं माननीय सदस्य को यह भी बताना चाहता हूं कि मेवात एरिया को इरीगेशन और ड्रिकिंग फैसेलिटी देने के लिए, जे०एन०एल० और साहलावास फीडर से

एक मेवात कैनाल निकालेगे। इसकी 326 करोड़ रुपये की एक प्रोपोजल सरकार ने तैयार की है। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडा के नेतृत्व की सरकार जो कहती है वही कार्य वह कर रही है। जो माननीय सदस्य विपक्ष मे बैठे हैं वह अपने कार्यो के कारण उधर बैठे हैं उनकी सरकार के समय मे वर्ष 2004–2005 मे जो प्लान आउटले थी वह कुल 151.65 करोड़ रुपये की थी जबकि हमारी सरकार के समय में वर्ष 2005–2006 में 315 करोड़ रुपये और वर्ष 2006–07 मे 357 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। वर्तमान सरकार केवल बात नहीं करती बल्कि काम करके दिखाती हे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के राज में दिल्ली को पानी देने के लिए किसी ट्रिब्यूनल ने बंटवारा नहीं किया बल्कि सुप्रीम कोर्ट के मात्र फैसले से इनकी सरकार ने दिल्ली को पानी दे दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमन्त्री महोदय का धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में पहली दफा चेलेंज किया जबकि पानी के बंटवारे के लिए सुप्रीम कोर्ट नहीं बल्कि ट्रिब्यूनल फैसला करता है। हमे अब उम्मीद है कि मुख्यमंत्री जी के प्रयासो से वह पानी हमे मिलेगा। उससे फरीदाबाद और मेवात के किसानों के खेतों मे पानी की मात्रा बढेगी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से आदरणीय केप्टन साहब से यह जानना चाहता हूं कि जो दादूपुर–नलवी नहर सरकार बनाने जा रही है। यह बहुत अच्छी बात है। इसके बनने से प्रदेश के किसानों को बहुत फायदा होगा लेकिन इस नहर के बनने में कई साल लगेगे। कहीं ऐसा न हो कि गुड़गांव और एन०सी०आर० के लिए नहर बनाकर उस इलाके को पानी दे दिया जाए

और फरीदाबाद जिला ऐसे ही रह जाये। इसलिए मैं मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि जब तक वह नहर नहीं बनती तब तक क्या फरीदाबाद को पानी देने के लिए दूसरी व्यवस्था की जायेगी या नहीं?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जो गुड़गांव और एन०सी०आर० के लिए नहर बनेगी उसको बनने में दो साल का समय लगेगा। उससे पहले हम डब्ल्यू०जे०सी० की कैपेसिटी बढायेंगे, इसलिए पानी की कोई दिक्कत नहीं रहेगी। दूसरी माननीय सदस्य ने दिल्ली को पानी देने के बारे में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बारे में बात की है। उसके बारे में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हम रिव्यू पैटीशन डालने पर विचार कर रहे हैं क्योंकि उस पानी के बगैर हमें बहुत दिक्कत हो रही है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने माननीय सदस्य कर्ण सिंह दलाल जी के सवाल का जवाब दे दिया है। लेकिन फिर भी मैं उनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि फरीदाबाद को पानी के बारे में कभी भी किसी तरह का नुकसान नहीं होने दिया जायेगा। जितना हक फरीदाबाद का पानी पर बनता है वह उसको दिया जायेगा। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि डब्ल्यू०जे०सी० की कैपेसिटी बढ़ने के बाद फरीदाबाद जिले को पानी की कमी नहीं रहेगी और इससे फरीदाबाद के अलावा सिरसा और फतेहाबाद को भी धान की खेती के लिए 2000 क्यूसिक फालतू पानी मिलेगा।

श्री ए०सी० चौधरी: अध्यक्ष महोदय, शहरो में प्रोपर पानी की व्यवस्था करने के लिए यदि किसी सरकार ने चिंतन किया है तो वह आज की सरकार ने किया है। गुड़गांव शहर को पेयजल स्कीम देकर सरकार ने बहुत की अच्छा काम किया हे। मैं मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि पहाड़ी के एक तरफ गुड़गांव बसा है और दूसरी तरफ फरीदाबाद बसा है। फरीदाबाद शहर में जहां पहले ट्यूबवैलो की कैपेसिटी 25 हजार गैलन पर आवर डिसचार्ज की थी वह अब कम होकर दो हजार या अढ़ाई हजार गैलन प्रति आवर की रह गई है। रैनीवैल की स्कीम से भी पानी प्रोपर नहीं मिल रहा है। इसलिए मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या फरीदाबाद शहर को भी प्रोपर पीने के पानी की व्यवस्था देने के लिए सरकार कोई स्कीम बनायेगी ताकि वहां के लोगो को पीने का पानी प्रोपर मात्रा में मिल सके?

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, यह सवाल फरीदाबाद म्यूनिसिपल कारपोरेशन की परिधि में आता है और लोकल बॉडी से जुड़ा हुआ प्रश्न है फिर भी मै माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जवाहर लाल नेहरू नेशनल अर्बन रिन्यूवल मिशन में भारत सरकार ने पूरे प्रांत में से केवल फरीदाबाद शहर को आईडैंटिफाई किया है। इस मिशन के तहत सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जायेंगी और 100 करोड़ रुपये भारत सरकार से आयेंगे जिसमे पीने के पानी की व्यवस्था भी प्रोपर मात्रा में की जायेगी। हरियाणा सरकार ने यह क्रांतिकारी स्कीम केन्द्र के यूनाईटिड प्रोग्रेसिव अलायंस के मैनीफैस्टो से ली हे। हमारी सरकार और

फरीदाबाद म्यूनिसिपल कारपोरेशन पूरी तरह से सजग हैं कि फरीदाबाद में पानी की कमी न रहे। मैं माननीय सदस्य को यह भी बताना चाहूंगा कि फरीदाबाद म्यूनिसिपल कारपोरेशन को जो भी मदद सिंचाई विभाग या जन स्वास्थ्य विभाग से चाहिए वह भी सरकार द्वारा दी जायेगी।

श्री बलवंत सिंह सदौरा अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि दादूपुर से लेकर नारायणगढ़ तक क्या सरकार कोई नहर बनाने जा रही है ?

कैप्टन अजय सिंह यादव अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह प्रश्न इस प्रश्न से रिलेटिड नहीं है फिर भी मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि अंबाला इरीगेशन स्कीम के तहत 683 क्यूसिक कैपेसिटी की 400 कि०मी० लम्बी नहर बनाई जायेगी, इस पर 295 करोड़ रुपये का खर्चा आयेगा। यह नहर सिंचाई और रिचार्जिंग के लिए बनाई जा रही है। नारायणगढ़ भी इसी स्कीम में कवर हो जाता है। जिस समय माननीय मुख्यमंत्री जी नारायणगढ़ गये थे उस समय लोगों ने इस नहर की मांग रखी थी और उन्होने मान ली थी। माननीय मुख्यमंत्री जी इस बारे में पूरा सर्व करवाकर इस स्कीम को लाग करना चाहते हैं। इसके अलावा जो बाकी एरिया के लिए दादूपुर—नलवी नहर बनाने का सवाल हे, आपको मालूम है उस नहर को बनाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री ने नीव रखी थी अब वे सदन में बैठे नहीं हैं। वे श्रीमान् जी इस नहर को बनाने के लिए पत्थर रखकर पार गये। न तो बजट में इस नहर को बनाने का कोई प्रोविजन था न कोई जमीन एक्वायर की, न कोई मुआवजा दिया और केवल नींव पत्थर रख दिया गया। अगर पिछली

सरकार के समय में रखे हुए पत्थरों को इक्ट्ठा किया जाये तो मालगाड़ी भर सकती है। इस सरकार ने केवल नींव पत्थर नहीं रखे बल्कि दादूपुर नलवी नहर का काम शुरू करवाया है जबकि पिछले 20 सालों से कई सरकारे आई और चली गई लेकिन किसी सरकार ने इस नहर को बनाने का काम नहीं किया। यह सरकार चाहे नरायणगढ़ एरिया हो, चाहे अम्बाला और कुरूक्षेत्र का एरिया हो, चाहे साऊथ हरियाणा का एरिया हो, सभी एरियाज में equal distribution of water देने के हक मे है।

Embezzlement in Haryana Agro Industries Corporation

***679. Shri Radhey Shyam Sharma:** Will the Minister for Industries be pleased to state whether any case of embezzlement in the Haryana Agro-Industries Corporation took place during the period from the year 2001 to 2004; if so, the details of such embezzled amount togetherwith the steps taken or proposed to be taken against the officers/officials involved in the said embezzlement ?

Agriculture Minister (Sardar H.S. Chatha): No, Sir. The matter is under active consideration.

श्री राधे श्याम शर्मा अमर: स्पीकर सर, विभाग के ऑकडो की जानकारी के अनुसार सन् 2001 से 2004 तक तत्कालीन सरकार के संरक्षण में कुछ अधिकारियों ने जो डी०एम० लगे हुए थे उन्होंने सरकार के गेहूं को बेच कर खुर्द बुर्द किया और उस पैसे को हजम कर गये। जिसके बारे मे बाद में विजिलैंस से इन्क्वारी हुई और विजिलेंस की इन्क्वायरी में उन अधिकारियों को दोषी पाया गया और विजिलैंस विभाग ने कहा कि इनके खिलाफ कार्यवाही की जाये। मंत्री जी कह रहे

हैं कि इन्क्वायरी की जा रही है तो इम्बैजलमैंट है तभी तो इन्क्वायरी की जा रही है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जो लगभग 55 करोड़ रुपये का गबन वर्ष 2001 से 2004 तक किया है क्या उसके बारे में मंत्री जी जांच करवायेंगे?

सरदार एच०एस० चड्ढा: स्पीकर सर, वर्ष 2001 से 2004 unfortunately यह बात हुई है इसको मै स्वीकार करता हूं और एम०एल०ए० साहब और हाउस को यह विश्वास दिलाता हूं कि जो भी दोषी पाया जायेगा उसको बिलकुल नहीं बख्शा जायेगा। दूसरी बात मैं हाउस को विश्वास दिलाता हूं कि इस बारे में थोरो इन्क्रवायरी होगी और किसी को रियायत नहीं दी जायेगी चाहे कोई बड़ा हो या कोई छोटा हो, अगर दोषी पाया जायेगा तो उसको बख्शा नहीं जायेगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के मुखिया श्री ओमप्रकाश चौटाला थे जो कि इस समय हाउस में नहीं है, वे उत्तरप्रदेश और दूसरे प्रदेशों से अपनी राजनीति करने के लिए गेहूं खरीदते थे पिछली सरकार उसको खराब घोषित करवाती थी। फिर उसको डिस्पोज ऑफ करके उसको खेतों में फिकवा देते थे। खेतो में क्या फिकवाते थे, अपने आदमियों को बन्दूक की नीक पर सस्ते भावों में दिलवा देते थे और फिर इनके आदमी दोबारा से उस गेहूं को वापिस सरकार को बेच देते थे। सरकार उस गेहूं को दोबारा से ऊंचे भाव से खरीदा करती थी और बेचा करती थी। क्या सरकार इस बात की जांच करवायेगी कि वे जो गेहूं को डिस्पोज ऑफ करते थे वे एफ०सी०आई० के नार्मस के मुताबिक करते थे?

सरदार एच०एस० चट्ठाः अध्यक्ष महोदय, सवाल इतना लम्बा चौड़ा हो गया अगर छोटा– छोटा करके पूछते तो मैं तीन–चार जवाब बनाकर दे देता। मैंने एक बात साफ कही है कि हमारे पास यह कम्पलेट तो आई नहीं कि फलां आदमी ने यू०पी० से गेहूं खरीदा या बेचा और इसकी इन्क्वायरी की जाये। जिस दिन कम्पलेंट आ जायेगी मैं उसी दिन जांच के लिए विजिलैंस को भेज दूंगा। मेरे पास तो तथ्य आये हैं उसके मुताबिक गेहूं की शॉर्टेज की बात आई है और कुछ डैमेज की बात आई है। मैं ईमानदारी से कहता हूं कि हम इस शिकायत को ठीक ढंग से देखेंगे। अध्यक्ष महोदय, इन बेचारों के बस का नहीं था, जिसके बस का था वह तो यहां है नहीं। ये बेचारे तो पीछे बैठे थे और हाथ खड़ा करने वाले थे।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, मन्त्री जी ने माना है कि डैमेज्ड गेहूं की शिकायत इनके पास है, शॉर्टेज की शिकायत इनके पास है। अध्यक्ष महोदय, यही बात हमने महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए बताने की कोशिश की थी कि किरन प्रकार से भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के सारे रास्तों को ढूंढा करते थे। अध्यक्ष महोदय, यह शॉर्टेज नहीं थी बल्कि इन्होंने खरीददारिया की थी जो इनकी मिली भगत से की गई थीं। जानबूझ कर सस्ते दामों पर ये खराब गेहूं खरीदते थे और गवर्नमैट के रेट पर सरकार को चेप दिया करते थे। अच्छे गेहूं को खराब दिखा कर उसको ऑक्शन में गलत तरीकों से बेच कर कई हजार करोड़ रुपये की जो सम्पत्ति इस प्रदेश में और देश के दूसरे प्रान्तों में पांच सितारा होटलो मे चौटाला जी ने

लगाई है वह हरियाणा के गरीब किसानो की खून पसीने की कमाई है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय कृषि मन्त्री जी से अनुरोध करूंगा कि ये सारा मामला विभाग के नोटिस में है। अगर आप कहें तो इसके बारे मे अलग से लिख कर भी दिया जा सकता हे लेकिन ऐसे नापाक इरादों वाले व्यक्तियों को सजा देने का इन्तजाम कृषि मन्त्री महोदय को करना चाहिए, में इनसे यह जानना चाहूंगा कि क्या वे ऐसा करेगे?

सरदार एच०एस० चट्ठा: स्पीकर सर, यह क्वैश्चन केवल शॉर्टेज का है खरीद–फरोख्त का क्वैश्चन नहीं है। माननीय सदस्य लिख कर कम्पलेट दें में कहता हूं कि मैं कल से इन्क्वायरी शुरू करवा दूंगा।

Sanction of Power Plants

***629. Dr. Sita Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state the number of power plants in the State, which are based on coal and gas separately?

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav): Sir, A statement is laid on the table of the house.

Statement

i. Coal based Power Plants in the State:

Sr. No.	Name of Power Station Capacity	(MW) & Unit No.
	Faridabad Thermal Power Station	55 MW Unit-1

		55 MW Unit-2
		55 MW Unit-3
	Total:	165 MW
	Panipat Thermal Power Station, Panipat	
	Stage-I	110 MW Unit-1
		110 MW Unit-2
	Stage-II	110 MW Unit-3
		110 MW Unit-4
	Stage-III	210 MW Unit-5
	Stage-IV	210 MW Unit-6
	Stage-V	250 MW Unit-7
	Stage-VI	250 MW Unit-8
	Total:	1360 MW

ii. Gas based Power Plants in the State:

Sr. No.	Name of Power Station	Capacity (MW)
i.	NTPC Gas based Power Plants in Village Mujheri, Faridabad	432 MW

डा० सीता रामः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि वर्ष, 2007 मे प्रदेश में कितने नये पावर प्लांटस लगाए जा रहे हैं और उनसे इस साल के अन्दर कितने मैगावाट बिजली प्रदेश को मिलेगी ? मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि कितने प्रोजेक्टस कोल बेस्ड हैं और कितने गैस बेसड है और इसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहता हूं कि इससे जो प्रोडमान रेट होगा वह कितना होगा और उपभोक्ता को किस रेट पर बिजली प्रति यूनिट उपलब्ध होगी?

श्री अध्यक्षः डा० साहब, इस प्रश्न का जवाब तो पहले ही आ चुका है जब आपने सवाल दिया था तब सप्लीमैंट्री बनाई होगी।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, हालांकि यह सप्लीमैंट्री इस प्रश्न से लिंक नहीं करती फिर भी मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा क्योंकि इन्होंने सवाल पूछ लिया है। मैं पहले भी इसके बारे में बता चुका हूं कि वर्ष 2007 के अन्दर एक तो 600 मैगावाट का कोल बेस्ट प्लांट यमुना नगर में तैयार होगा और नवम्बर, 2007 में 300 मैगावाट की पहली इकाई का प्लांट चालू हो जाएगा। दूसरी 300 मैगावाट की दूसरी इकाई का प्लांट फरवरी 2008 में शुरू हो जाएगा। यह 600 मैगावाट बिजली हमारा यमुना नगर का प्लांट पैदा करेगा। इसके अलावा कोल–बेसड 1200 मैगावाट का प्लांट हिसार में लगाया जाएगा। इसको बाकायदा रिलायंस ऐनर्जी लिमिटिड कम्पनी द्वारा बनाया जायेगा। इसके लिए दिनांक 16–1–2007 को मैसर्ज आर०एल० रिलांयस लिमिटड को at cost of 37075-43 crores पर इस प्रोजैक्ट को दे दिया

है। मैं समझता हूं कि यह 35 से 38 महीनों के अन्दर बनेगा जो कि शॉर्टेस्ट पीरियड है। दिसम्बर, 2009 में यह प्रोजैक्ट बिजली पैदा करना शुरू कर देगा। अध्यक्ष महोदय, इससे तकरीबन 4.4 लाख कन्ज्यूमर्ज को लाभ पहुंचेगा और स्टेट कन्ज्यूमर्ज के लिए नं 11 परसैंट की बिजली उत्पादन में वृद्धि होगी। 600 मैगावाट का प्लांट दिसम्बर, 2009 में और दूसरा यूनिट मार्च, 2010 में तैयार हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से 1500 मेगावाट का एक कोल बेसड पावर प्लांट जिसका एम०ओ०यू० 24 –8–2006 को साईन हुआ between N.T.P.C. and H.P.G.C.L. on behalf of Haryana Government and I.P.G.C.L. on behalf of Delhi Government. इसमें मैंने पहले भी बताया था कि हमारी स्टेट की इक्विटी 300 करोड़ रुपए की है और इससे 750 मैगावाट बिजली मिलेगी। हमारी स्टेट मे टोटल 2550 मैगावाट बिजली की प्रोडक्शन प्रोग्रैस मे है। यह सब हमारे मुख्यमंत्री जी की सूझबूझ से हो सका है। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के समय में तो थर्मल प्लांट बना दिया गया था और उसकी यूनिट नं० 7 दो साल तक बंद रही थी इसका मुख्य कारण उसमें डुप्लीकेट और फाल्टी पुर्जे लगाना था। हमने उसको बड़ी मुश्किल से शूरू किया है। इन्होंने तो जनता को गुमराह करने का काम किया था और ये हमें कहते हैं कि सरकार ने दो सालो में क्या किया है। कभी ये कहते हैं कि हमने बिजली पैदा नहीं की और कभी कहते हैं कि हमने कहीं पर पानी नहीं दिया है। हमारी सरकार ने जो भी काम शूरू किए हैं वे सब प्रोग्रैस में हैं।

डा० सीता राम: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह जो बिजली की प्रोडक्शन होगी उसको ये

प्राथमिकता के आधार पर कहां कहां देंगे और प्रति यूनिट किस रेट पर देंगे?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि यह सब इलैक्ट्रिसिटी रैगुलेटरी कमिशन तय करता हे। में इनको बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार पिछली सरकार की तरह से ठगी नहीं करती है। हमारी सरकार ईमानदारी से काम करती है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः सीता राम' जी, आप अपनी सीट पर बैठे। बिना इजाजत के न बोलें। (विघन)

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, कैप्टन साहब ने इनके सवाल का काफी डिटेल में जवाब दिया है। डाक्टर सीता राम जी काफी सुलझे हुए आदमी हें। अध्यक्ष महोदय, जब से इनके नेता सदन में आए हैं और बादल सरकार पजांब में बनी है तब से इनकी तबाही का काम शुरु हो गया है। आज इनके नेता सदन में नहीं आए तो आप खुद देखे कि ये कितने खुश हैं और इनके चेहरो पर प्रसन्नता है। (विघ्न)

डा० शिव शंकर भारद्वाजः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पिछले दिनों मे आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने पानीपत में न्यूक्लीयर पावर से बिजली पैदा करने की बात कही थी। इस बारे में आज की तारीख में क्या प्रोगैस चल रही है?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, इनका प्रश्न तारांकित प्रश्न से रिलेटिड नहीं है लेकिन मैं फिर भी इस बारे में बता देता हूं। अध्यक्ष महोदय, इसके लिए डिस्ट्रिक्ट फतेहाबाद में साईट देखी गई है और वहां पर 400 से 600 मैगावाट का प्लांट लगाने की सरकार की नीयत है। ज्यादा से ज्यादा बिजली पैदा करने का इस सरकार का विचार है।

प्रो० छत्तर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, डाक्टर सीता राम जी ने अच्छा सवाल पूछा है ओर ये अच्छे आदमी भी हैं लेकिन ये गलत लोगो के साथ फंसे हुए हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आप इस तरह से न बोलें। प्रश्न काल चल रहा है और यह हाउस का बहुत ही इम्पोरटैंट समय होता है। आप बैठें।

प्रो० छत्तरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी कांस्टीचुएंसी मे खेदड़ गांव पड़ता हैं और सरकार ने वहां पर 1200 मैगावाट का प्लांट लगाने के बारे में विचार किया है और उसको 36 महीने में पूरा करने का भी फैसला किया है। इस बारे में में मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि उस प्लांट के लिए किस साल में जमीन ली गई थी और उस वक्त कौन सी सरकार थी। जब वह लैंड ली तब से यहां पर कितने नेता आ चुके हैं। इसको समय पर न बनाने के लिए कौन–कौन दोषी हैं?

10.00 बजे

श्री अध्यक्षः प्रोफेसर साहब, वह तो आपको पता ही तै।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जितना भी कार्य किया है वह इस सरकार ने ही किया है। पिछली सरकार ने तो इस बारे में कुछ भी नहीं किया। न तो पिछली सरकार की इस बारे में कोई नीति थी और न ही ये दूरअंदेशी थे जबकि हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी दूरअंदेशी हैं जिन्होंने यह कार्य शुरू करवाया है। अध्यक्ष महोदय, इतने कम समय में किसी भी कोल बेस्ट प्लांट का काम शुरु। नहीं हुआ है, इसलिए यह इस सरकार की बहुत बड़ी अचीवमैंट है। यह रिकार्ड की बात है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा): अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा को बने हुए चालीस साल हो गये है। और यहां पर दस–दस साल तक लोग मुख्यमंत्री भी रहे हें लेकिन हमारी बिजली की अपनी जैनरेशन केवल 1850 मैगावाट ही रही है और दो हजार मैगावाट का हिस्सा हमारा बाहर की परियोजनाओं में हे। कुल बिजली 4050 मैगावाट के करीब ही उपलब्ध है जबकि पीक समय मे यह 2800 मैगावाट से लेकर 2900 मैगावाट तक ही होती है। इसके लिए मैं किसी को दोष नहीं देना चाहता लेकिन मैं सदन को यह आश्वासन जरूर देना चाहता हूं कि जहां पहले चालीस साली मै कंवल 1850 मैगावाट बिजली ही उपलब्ध रही कही अब इन पांचो सालों के प्लान में हम पांच हजार मैगावाट बिजली जैनरेट करेंगे ताकि बिजली की कमी न रहे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं अपने आपको करैक्ट करना चाहूंगा। माननीय सदस्य ने पूछा है कि किस साल में वह प्लांट लगा है। मैं आपके माध्यम से उनको बताना चाहूंगा कि इस

प्रोजैक्ट के लिए खदेड़ गांव में 1988 में जमीन ऐक्वायर की गयी थी। इस जमीन की कॉस्ट 1363.08 करोड़ हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अपनी रिप्लाई के द्वारा सदन के पटल पर जो जानकारी दी है। उसमें सीरियल नं० (2) की रटेज–6 में पानीपत थर्मल पावर प्लांट की यूनिट–8 जोकि 250 मेगावाट की है, का जिक्र किया है। अध्यक्ष महोदय, इस यूनिट–8 कै बारे में इसी महीने की आठ तारीख को इंडियन एक्सप्रेस अखबार मे बहुत बड़ी खबर छपी है कि आदरणीय ओम प्रकाश चोटाला जी जब मुख्यमंत्री थे तो उन्होने जानबूझकर 53 करोड़ कुछ लाख रुपये की एक ऐग्जिक्यूटिव एजेंसी को गलत तरीके से पेमैंट की थी। हालांकि उसने काम ठीक तरीके से नहीं किया था। जो इतना बड़ा नुक्सान हुआ वह हमारे चौटाला साहब की वजह से हुआ। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री जी इस बारे में कोई विधिवत–तौर पर प्राथमिकी दर्ज करवाएंगे या कोई उनके खिलाफ कार्यवाही करेंगे ताकि प्रदेश के लोगों के इस पैसे की भरपाई हो सके। अध्यक्ष महोदय, अगर सीताराम जी चाहें तो वे भी इस बारे में सुझाव दे सकते हैं कि कैसे यह 53 करोड़ कुछ लाख रुपये उनसे निकाले जाएं। सीता राम जी को एक बात की जानकारी नहीं कि जब इनके नेता इस प्रदेश के मुख्यमंत्री हुआ करते थे उस समय उनके अंदर से अहंकार और अभिमान की एक जबरदस्त हीट निकलती थी। यह हीट इतनी ज्यादा होती थी कि उससे एक छोटी मोटी टरबाईन भी चलायी

जा सकती थी लेकिन वे तो उस समय विरोधियों का इलाज करने में ही लगे रहे ओर उन्होंने बिजली नहीं बनायी।

वित्त मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): अध्यक्ष महोदय, संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि सीता राम जी बडे ऊर्जावान है जैसे मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम पांच हजार मैगावाट बिजली ओर बनाएंगे तो मेरा कहना यह है कि अगर कहीं पर इसमे कमी रह जाए तो एक प्लग सीता राम जी के भी लगा देना क्योंकि ये बड़े ऊर्जावान हैं। (विघन)

Sh.Randeep Singh Surjewala: Dr. Sahib, it is part of our inclusive growth.

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर सर, दलाल साहब ने पानीपत थर्मल पावर प्लांट की यूनिट आठ का जिक्र किया है, यह बात सही है कि इन लोगों ने इसको कामर्शियल यूज के लिए डिले करवाया। चौथे महीने में जाकर इनकी सरकार ने इसका काम आगे बढ़ाया जिसकी वजह से नुक्सान हुआ। इसके अलावा इस प्लांट की यूनिट– 7 के अंदर भी इन लोगों की लापरवाही की वजह से स्टेट को 236 करोड़ रुपये का नुक्सान हुआ है। इससे 94.5 यूनिट और ज्यादा बिजली पैदा होती लेकिन फाल्टी किस्म का मैटीरियल लगाने की वजह से ऐसा नहीं हुआ था। इस वजह से ही इस यूनिट में खराबी हुई इसलिए ये लोग ही इसके लिए दोषी हैं। पता नहीं ये उस समय किस तरह का काम किया करते थे क्योंकि इनकी वजह से ही स्टेट को 236 करोड रुपये का नुक्सान हुआ है। (विघ्न) स्पीकर सर, लोगों ने तो इनके नेता को विपक्ष

का नेता तक भी नहीं बनाया है। हमारे मुख्यमंत्री जी ने इनको आगे बैठा दिया है नहीं तो इनको तो पीछे बैठना चाहिए था।

श्री नरेश यादवः अध्यक्ष महोदय, पिछले विधान सभा सत्र में मुख्यमंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि रिवाड़ी –नारनौल रोड पर पाली गोठड़ा गांव में एक हजार मेगावाट का पॉवर स्टेशन बनाया जाएगा, उसके बारे में बताया जाए कि क्या सरकार की आज भी वह ऑफर स्टैण्ड करती है ?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जो यह ऑफर दी . गई थी उसके लिए लैंड अवेलेबल है लेकिन जब कोई व्यक्ति इस बारे मे आगे आएगा या कोई कंपनी आगे आएगी तभी यह काम हो सकता है। स्टेट गवर्नमेंट का ऑफर आज भी स्टैण्ड करता है लेकिन उसके लिए एरिया थोड़ा कम है। वहां गैस बेस्ज प्लांट लग सकता है लेकिन जैसा मैंने बताया है कि गैस की कमी है इसलिए गैस बेक्स प्लांट इस समय नहीं लग सकता। गैस के क्षेत्र में जब इम्प्रूवमैंट होगी, तब देख लिया जाएगा।

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से विशेष तौर से पूछना चाहूंगा जैसा इन्होंने कहा है कि आज के दिन प्रदेश में 1800 मैगावाट बिजली पैदा हो रही है। लिखित में जो रिप्लाई दिया है उसमें लिखा है कि 1587.4 मैगावाट बिजली आज के दिन पैदा हो रही है और दूसरे साधनों से भी पैदा हो रही है। में मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या यह सच है कि जो

हमारी वर्ष 2006 – 2007 मे मांग थी वह 3800 मैगावाट से लेकर 4900 मैगावाट तक की थी। यह जो पॉवर जनरेशन प्रौजैक्ट लगा रहे हैं क्या उनसे वर्ष 2009 तक इस मांग को पूरा किया जा सकेगा और उस वक्त उच्चतम मांग क्या होगी?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो मैं पहले ही विस्तार से बता चुका हूं कि हम 1587.4 मैगावाट बिजली का स्वयं प्रौडक्शन कर रहे हैं और 2550 मैगावाट बिजली अभी पाइप लाइन में है। बाहर से जो हम बिजली लेते हैं उसको मिलाकर 4051 मैगावाट बिजली इस समय उपलब्ध है लेकिन वह हमें पूरी तरह से मिल नहीं पाती। क्योंकि पिछली सरकार ने कोई नया प्लांट नहीं लगाया था। केवल 210 मैगावाट का प्लांट था बाकी सारे प्लांट उस समय खराब रहे। यह सरकार इतना बड़ा काम कर रही है फिर भी तकरीबन 1200 मैगावाट की शॉर्टेज हमें पीक ऑवर्ज में आती है और उसके बारे में हम कार्य कर रहे हैं।

डॉ० सुशील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, मैंने यह जानना चाहा है कि वर्तमान में उच्चतम मांग क्या है और 2009 में कितनी होगी?

श्री अध्यक्षः यह काफी वास्ट सवाल है इसलिए इसके बारे में अलग से पूछें।

श्री उदय मानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि क्या मंत्री जी इस बारे मे आपके संज्ञान में है कि मुंजेड़ी में जो एन०टी०पी०सी० का गैस बेक्स थर्मल पॉवर स्टेशन लग

रहा है। इसकी गवर्नमैंट ऑफ इंडिया से 865 मैगावाट की कैपेसिटी मंजूर हुई थी और उसके हिसाब से ही उसको डिजाइन किया गया था। इसमें जो गैस आती हे वह 865 मैगावाट के हिसाब से आती है और इन्फ्रास्ट्रस्चर भी पूरा 865 मैगावाट के हिसाब से है। इसकी वर्तमान में 432 मैगावाट की कैपेसिटी है क्या एन०टी०पी०सी० से इसकी कैपेसिटी डबल करने के बारे में बातचीत की गई हैं ?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं पहले भी कह चुका था कि गैस की कमी है। मुंजेडी का प्लांट अभी 432 मैगावाट बिजली पैदा कर रहा है। गैस की कमी वजह से उसकी कैपेसिटी अभी नहीं बढाई जा सकती है।

Investigation against former Chief Minister

***670. Sh. S.S. Surjewala:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the status of the cases, which are being handed over to C.B.I. against Shri Om Prakash Chautala, former Chief Minister, his sons and others accomplishes;

(b) whether the State Government has constituted any team of Haryana Officers to assist the C.B.I. for collection of evidence in these cases, and;

(c) the present position of these cases togetherwith the time by which these cases are likely to be finalized ?

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala):

(a) Since the CBI is investigating these cases, the State Government is unable to give the status of these cases.

(b) No, Sir.

(c) No time schedule can be given by the State Government as the cases are with the CBI.

श्री एस०एस० सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, मेरा पहला सवाल तो यह है कि स्टेट विजीलैंस ब्यूरो एक साल से इस केस की इन्क्वायरी कर रही है, कुछ सबूत तो इकट्ठे कर ही लिये हैं, क्या वे सबूत सी०बी०आई० को हैण्ड ओवर किए जायेगे? दूसरा मेरा प्यायंट यह है कि क्या राज्य की विजिलैस ब्यूरो और स्टेट पुलिस इस बारे में सी०बी०आई० को एसिस्ट करने के लिए कोई अलग से सैल मुकर्रर करेगी? क्योंकि सी०बी०आई० के पास जो भ्रष्टाचार के केसिज हैं वे ज्यादातर हरियाणा से संबधित हैं। सी०बी०आई० के पास इतना स्टाफ भी नहीं होता। स्टेट पुलिस के पास ही ऐसे केसिज की ज्यादा इन्फर्मेशन होती है, इसलिए विजीलैस ब्यूरो सी०बी०आई० की हैल्प कर सकती हे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला. स्पीकर सर, न केवल स्टेट विजीलैंस बल्कि सरकार के पास जो भी इन केसिज से संबंधित तथ्य होगे वे सारे के सारे सी०बी०आई० को अवश्य दे दिए जायेंगे। दूसरा माननीय सदस्य ने सवाल किया कि क्या इन केसिज के लिए अलग से कोई स्पेशल सैल गठित किया जायेगा। इस बारे मे मैं माननीय सदस्य

को बताना चाहूंगा कि जो भी सी०बी०आई० मदद चाहेगी राज्य सरकार हर प्रकार की मदद करेगी ताकि वे सारे कुकृत्य जो हुए थे उनकी पूरी जांच हो सके और दोषियों को सजा मिल सके।

श्री एस०एस० सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, सी०बी०आई० स्टेट पुलिस से कब इकर्मेशन मांगेगी या नहीं मांगेगी इस बारे में तो मैं कुछ कह नहीं सकता लेकिन विजीलैंस ब्यूरो सी०बी०आई० से इस ब्यौरे के बारे में पूछ सकती है उनके साथ बात कर सकती है कि कहां तक बात पहुंची है ? सी०बी०आई० को किस प्रकार की मदद चाहिए, यह इनीशिएटिव तो स्टेट गवर्नमेंट ले सकती है और इस बारे में वह सी०बी०आई० पर छोड़ सकती है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, केन्द्रीय जांच ब्यूरो जो भी एसिस्टैंस चाहेगी राज्य सरकार हर प्रकार की मदद देगी। इस केस को लेकर हम सजग हैं इन केसिज का सारा रिकार्ड हम सी०बी०आई० को देगे। इन केसिज की जांच सीमित समय पर पूरी हो और दोषियों को सजा मिले। सी०बी०आई० जितनी जानकारी चाहेगी, राज्य पुलिस प्रमुख, विजीलैंस प्रमुख ओर दूसरे पुलिस के अधिकारी उनको वह जानकारी देंगे। इन केसिज के बारे में हमारी पुलिस का उनके साथ तालमेल है और आपस में सूचनाओं मे बारे में आदान–प्रदान होता रहता है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जिन केसिज की जांच

सी०बी०आई० कर रही है वे तो टिप ऑफ आईसबर्ग हैं। वह तो एक छोटा सा मसाला है। जो चार्जशीट हमने बनाई थी उसमें यह बात भी थी, हरियाणा की जनता के मन में भी यह बात थी और स्पीकर साहब, आपकी जानकारी में भी वे बातें हैं कि चौधरी ओमप्रकाश. चौटाला जी ने कितने बड़े घोटाले हरियाणा में किए थे। उनके परिवार के लोगों ने, उनके संगी साथियों ने, उनमे चाहे अधिकारी हो, चाहे पार्टी के आफिस बियररर्स हैं, चाहे विधायक महानुभाव हों कुछ .... भी थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः नहीं ऐसा नहीं है, इस शब्द को कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

डा० सुशील इन्दौराः स्पीकर सर, माननीय सदस्य हमारी तरफ इशारा कर रहे हैं। ....

डा० सीतारामः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को इस प्रकार से टीका टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। ....

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, उनमें कुछ .... भी थी

Mr. Speaker: Nothing to be recorded.

डा० सुशील इन्दौराः स्पीकर सर, ...

डा० सीतारामः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री बलवन्त सिंह सदौराः स्पीकर सर, ...

श्री अध्यक्षः आप सभी तो जैंटलमैन हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जिन बहुत बड़े घोटालो की जांच अभी सी०बी०आई० को नहीं दी गई है उन घोटालों की जांच करने के लिए क्या इस महान सदन की कोई कमेटी बनाई जायेगी? उस कमेटी में आई०एन०एल०डी० पार्टी के सदस्यों को भी मैंबर बनाया जाये और उनको दिखायी जाये कि किस तरह से हजारों करोड़ों रुपये की लूट गरीब किसानों और मजदूरों की पिछली सरकार में हुई हे। अध्यक्ष महोदय, जो धोखा और लुट पिछली सरकार के समय मे गरीबों के साथ हुई है जब तक उसकी भरपाई नहीं होगी तब तक लोग हमें माफ नहीं करेंगे। (विघन) इसलिए मैं रणदीप जी से पूछना चाहता हूं कि ओम प्रकाश चौटाला के साथ मिलकर जिन अधिकारियों ने घोटाले किए जिनका केस सी०बी०आई० के परव्यू मे नहीं है उन घोटालों को सी०बी०आई० के परव्यू में लाने के लिए सरकार कोशिश करेगी या अलग से सदन की कमेटी बनाकर जांच करवाई जायेगी।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने बहुत वाजिब और गम्भीर प्रश्न सदन में उठाया है। (विघन) अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथी जिस प्रकार का व्यवहार यहां सदन में कर रहे हैं उससे सदन की गरिमा बनी नही रह सकती। इनको सरकार का जवाब सुनना चाहिए। माननीय सदस्य ने बहुत ही गंभीर प्रश्न किया है। इस प्रात के अधिकारों का हनन हुआ था। लोगों के पैसों को बड़ी बेदर्दी से लूटा गया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को

और हरियाणा प्रदेश की 2.50 करोड़ जनता को हमारे मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी और हमारी कांग्रेस पार्टी की तरफ से कहना चाहता हू कि जो चार्जशीट सरकार ने सी०बी०आई० के पास भेजी है उसके अलावा अगर कोई भी मैटीरियल किसी के पास है तो कृपा करके वह आगे आये और सरकार को भेजे। मुझे लगता है कि दलाल साहब के पास अभी चौटाला जी के खिलाफ काफी मैटीरियल है। मैं on the floor of the House आश्वसन देता हूं कि हम उसकी पूरी जांच करके सी०बी०आई० को रैफर कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, हम पूरी तरह से सुनिश्चित करेगे कि कोई भी दोषी बच न पाये। स्पीकर सर, जहां तक माननीय सदस्य ने सदन की कमेटी बनाने के लिए सवाल किया है इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि जब सरकार सी०बी०आई० से जांच कराने के लिए तैयार है तो कमेटी बनाने का सवाल ही नहीं उठता। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार की चक्की आहिस्ता–आहिस्ता चलती है लेकिन अच्छा और बारीक पीसती हे।

श्री एस०एस० सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, सी०बी०आई० के साथ स्टेट गवर्नमैंट का आदान प्रदान होता रहता है। एक साल का समय हो गया है यह कैसे हो सकता है कि स्टेट गवर्नमैंट को मालूम न हो कि अब तक चौटाला के खिलाफ सी०बी०आई० ने क्या कार्यवाही की है? दूसरा प्रश्न मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या सी०बी०आई० ने चौटाला के खिलाफ प्रिलिमिनरी एफ०आई०आर० दर्ज की है या नहीं क्योंकि सी०बी०आई० मुलजिम के खिलाफ सबरने पहले प्रिलिमिनरी एफ०आई०आर० ही दर्ज करती है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमारी जानकारी के मुताबिक प्राथमिक एफ०आई०आर० दर्ज हो चुकी है। चौटाला साहब के बहुत सारे बैंक खातों को सील किया गया है। उनके यहां कई जगहों पर दो बार सी०बी०आई० ने रेड भी की है। इस तरह से सी०बी०आई० अपनी जांचकर रही है। जहां तक माननीय सदस्य ने जांच के स्टेट्स के बारे में पूछा हे वह हम इस समय नहीं बता सकते क्योकि जांच सी०बी०आई० कर रही है और सी०बी०आई० स्वतंत्र ऐजेंसी है। आप लोगों को यह खतरा था कि यदि सरकार जांच करेगी तो निष्पक्ष जांच नहीं हो सकती यही सोचकर हमने केन्द्रीय जांच ब्यूरो को यह मामला दिया है।

श्री एस०एस० सुरजेवालाः इन्डीपैंडैट ऐजेन्सी से इस बारे में पूछने में क्या आपत्ति है ?

श्री अध्यक्षः इस बारे में पहले ही रिप्लाई दे दिया गया है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, हम इस बारे में भी पता कर लेंगे इसमें कोई आपत्ति नहीं हे।

श्री सुखबीर सिंहः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से यह' पूछना चाहता हूं कि महम कांड में निर्दोष लोग मारे गये थे, जो खूनखराबा किया गया था उसकी जांच किस स्टेज पर चल रही है और क्या यह जांच भी महम कांड की जांच की तरह ही बीच में लटक जायेगी ?

श्री अध्यक्षः महम में क्या हुआ था?

श्री सुखबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, महम मे निर्दोष लोगों को मारा गया था भाई अमीर सिंह दागी का कत्ल हुआ, पहले तो विधान सभा के उम्मीदवार के रूप में उसका फार्म भरवाया गया और फिर जब यह देखा कि चुनाव में उसकी हार होगी तो उसका कत्ल करवा दिया। रात को 9 बजे अमीर सिंह दागी को औम प्रकाश चौटाला और उसके बेटे के साथ देखा गया था और रात को ही उसको मरवा दिया गया। उसके बाद भी आज तक इनका कुछ नहीं हुआ और भाई आनन्द सिंह दागी को इतने साल तक जेल में गुजारने पड़े। (विघन)

डॉ० सुशील इन्दौराः सर, ये सरासर इल्जाम लगा रहे हैं।

श्री अध्यक्षः डॉक्टर साहब, ये सैकिया कमिशन की रिपोर्ट पर बोल रहे हैं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला. डॉक्टर साहब, ये लांछन नहीं ये तो सुप्रीम कोर्ट के जज की रिपोर्ट है जिसकी माननीय सदस्य चर्चा कर रहे हैं जिसमें आपके लीडर और उनके पुत्र दोनों को दोषी पाया गया था।

श्री सुखबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, उनको अभी तक जेल मे बन्द नहीं किया गया। उनके ऊपर केस हे उनको जेल में क्यों नहीं डाला गया ?

श्री रामकुमार गोतम: अध्यक्ष महोदय, लोगों को शक है कि दो साल से यह जांच चल रही है और पता नहीं कितने साल और चलेगी। माननीय सदस्य ने जो मामला उठाया है सर, इन भाइयों को भी समझना चाहिए कि अमीर सिंह भी चौटाला का दोस्त था और दोस्त के साथ जो आदमी ऐसा व्यवहार कर सकता है, ये बेचारे इतने उबल–उबल कर बोले जा रहे हैं इनको भी सबक लेना चाहिए। यह जो सैकिया कमिशन की रिपोर्ट है यह छोटी बात नहीं बहुत बड़ी है। अमीर सिंह दौगी हत्याकौड की जांच के बारे में सैकिया कमिशन ने अपनी जो रिपोर्ट दी है, उसके आधार पर एक्शन होना चाहिए, आप इस मामले को सीरियसली लें।

श्री अध्यक्ष: सरकार इस बारे में कोई रियायत नहीं कर रही है।

श्री रामकुमार गौतम: तो मुख्य मंत्री जी से मेरा अनुरोध है कि इसके खिलाफ कार्यवाही हो, हरियाणा की जनता इंतजार कर रही है।

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जो लूट खसोट की जायदाद इन्होंने हरियाणा में चौ० देवीलाल ट्रस्ट के नाम पर बनाई है, दुनियाभर के पांच सितारा होटल जयपुर में, दिल्ली में और दूसरे स्टेट्स में बनाए हैं और जो स्टैच्यू प्रदेश में चौ० देवीलाल जी के लगवाये हैं, क्या सरकार इनको टेक ओवर करने के लिए कोई कानून लाने पर विचार करेगी?

दूसरा क्या माननीय मंत्री जी सी०बी०आई० को इस बात की सिफारिश करेगे कि चौटाला और उनके पुत्रों के पासपोर्ट जब्त किये जायें?

डॉ० सुशील इन्दौरा: सर, मेरा प्यांईट ऑफ ऑर्डर है।

श्री अध्यक्ष: डॉक्टर साहब, क्वैश्चन आवर में प्वाईंट ऑफ ऑर्डर नहीं होता। सी०बी०आई० की इन्क्वायरी के बारे में सदन में चर्चा चल रही है।

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, केन्द्रीय ब्यूरो की जांच चल रही है, यह एक निष्पक्ष ऐजैन्सी है और हमने यह मामला उसको रेफर किया है ताकि हमारे साथी यह न कहें कि हम बदले की भावना से काम कर रहे है। हमने बदले की भावना स काम नहो।केया हैं। जैस कि हमारे ये साथी करते थे। लेकिन आज जो सदन ने भावना व्यक्त की है, मैं सदन की भावनाओं का सम्मान करता हूं तथा यह विश्वास दिलाता हूं कि हम सी०बी०आई० को लिखेंगे कि इसकी जांच जल्द से जल्द हो और जो भी दोषी पाया जायेगा उसको दण्ड दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों के पासपोर्ट जस्त किये जाने चाहिएं क्योकि इन लोगों का कोई पता नहीं कि ये कब दुनियां के किस कोने मे जा कर छिप जाएं। (विघ्न)

प्रो० छतरपाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, अभी सी०बी०आई० के केसों का जिक्र हुआ है। सी०बी०आई० के पास जो केसिज श्री औम प्रकाश चौटाला ओर उनके परिवार के खिलाफ पैंडिंग हैं, उनके अलावा क्या हरियाणा में भी ओम प्रकाश चौटाला और उनके परिवार के लोगों

के खिलाफ कोई मुकद्दमें लम्बित हैं और अगर हैं तो आज उन मुकद्दमो का स्टेटस क्या है? (विघन)

श्री बलवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, किसी व्यक्ति विशेष और उसके परिवार के खिलाफ यह जो पर्सनल ऐलिगेशन्ज लगाए जा रहे हैं इनके बारे में आप अपनी रूलिंग दे कि क्या कोई माननीय सदस्य ऐसे सवाल पूछ सकते हैं?

श्री अध्यक्षः इस बारे में रूलिंग यह है कि हो सकता है कोई ऐडीशनल इनफर्मेशन या सवाल किसी और मेम्बर के पास हो। आप अभी बैठें।

प्रो० छतरपाल सिंह. स्पीकर सर, कुछ चोरी करने के और दूसरे के घर में गडबड़ करने के मामलों मे कुछेक धुन्धली यादें हैं, क्या सी०बी०आई० के अलावा भी इनके खिलाफ और इनके परिवार के खिलाफ कोई मामले लम्बित थे, यदि हां तो उनका स्टेटस क्या है ? अध्यक्ष महोदय, इसी से जुड़ा हुआ एक दूसरा सवाल है। अभी कैप्टन अजय सिंह जी जब बोल रहे थे तो इन्होने कहा कि हरियाणा के कुछ करोड़ रुपयों का नुकसान इन लोगों की वजह से हरियाणा के लोगों को हुआ हैं। मैं माननीय मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या हरियाणा सरकार उस नुकसान की रिकवरी के लिए कोई मुकद्दमे इनके खिलाफ दर्ज करने जा रही है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जहां तक केन्द्रीय जांच ब्यूरो के पास मुकद्दमे का सम्बन्ध है, उसके अलावा श्री

औम प्रकाश चौटाला जी, उनके पुत्रों और परिवार के सदस्यों के खिलाफ जो अन्य मुकद्दमें हैं उनकी जानकारी तो इस वक्त मेरे पास हैंडी नहीं है पर 15 दिन मे सारी जानकारी एकत्रित करवा कर माननीय सदस्य को अवश्य भिजवा दूंगा।

Problem of dust Ash disposal of F.T.P.H.

***607. Sh. Mahender Prapat Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the Government is aware of the fact that a serious problem has arisen in Faridabad City and Villages from the dust of ash of Faridabad Thermal Power House; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken by the Government to solve the said problem?

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala):

(a) Yes Sir.

(b) (i) Leaking pipe lines which used to cause leakage en-route and forced closure of Electrostatic Precipitators (ESPs) are being replaced at a cost of Rs. 425 Lacs. Work is likely to be completed by 31-3-2007.

(ii) To arrest the Suspended Particulate Matter (SPM) of fly ash, all the three units of Faridabad Thermal Power Station are equipped with Electrostatic Precipitators, and emission is monitored regularly.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री जी ने जो जवाब दिया है वह काफी अधूरा है जबकि मेरा सवाल और था। अध्यक्ष महोदय, में आपकी मार्फत मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि यह जो फरीदाबाद के थर्मल पावर ऐश डिस्पोजल का जो बान्ध आज से तकरीबन 15 साल पहले बना था वह गांव और शहर की कॉलोनियों से 100 मीटर की दूरी पर है। सवाल उस पाईप लाईन की लीकेज का ही नहीं है बल्कि जो ऐश वहां पर डलती है गर्मियो के मौसम मे सुख कर आधी मे तूफान बन कर इस कद्र उड़ती है कि उस क्षेत्र में गांवों और शहर में चारों और धूल ही धूल होती है, क्या उसके लिए अल्पकालीन या कोई दीर्घकालीन ऐसी योजना है जिससे इस समस्या का समाधान हो सके। नम्बर दो जहां तक थर्मल पावर प्लांट का सवाल है, इसको लगे हुए तकरीबन तीस साल हो गए हैं लेकिन अमूमन इसकी लाईफ 15 साल होती है। पांच रुपये प्रति यूनिट की इसकी जो जैनरेशन कॉस्ट आ रही है तो क्या इसके लिए आगे की कोई ऐसी योजना है कि इसके परमानैंट सोल्यूशन के लिए इसको किसी दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए और दूसरी जगह इस प्लांट को लगाया जाए? सरकार के पास अल्पकालीन ऐसी क्या योजना है कि यह ऐश न उड़े ताकि जिन लोगों का जीवन नारकीय हो रहा है उसको ठीक किया जा सके? मैं जानना चाहता हूं कि इस समस्या का समाधान क्या है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य की भावना से सहमत हूं। वहां पर यह एक बड़ी गम्भीर समस्या है कि ऐश उड़कर नागरिकों को परेशान करती है। अध्यक्ष महोदय, जब

यह प्रोजैक्ट लगाया गया था तो यह आबादी से कई किलोमीटर दूर था। धीरे–धीरे जैसे आबादी बढ़ी तो इसकी पैरीफरी में और आबादी आती चली गई, सरकार इस बात से सहमत है। ऐश का उड़ना और शहर के अन्दर इससे जो नुकसान होता है उससे हम भी चिन्तित हैं। 425 लाख रुपये जो 31 मार्च, 2007 तक लगेंगे यह इसी बात का हिस्सा है ओर इस बात को दुरूस्त करने के लिए यदि और कदम भी उठाने पड़े तो उनके बारे में सरकार चिन्तन कर रही है तथा सरकार इस बारे में आवश्यक कार्यवाही करेगी।

Mr. Speaker: Hon' ble Members, now the Question hour is over.

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Opening of Cancer Wing in Bhiwani Hospital

***633. Sh. Ranbir Singh Mahendra:** Will the Minister for Health be pleased to State—

(a) whether it is a fact that any State level function was origanized on the Cancer day; if so, the name of place where the function was held;

(b) whether steps has been taken or proposed to be taken to highlight the points raised/finalized in the meeting held in 2000, in Paris on millennium charter of Paris 2000; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Cancer Wing in Bhiwani Hospital ?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी):

(क) नहीं, श्रीमान जी। लकिन सभी सिविल सर्जनों को कैंसर दिवस को मनाने हेतू विभिन्न शिविरों एवं बैठकों, जिनमें कैसर की बीमारी की शीघ्र पहचान तथा निदान के मापदण्ड बारे जानकारी दी जाए, को आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे।

(ख) हां, श्रीमान जी।

(ग) हां, श्रीमान जी।

Love-Kush Sarover in village Mundhiri, District Kalthal

***676. Sh. Tejendra Pal Singh:** Will the Minister of state for Archaeology be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the Love-Kush pond in village Mundhiri of Kaithal Distt. as this site is connected with Mahabharata ;and

(b) whether the Government has identified the pond in village Serdha, Mandir in village Bhana and Mandir in village Kakaut as archaeological sites in Distt. Kaithal ?

पुरातत्व एवं संग्रहालय राज्य मंत्री (श्रीमती मीना मण्डल):

(क) नहीं, श्रीमान जी।

(ख) हां, श्रीमान जी। इनकी पहचान कुरूक्षेत्र विकास मण्डल द्वारा की जा चुकी है किन्तु ये पुरातात्विक स्थल नही हे।

Upgradation of Narnaund Tehsil to Sub-Division

***684. Shri Ram Kumar Gautam:** Will the Minister for Revenue be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the State Government to upgrade Narnaund Tehsil to Sub-Division ?

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): जी, नहीं।

Allotment of Land of L.P.G. Agencles at Gurgaon

***693 Sh. Bhupinder Chaudhry:** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government for allotment of lands to LPG agencies at Gurgaon for shifting their Go-downs outside residential areas ?

मुख्यमन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): जी हां, श्रीमान जी।

Completion of Roads

***694 Prof. Chhattar Pal Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the road between Village Kinala to Daulatpur in Ghirai Constituency; and

(b) if so, the time by which the aforesaid road is likely to be completed togetherwith the amount spent thereof ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(क) नहीं, श्रीमान जी।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

Provlding of subsidy on fertilizers and seeds

***581. Shri Dharampal Singh Malik:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide more subsidy on fertilizer and seed to the farmers in the State during the current financial year; and

(b) if so, the details there of ?

कृषि मन्त्री (सरदार एच०एस० चड्डा): (क) तथा (ख) नहीं, श्रीमान् जी।

Generation Capacity of Power

***601 Dr. Sushil Indora:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the quantum of generations of power (in megawatt-unit) increased in the State during the period from July, 1999 to 31st March, 2005;

(b) the quantum of generation of power (in megawatt) increased during the period from 1st April, 2005 to date in comparison; and

(c) whether the demand of the electricity of the

Haryana State is fulfilled by the said increased generation of electricity ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): श्रीमान् जी,

(क) जुलाई, 1999 से 31 मार्च, 2006 तक की अवधि के दौरान राज्य की उत्पादन क्षमता 863 मैगावाट से बढ़कर 1337.4 मैगावाट हुई, जोकि 474.4 मैगावाट की वृद्धि है।

(ख) पानीपत ताप विद्युत केन्द्र (पी०टी०पी०एस०) की 250 मैगावाट की एक इकाई, इकाई नं० 8 वर्ष 2005—06 के दौरान वाणिज्यिक परिचालन के लिए घोषित की गई थी। इस इकाई के जुड़ने से, पानीपत ताप विद्युत केन्द्र की उत्पादन क्षमता 110 मैगावाट से बढ़कर 1360 मैगावाट हो गई। राज्य की अपनी कुल उत्पादन क्षमता 3374 मैगावाट से बढ़कर 1587.4 मैगावाट हो गई।

(ग) नहीं, श्रीमान्।

Roads Repaired/Carpetted by the H.S.A.M.B.

***608. Shri Mahender Partap Slngh:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) the district-wise and area-wise details of the old roads in the State repaired by the Haryana State Agricultural Marketing Board during the year 2005-2006 along with the details of names of companies and contractors togetherwith the dates on which such contracts were allotted; and

(b) the time limit up to which these roads were to be

repaired?

कृषि मंत्री (सरदार एच०एस० चट्ठा): (क) तथा (ख) श्रीमान जी, सूची हाउस के पटल पर रखी जाती हें। @ (अनुबन्ध ''क'')

Environmental Clearance under EIA

***618. Sh. Karan Singh Dalal:** Will the Chief Minister be pleased to

state—

(a) whether any Developer of Special Economic Zone in the State has applied for Environmental clearance under EIA notification during the year 2006-07; and

(b) if so, the details thereof ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(क) नहीं श्रीमान्।

(ख) प्रश्न ही उत्पन्न नहीहोता।

Generation of Power

***654. Dr. Sita Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state the details of any additional new power generation started in the State during the period from 1st April, 2005 to 31st December, 2006?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): श्रीमान जी, पानीपत ताप विद्युत केन्द्र की 250 मैगावाट क्षमता की एक इकाई, इकाई नं० 8 को 1

– 4 – 2006 से 31–12–2006 की अवधि के दौरान वाणिज्यिक प्रचालन के लिए घोषित किया गया था। इस इकाई के जुड्ने के साथ, पानीपत ताप विद्युत केन्द्र की उत्पादन क्षमता 1110 मैगावाट से बढ़कर 1360 मैगावाट हो गई तथा राज्य की अपनी कुल उत्पादन क्षमता 1337.4 मैगावाट से बढकर 1587.4 मैगावाट हो गई।

Increase the tariff rate of electricity

***600. Dr. Sushil Indora:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the Government has increased the tariff rate of electricity during the last days;

(b) if so, the increased per unit tariff rate of electricity alongwith the reasons thereof; and

(c) whether it is a fact that the tariff rates of electricity has become higher in comparison with the neighbouring States due to the hike in tariff rate of electricity?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा):

(क) नहीं श्रीमान।

(ख) यद्यपि हरियाणा विद्युत नियामक आयोग के आदेश के अनुसार कृषि श्रेणी को छोड़कर उपभोक्ताओं की सभी श्रेणियो से 36 मास के लिए 1 –12–2006 से ईन्धन प्रभार समंजन (एफ०एस०ए०) तथा अन्य प्रभार लगाये गये हैं। श्रेणी अनुसार एफ०एस०ए० को दर्शाने वाला एक विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

(ग) पड़ोसी राज्यं के साथ हरियाणा का तुलनात्मक टैरिफ का विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण नं० 1

एफ०एस०ए० तथा अन्य प्रभारों की रिकवरी का स्केल

क्र० सं०	श्रेणी	दर पैसो/यूनिट/माह
1	घरेलू आपूर्ति एवं ग्राम चौपाल	13
	1 – 40 यूनिट	30
	41 से 300 यूनिट	
	300 यूनिट से अधिक	40
2.	गैर–घरेलु आपूर्ति	39
3.	एच०टी० औद्योगिक	38
4.	एल०टी० ओद्योगिक	40
5.	सार्वजनिक जल घर	37
6.	स्ट्रीट लाइट	38

7	लिफ्ट सिंचाई / नहर वृद्धि	37
6.	एच०एस०एम०आई०टी०सी० (सीधी सिंचाई)	37
9.	रेलवे ट्रेक्शन	37
10.	थोक गैर–घरेलू / घरेलु आपूर्ति	38
11.	कृषि नलकूप	
	(।) मीटर द्वारा	शून्य
	(2) बिना मीटर के	शून्य

विवरण नं० 2

पड़ोसी राज्यों के साथ हरियाणा का तुलनात्मक टेरिफ का विवरण

क्र० सख्या	श्रेणी	हरियाणा	दिल्ली	यू०पी०	राजस्थान	पंजाब	हिमाचल
1	घरेलू आपूर्ति बिल (10 के. डब्ल्यू० लोड तथा 300 यूनिट प्रतिमास के लिए)	40 यूनिट तक 40 यूनिट x 276 = 110.40 41-300 यूनिट s 260 यूनिट x 393 = 1021.80/ रूपए 1132.20	200 यूनिट तक x 240 = 480.00 100 यूनिट x 350 = 350.00 (निश्चित प्रभार) रूपए 12x 10 किलोवाट =	70 यूनिट तक 70 यूनिट x 190 = 133.00 230 यूनिट x 300 = 690.00 (निश्चित प्रभार)	50 यूनिट तक 50 यूनिट x 195 = 97.50 250 यूनिट x 350 = 875.00	100 यूनिट तक 100 यूनिट x 221 = 221 101 से 368 = 736/ रूपए	150 यूनिट तक 150 यूनिट x 175 = 262.50 150 to 300 यूनिट 150 यूनिट x

			120.00/रूपए 950.00	रूपए 50 x 10 किलोवाट = 500.00/रूपए 1323.00	(निश्चित प्रभार) 50 यूनिट 80.00 (निश्चित प्रभार) above 50 यूनिट 105.00/ रूपए 1157.50	957	265 = 397.50.80/ रूपए 660.00 निश्चित प्रभार 20.00/ रूपए 680.00
2	गैर–घरलू टैरिफ आपूर्ति	48 पैसे / यूनिट रूपए 4580/–	535 पैसे / यूनिट	390 पैसे / यूनिट +	490 पैसे / यूनिट +	423 पैसे / यूनिट	400 पैसे / यूनिट +

	बिजली बिल (10 के० डब्ल्यू० लोड तथा 1000 यूनिट प्रतिमास के लिए)		रूपए 5350/—	80/किलोवा/मास रूपए 3900+800 = रूपए 4700/—	120/कनेक्शान/मास रूपए 4900+120 = रूपए 5020/—	रूपए 4230.00	रूपए 50/कनेक्शन/मास रूपए4000+50 = रूपए 4050/—
3	कृषि बिजली नलकुप टैरिफ बिजली बिल (10 यी०एच० पी० तथा 500 यूनिट मास के लिए।	25 पैसे/यूनिट रूपए 125/—	25 पैसे/यूनिट + रूपए 12/किलोवाट/मास रूपए 750+90/— रूपए = 840/—	200 पैसे/यूनिट + रूपए 30/बीएचपी/मास रूपए 1000+300/— रूपए = 1300/—	1100 पैसे/यूनिट + रूपए 50/कनैक्शन/मास रूपए 550+50/— रूपए = 600/—	मुफ्त आपूर्ति	165 पैसे/यूनिट + रूपए 20/कनैक्शन/मास रूपए 825+20/— रूपए = 845/—

4	एल०टी० औद्योगिक विजली बिल (50 के०डब्ल्यू० लोड तथा 2000 यूनिट प्रतिमास के लिए)	468 पैसे/यूनिट रूपए 9360/–	500 पैसे/यूनिट रूपए 10000/–	390 पैसे/यूनिट + रूपए 80/किलोवाट/मास रूपए 78000+4000/– रूपए = 11800/–	375 पैसे/यूनिट + रूपए 50/बीएचपी/मास रूपए 7500+3350/– रूपए = 10850/–	372 पैसे/यूनिट रूपए 7440/–	275 पैसे/यूनिट + रूपए 100/कनैक्शन/मास रूपए 5500+100/– रूपए = 5600/–
5	एच०टी० औद्योगिक बिजली बिल 1(100 के० डब्ल्यू लोड तथा 10000 यूनिट प्रतिमास	447 पैसे/यूनिट रूपए 44700/–	430 पैसे/यूनिट + रूपए 150/किलोवाट/मास रूपए 43000+15000/– रूपए = 58000/–	350 पैसे/यूनिट + रूपए 180/किलोवाट/मास रूपए 35000+18000/– रूपए =	401 पैसे/यूनिट + रूपए 90/किलोवाट/मास रूपए 40100+9000/– रूपए =	372 पैसे/यूनिट रूपए 37200/–	401 पैसे/यूनिट + मांग प्रभार 100/किलोवाट i.e. 100 केवीए x रूपए 200 =

	के लिए)			53000 / —	49100 / —		22000 रूपए 42000 / —

Opening of Private University in the State

***669. Sh. S.S. Surjewala:** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the total percentage of students who reach up to the University Level from Rural Area of Haryana and from outside of Haryana; and

(b) whether there is also any proposal under consideration of the Govt. to open/start Private Universities in the State; if so, the name and places of such Universities ?

शिक्षा मन्त्री (श्री फूल चन्द मुलाना): श्रीमान् जी। वक्तव्य सदन के पटल पर रखा जाता है।

वक्तव्य

(क) राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में दाखिल छात्रो की कुल प्रतिशतता निम्नानुसार हैः –

क्र सं०	विश्वविद्यालय का नाम	हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रो के छात्र	हरियाणा से बाहर के छात्र
1.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	36%	6.9%
2.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय,	27.53%	5.26%

	रोहतक		
3.	चौ० चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार	64.25%	9.42%
4.	गुरु जम्मेश्वर विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार	22%	15%
5.	चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा	34.13%	1.74%
6.	भक्त कुल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां (सोनीपत)	72.53%	16.02%
7.	दीन बन्धू छोटू राम विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल (सोनीपत)	6.8%	7.4%

(ख) हां, श्रीमान् जी।

हरियाणा राज्य में स्व–वित्तपोषित निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना करने के लिए राज्य विधानमण्डल द्वारा 'हरियाणा निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006' अधिनियमित किया गया है। ''हरियाणा निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006'' के अन्तर्गत नियम बनाये जा रहे हैं तथा शीघ्र ही इन्हें अन्तिम रूप दे दिया

जायेगा। उक्त अधिनियम के अधीन अभी तक हरियाणा में किसी निजी विश्वविद्यालय की स्थापना नहीं की गई है।

Appointment of Group `D' Employees

***595. Sh. Radhey Shyam Sharma:** Will the Minister for Health be

pleased to state-

(a) the number of the group 'D' employees appointed on 89 days basis in the Family Health Welfare Societies and in the other societies of Health Department during the period from April, 2006 to date, togetherwith the names and addresses thereof;

(b) whether any advertisement was given in any newspaper for the appointment of above said employees;

(c) whether any names were invited from employment exchange, if not, the reason thereof;

(d) whether the State Govt. has received any complaint in regard to the irregularities committed in the above said selection; if so, the details thereof; and

(e) whether any enquiry has been conducted in this regard; if so, the action taken thereon?

(स्वास्थ्य मन्त्री) बहिन करतार देवी: श्रीमान् जी, सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है। सूचना

(क) हां श्रीमान् जी, ग्रुप घ के 33र्मचारी अनुबन्ध आधार पर नियुक्त किए गए हैं। उनके नाम व पर्तो की सुची परिशिष्ट– 1पर सलंग्न है।

(ख) हां श्रीमान् जी, सिवाय 20 कर्मचारियों जिनके लिए स्थानीय लोकप्रचार किया गया।

(ग) नहीं श्रीमान् जी, क्योंकि ये सभी अकुशल कार्यकर्ता थे जो रोजगार कार्यालय, रिक्तियां अधिनियम, 1959 की धारा 31(1) (डी०) के अन्तर्गत आते हैं।

(घ) नहीं श्रीमान् जी।

(ड) नहीं श्रीमान् जी, यद्यपि मुख्यमंत्री उड्डयन दस्ता मामले की जांच कर रहा है।

परिशिष्ट

स्वास्थ्य विभाग की जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति एवं अन्य समितियों में माह अप्रैल, 2006 से अब तक की अवधि के दौरान 89 दिनों के आधार श्रेणी डी० के कर्मचारियो के नाम व निवास स्थान के पतों का ब्यौरा

जिला	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति,	नारनौल

क्रं०	अनुबन्ध आधार पर कार्यरत अमले का नाम	अनुबन्ध आधार पर कार्यरत अमले का पता
1	श्रीमती राम कलां	गांव खेरकी, जिला महेन्द्रगढ़।
2.	श्रीमती नीलम	गांव बछीनी, जिला महेन्द्रगढ़।
3.	श्रीमती वीना रानी	मौहल्ला बास, जिला महेन्द्रगढ़।
4.	श्री बिक्रम सिंह	गांव रामपुरा, जिला महेन्द्रगढ़।
5.	श्री सुनील कुमार	गांव व डाकखाना मंडाना, जिला महेन्द्रगढ़।
6.	श्री दिलावर सिंह	मौहल्ला बाल्मिकी, जिला महेन्द्रगढ़।
7	श्रीमती मुकेश	गांव व डाकखाना अटेलीमंडी, जिला महेन्द्रगढ़।
8.	श्री सतपाल	गांव आनी, जिला महेन्द्रगढ़।
9.	श्री बलवान सिंह	गांव खाटौद, जिला

		महेन्द्रगढ़।
10.	श्री राजपाल	गांव बापरौली, जिला महेन्द्रगढ़।
11	श्री धर्मेन्द्र कुमार	मौहल्ला गांधी कॉलोनी, नारनौल।
12.	श्रीमती संतोष	गांव अटेली, जिला महेन्द्रगढ़।
13.	श्री सुधीर	गांव कलवारी, जिला महेन्द्रगढ़।
14.	श्री राजेश कुमार	गांव टांकरी, जिला रेवाड़ी।
15.	श्री राज कुमार	गांव पायगा, जिला महेन्द्रगढ़।
16.	श्री अजीत कुमार	गांव ढान्डोडा, जिला महेन्द्रगढ़।
17.	श्री विजय पाल	गांव सिलरपुर, जिला महेन्द्रगढ़।
18.	श्री अजीत सिंह	गांव खासपुर, जिला महेन्द्रगढ़।
19.	श्री नवीन कुमार	मौहल्ला महीचान, जिला महेन्द्रगढ़।

	आई०डी०एस०पी०	
20.	श्री निर्मल सिंह	गांव कुण्डलो, सेक्टर 20, पैचकूला।
21	श्री रंजीत सिंह	मकान नं० 1211 सैक्टर–39बी, चण्डीगढ़।
	जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति	
22.	श्रीमती सीमा रानी	करनाल।
	स्वास्थ्य कल्याण समिति, बी०के० अस्पताल, फरीदाबाद।	
23.	श्री खूबी खान	गांव टोका, फरीदाबाद।
24.	श्री ओमर मोहम्मद	गांव टोका, फरीदाबाद।
25.	श्री बिक्रम सुपुत्र श्री मूल चंद	मकान नं० 3265, एस०एल०एम० नगर, फरीदाबाद।
26.	श्री शाकिर हुसैन सुपुत्र श्री फतेह मोहम्मद	गांव गुडावली हतेन, फरीदाबाद।

27.	श्री सुनील	एच०आर०–6 आदर्श कॉलोनी,
28.	श्री विकास सुपुत्र भी हिकेन	टार–6, एन०एच०–4, फरीदाबाद
29–32	4 सुरक्षा गार्ड	श्री एम०पी० शर्मा, प्रोपराईटर बी०आई०एस० एस०, ई० 17,के०सी० बादकल रोड,एस०जी०एम०, एम० नगर, फरीदाबाद।
33.	श्री अमित सुपुत्र श्री सातन्दली	म० नं० 82, राहुल कॉलोनी, फरीदाबाद

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Improve the condition of Bus-stand

74 Sh. Naresh Yadav: Will the Minister for Transport be pleased to state whether any amount has been sanctioned improving the condition of Bus-stand, Nangal Chaudhary ; if so, the steps taken or proposed to be taken to improve the condition of the above said Bus-stand ?

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): श्रीमान जी, वर्तमान में नांगल चौधरी में कोई बस स्टैण्ड नहीं है। तदानुसार

बस स्टैण्ड के निर्माण के लिये कोई राशि स्वीकृत नहीं की हुई है। फिर भी इस स्थान पर बस स्टैण्ड बनाने के लिये अब एक एकड़ भूमि अधिग्रहण करने का निर्णय लिया गया है। तदानुसार आवश्यक बजट का प्रावधान किया जायेगा।

Augmentation of Power Houses/Power Stations

75 Sh. Naresh Yadav: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to augment the power capacity of the power houses/power stations of Ateli, Nangal Chaudhary, Kanina, Mahasar and Kanti in District Mahendergarh?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): जिला महेन्द्रगढ़ मे 132 के०वी० उपकेन्द्र अटेली तथा 33 के०वी० उपकेन्द्रों महासर एवं काती की क्षमता वृद्धि करने के प्रस्ताव की स्वीकृति दे दी गई है। जिनके कार्य 31–3–2008 तक पूर्ण होने सम्भावित हैं। यद्यपि जिला महेन्द्रगढ़ में 132 के०वी० उपकेन्द्रों नांगल चौधरी तथा कनीना की क्षमता वृद्धि करने का इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है।

Opening of I.T.I. in District Mahendergarh

76 Sh. Naresh Yadav: Will the Minister for Industries be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to open Industrial Taining Institute (ITI) at Villages Nangal Chaudhary, Kanti and Lojuta in District Mahendergarh; if so the time by which aforesaid Institutes are likely to be opened ?

उद्योग मन्त्री (श्री लछमन दास अरोड़ा): नहीं, श्रीमान् जी।

अध्यक्ष का सदन की मर्यादा तथा गरिमा को बनाए रखने संबंधी अवलोकन

Mr. Speaker: Hon'ble Members. I am at pains to observe that the behaviour of the Members of Indian National Lok Dal on13th March, 2007 was not appreciable and inspite of ample time and opportunities to speak and my repeated requests to these Members, they did not maintain the decorum and dignity of the House, which is expected from the Members of both the sides. My concerted efforts to conduct the proceedings of the House in an orderly manner did not serve the purpose and despite my repeated requests to these Members to take their seats, they even jumped into the well of the House and started raising slogans loudly. In order to give them more time and opportunities to express their views,I adjourned the House twice. But I am sorry to point out that these Members continued in their pre-planned motive to stall the proceedings of the House. I, being the custodian of the Rules and duty bound to maintain the decorum and dignity of the House has to name one member against my wishes. Even on 14th March, 2007, these Members did not participate in the proceedings of the House. Had they participated they would have got much time to speak in the House and sought more information from the Government through the replies to questions given notice by them and would have performed their legislative duties more purposefully. It is not only my duty but also of all the Members of the House to maintain the

decorum and enhance the dignity of this august House. Therefore, I feel it is my duty to make it quite clear that in case of any disturbance or attempts to interfere with the proceedings of the House or making any kind of speech or raising any matter without my permission, I will be compelled to take action against the erring member, I hope that I will not be forced to take this step and all the Members will extend their cooperation for smooth functioning of the House.

श्री एस०एस० सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, आपने जो अनाऊंसमैंट की है मुझे उस बारे में कुछ कहना हैं।

श्री अध्यक्ष: आप सभी एक मिनट बैठें। पार्लियामैंटरी अफेयर मिनिस्टर जी कुछ बोलना चाहते हैं।

डॉ० सुशील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, मैं पहले बोलने के लिए खड़ा हुआ था।

श्री अध्यक्ष: डॉ० इन्दौरा जी आप एक मिनट बैठें। आप पहले मंत्री जी को बोलने दे।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, पिछले दो सालों से जिस बेहतर तरीके से इस सदन की कार्यवाही चल रही है यह सभी को पता है। अध्यक्ष महोदय, आप और आपसे पहले भी स्पीकर सदन में युनानीमसली हमारे कस्टोडियन के रूप में चुने गए थे। इस प्रजातान्त्रिक प्रणाली में आपने इस सदन में एक मिसाल बनाई है। आपने जिस प्रकार से सभी पार्टियों को चाहे वह कांग्रेस पार्टी है, इनेलो पार्टी है,

भाजपा है, इन्डीपैडेंट सदस्य हैं और बहुजन पार्टी है जिनके एक माननीय सदस्य यहां पर हैं। स्पीकर सर, आप मुझे माफ करें लेकिन उनसे भी हमारी पार्टी का जुड़ाव बहुत घनिष्ठ है और उनकी पार्टी यू०पी०ए० गठबन्धन का हिस्सा भी है इसलिए उनको भी हम हमेशा अपना ही हिस्सा मान लेते हैं। स्पीकर सर, जिस उदार ह्रदय से आपने सभी को बोलने के लिए समय दिया है उसको देखकर मुझे लगता है कि इस सदन के पिछले इतिहास में शायद यह एक अनुठा उदाहरण होगा क्योकि यहां पर तो ऐसे स्पीकर भी रहे हैं जिन्होंने रूल्स के हिसाब से हाउस को नहीं चलाया। 1998–99 से फरवरी, 2005 तक ऐसे स्पीकर भी रहे जो स्वयं कोई भी निर्णय लेने ने सक्षम नही थे 1 पै सदन के नेता की तरफ देखते थे और जब उनकी पैंसिल हिलती थी तो स्पीकर की गर्दन हिला करती थी। ये हमारे काबिल दोस्त बैठे हुए हैं मैं इनको बताना चाहूंगा कि इस प्रकार का माहौल भी इनके समय में यहां पर देखा गया है कि उस समय विपक्ष के सदस्यों को बाहर निकालकर स्पीकर सदन के दरवाजों की चटकनी लगवा दिया करते थे। वे उस समय कांग्रेस के सदस्यो जिसमें आप भी इस सदन के सम्मानित सदस्य थे, को बाहर निकालकर चटकनी लगवाकर सदन के दरवाजों को बंद कर लिया करते थे। इस तरह से बार बार घिनौने तरीके से इस सदन के अंदर प्रजातंत्र की हत्या की गयी थी। दो मिनट से ज्यादा भी इस सदन के नेता को जोकि उस समय हमारी पार्टी के विपक्ष के नेता थे, को बोलने का समय नहीं दिया जाता था। जब भी वे बोलने के लिए खड़े होते

थे तो मुख्यमंत्री की सीट से पैंसिल से इशारा हो जाया करता था। इस पहली नम्बर वाली सीट पर ओम प्रकाश चौटाला जी के द्वारा यह इशारा होता था। इस तरह से उस समय हमारे मुख्यमंत्री जी को एक मिनट से फालतू बोलने का समय नहीं दिया जाता था। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की बदमगजी यहां पर हुई थी। उस समय जब आप और दूसरे सदस्य अपने विचार या अपने क्षेत्र की या प्रान्त की समस्याएं उजागर करने के लिए यहां पर खड़े होते थे तो मार्शल के द्वारा शारीरिक तौर पर हमला करवाया जाता था। इस तरह से इस प्रकार की परिपाटी भी इस सदन के अंदर रही है। लेकिन जब से आपने कार्यभार संभाला है, मुझे याद है कि जब आपने कहा था कि हम सदन के अंदर नयी मान्यताएं बनाएंगे। यहां तो इस प्रकार की परिपाटी भी लोकदल के समय रही कि पूरे एक साल मे आठ दिन से ज्यादा सदन नहीं चलाया जाता था और केवल दो दिन में ही बजट सत्र खत्म कर दिया जाता था। लेकिन आपने 9 तारीख से सैशन शुरू किया है और बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग मे भी हमारे मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम सदन 23 तारीख तक चलाएंगे और अगर जरूरत पड़ी तो इसको एक या दो दिन और भी एक्सटैंड करने के लिए हम तैयार है। हम खुले मन से सभी सदस्यो को बोलने का मौका देना चाहते हैं चाहे वह गवर्नर ऐड्रैस हो, चाहे दूसरे विषय हो, चाहे सदस्यों के क्षेत्र की समस्याएं हों या चाहें वित्त मंत्री जी द्वारा पेश किए जाने वाले बजट की बात हो, सभी विषयो पर हम सदस्यों को बालने का मौका देना चाहते हैं। इन्होंने जिस प्रकार

की परम्पराओ का निर्वहन किया उनको देखकर मुझे बड़ा खेद होता है। मुझे इस बात के लिए भी बड़ा दुख है कि आपकी इस उदार ह्रदयता के बावजूद भी कई सदस्य सोच समझकर ऐसे–ऐसे मामलों को लेकर इस सदन में आते हैं जिनसे स्वस्थ परम्पराओं का निर्वहन नहीं होतां। जिस प्रकार से हमने प्रजातांत्रिक परम्पराओं का हनन देखा वह बहुत ही दुखदायी बात हे। हमारे सबसे ज्यादा सम्मानित सदस्य डी० इंदौरा जी ने जोकि डिप्टी लीडर भी हैं, जिस तरह से उछल उछल कर यहां माहौल पैदा किया क्या वह ठीक था। लेकिन फिर भी आपने बड़ी नरमी से, बड़ी सहजता से, बड़े ही धैर्य के साथ माननीय लोकदल के सदस्यों को कहा कि वे थोड़ा धैर्य रखें, वह बात सुनें परन्तु उनके नेता उनको लॉबी में लेकर जाते हैं ओर पता नहीं वहां उनके वे किस तरह से कान खींच कर लाते हैं कि उसके बाद ये फिर सदन में आकर उछलने लग जाते हैं। ऐसा लगता है कि जैसे अंदर इनकी कुटाई होकर आयी हो। स्पीकर सर, इस सदन में हमने नयी परम्पराओं का निर्वहन किया है। पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार बल्लभ भाई पटेल, महात्मा गांधी ने जो रास्ता हमे दिखाया था, जो प्रजातांत्रिक परम्पराओ का निर्वहन करना बताया था, हम उन पर चलने का प्रयास कर रहे हैं। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जो संसदीय परिपाटी संसद के अंदर स्थापित की थी हमें उन परम्पराओं का निर्वहन करना होगा। स्पीकर सर, जो आपने कहा उसके लिए हम आपका धन्यवाद करते हैं और इस बात को लेकर मैं सदन के माननीय सदस्यों से भी अनुरोध करना चाहूंगा

कि जिस प्रकार का व्यवहार इस सदन में इनेलो के सदस्यों का रहा तो यह सदन बहुमत से उस व्यवहार के लिए निंदा प्रस्ताव पास करे। Speaker Sir, I propose this on the floor of the House.

श्री अध्यक्षः सुरजेवाला जी, आप बैठें। पहले मैने एक अनाऊसमैंट करनी है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः ठीक है जी।

अध्यक्ष द्वारा घोषणा

Mr. Speaker: Hon'ble members, as you know, the Website of Haryana Vidhan Sabha has already been launched and on this Website the, list of business, the list of questions and the daily bulletin containing the brief record of the proceedings of the House of the present Session are available. The Hon'ble Members may operate their Lap Tops to get these information.

वाक आउट

डॉ० सुशील इंदौराः अध्यक्ष महोदय, मैं जीरो ऑवर में कुछ कहना चाहता हूं जिस तरह से सरकार की तरफ से हम पर लांछन लगाए गए हैं में उसके बारे मे बताना चाहूंगा कि हकीकत मे देखा जाए तो जिस वक्त चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी प्रजातांत्रित तरीके से अपनी बात कहना चाहते थे उस वक्त प्यायंट ऑफ आर्डर का बहाना लेकर ज्यादा से ज्यादा टोका टाकी करके

उनको 1 – 2 मिनट से फालतू बोलने का समय नहीं दिया गया। इनको पहले से ही पता था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री के०एल० शर्मा: अध्यक्ष महोदय, ये गलतबयानी कर रहे हैं। ये ऑन दि फ्लोर ऑफ दि हाउस असत्य बोल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि ....

श्री अध्यक्ष: इन्दौर। जी जो कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

डॉ० सुशील इंदौरा: अध्यक्ष महोदय, हमारी बात नहीं सुनी जा रही है। इसलिए हम ऐज ए प्रौटेस्ट सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय इंडियन नेशनल लोक दल के सदन में उपस्थित सभी सदस्य बोलने न देने के विरोध में सदन से वाक आउट कर गए।)

श्री अध्यक्ष: जब एक रूलिंग आ गई थी the matter has been referred to the Supreme Court by the Government of India. जब मैटर सबजूडिस है फिर ऐसे मे बार – बार एक ही मुददे को उठाया जाना गलत था और भी बहुत से मुद्दे थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इंदौरा साहब जो कह रहे हैं कि चौटाला जी को बोलने के लिए पूरा समय नहीं दिया गया। आपकी रूलिंग आ जाने के बाद भी सदन के नेता ने आपसे प्रार्थना की थी कि उनको बोलने का टाइम दे दिया जाए। आपने फिर भी उदारता दिखाते हुए चौटाला साहब को बोलने का समय दिया। नॉर्मली स्पीकर रूलिंग देने के बाद किसी शी सदस्य को बोलने के लिए समय नहीं देते हैं। आपने इनके नेता को बोलने का समय दिया। इन्होंने ही अपने नेता को बोलने नहीं दिया क्योकि उनके पास बोलने के लिए कुछ भी नहीं था। खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे, इनके नेता पर वह कहावत चरितार्थ होती है। (शोर एवं व्यवधान) सदन की कार्यवाही मे व्यवधान व विघ्न डालने का ही इनका निर्णय है।

अनुपस्थिति की अनुमति

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a letter dated 14th March, 2007 from Shri Ramesh Gupta, MLA, which reads as under:-

"I am to inform you that due to illness, I am unable to attend the Budget Session of Haryana Vidhan Sabha on 15th March, 2007 and 16th March, 2007."

Mr. Speaker: Question is—

That permission for leave of absence for 15th March, 2007 and 16th March, 2007 be granted.

Voices: Yes, yes.

The motion was carried.

शोक प्रस्ताव

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): अध्यक्ष महोदय, बड़े ही दुख के साथ मैं इस सदन को बताना चाहता हूं कि इस सदन की माननीय सदस्या श्रीमती सुमिता सिंह की मदर–इन–लॉ श्रीमती सवरन कौर का निधन हो गया है। यह सदन शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता है। यही प्रस्ताव मैंने रखना था।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, श्रीमती सुमिता सिंह, एम०एल०ए० की सास श्रीमती सरवन कौर के निधन पर शोक प्रस्ताव इस सदन में आया है। मैं भी उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। वे एक धार्मिक प्रवृत्ति की व एक अच्छी समाज सेवी महिला थी। यह सदन दिवंगत आत्मा के शोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है और सदन की संवेदना शोकाकुल परिवार के सदस्यों को पहुंचा दी जाएगी। अब मैं दिवंगत आत्मा के सम्मान में उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण करने के लिए इस सदन के सभी सदस्यों को खड़ा होने के लिए अनुरोध करूंगा।

(इस समय सदन ने दिवंगत आत्मा के सम्मान में खड़े होकर दो मिनट का मोन धारण किया।)

इण्डियन नेशनल लोकदल के सदस्यों के आचरण तथा व्यवहार की निन्दा करना।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: आदरणीय अध्यक्ष महोदय, on the floor of the House मैने कुछ देर पहले एक रेजोल्युशन प्रपोज करने की आला आपसे मांगी थी। Speaker Sir, I request that it may be put before the House.

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move a resolution.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

"That this House condemns the conduct of the Members of the Indian National Lok Dal as also their behaviour in which, they in an organized and designed manner, disrupted the proceedings of the House".

Mr. Speaker: Moton moved-

"That this House condemns the conduct of the Members of the Indian National Lok Dal as also their behaviour in which, they in an organized and designed manner, disrupted the proceedings of the House".

Mr. Speaker: Question is-

"That this House condemns the conduct of the Members of the Indian National Lok Dal as also their behaviour in which, they in an organized and designed manner, disrupted the proceedings of the House".

The motion was carried unanimously.

गैर–सरकारी संकल्प–

पृथक हरियाणा सिक्ख गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी बनाने बारे

Mr. Speaker: Now, Sh. Nirmal Singh, M.L.A. will move the motion for a separate Haryana Sikh Gurudwara Prabandhak Committee.

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं–

''कि हरियाणा में सिक्खो की सदैव ही सिक्स गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी (एस०जी०पी०सी०) सहित अपने धार्मिक मामलों तथा सभी धार्मिक संस्थाओं के स्वतः संचालन के लिए महत्वाकांक्षा रही है। दिल्ली राज्य में भी एक पृथक एस०जी०पी०सी० का गठन किया गया है।

इसलिए, मैं इस सदन से संकल्प पारित करने का आग्रह करता हूं कि हरियाणा में सिक्सों को अपने सभी गुरूद्वारों तथा अन्य धार्मिक संस्थाओं के नियन्त्रण पर विचार करते हुए एक कानून के अधिनियमन द्वारा एक पृथक हरियाणा सिक्स गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी बनाकर उनकी धार्मिक संस्थाओं के स्व–शासन के अधिकार के लिए उनकी महत्वकांक्षाओं का एक प्रतिबिंब अवश्य प्राप्त हो सके।''

Mr. Speaker: Motion moved-

"Sikhs in Haryana have always aspired for self

regulation of their

religious affairs and all religious institutions including Sikh Gurudwara Prabandhak Committee (SGPC). A separate SGPC has been constituted in the State of Delhi also.

I, therefore, urge upon this House to resolve that Sikhs in Haryana must get a reflection of their aspirations for a right of Self Governance of their religious institutions through carving out a separate Haryana Sikh Gurudwara Prabandhak Committee by enactment of a law envisaging control of all Gurudwaras and other religious institutions."

श्री निर्मल सिंह (नग्गल): स्पीकर सर, हरियाणा में जो लोग सिक्स धर्म में आस्था रखते हैं उनकी एक लम्बे समय से यह सोच है कि उनकी अपनी अलग से एस०जी०पी०सी० हो। जैसा कि आपको पता हे कि हरियाणा में सिक्कों की संख्या काफी हे। एक लम्बे असे से हरियाणा के सिक्सों की यह मांग रही है और इसके लिए उन्होंने आन्दोलन भी चलाया था कि सिक्ख गुरूद्वारा प्रबन्धाक कमेटी (एस०जी०पी०सी०) हरियाणा राज्य की पृथक होनी चाहिए। उसके लिए बडे ठोस कारण भी रहे हैं उनके बारे में में इस माननीय सदन को बताना चाहता हूं। हरियाणा में कई ऐतिहासिक गुरूद्वारे हें और इन गुरूद्वारों के पास सादे तीन हजार एकड़ जमीन भी है उस जमीन से भी बड़ी भारी आमदनी होती है। हरियाणा से हर साल बड़ी भारी रकम सिक्स गुरूद्वारा प्रबन्धाक कमेटी (एस०जी०पी०सी०) पंजाब में जाती है। हमारे भाई हरियाणा के सिक्कों का यह कहना है कि जब उस राशि का डिस्ट्रीब्यूशन

होता है तो उसके अनुपात का कोई ख्याल नहीं रखा जाता और न ही हरियाणा में बराबर का पैसा खर्च करने के लिए दिया जाता है। सारे का सारा पैसा पंजाब में खर्च कर लेते हैं। पंजाब में सिक्स गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी (एस०जी०पी०सी०) की कई एजुकेशनल व दूसरी संस्थाएं हैं जिनमें वे बड़ी भारी रकम खर्च करते हैं। लेकिन हरियाणा में इस प्रकार की कोई संस्था नहीं हैं। अब बताया जा रहा है कि शायद शाहाबाद मारकण्डा में एक मैडीकल कालेज खोला जा रहा है जो कि एक ट्रस्ट के माध्यम से बन रहा है। इस ट्रस्ट के जो सदस्य हैं, वे सरदार प्रकाश सिंह बादल और उनके परिवार के सदस्य हैं। घुमाफिराकर उसकी आमदनी उन तक ही सीमित रहती हे। स्पीकर सर, पटना साहिब और हुजूर साहिब में वहां के सिक्सों ने इन्डिपैंडेन्ट बोर्ड बना रखे हैं और इसी प्रकार से दिल्ली में भी सिक्ख गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी (एस०जी०पी०सी०) अलग से है। मेरा निवेदन है कि पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966 के सैक्शन 72 के तहत हरियाणा की अलग से सिक्स गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी (एस०जी०पी०सी०) बन सकती हे या यह कह सकते हैं कि हरियाणा अपने राज्य के लिए अलग से सिक्ख गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी (एस०जी०पी०सी०) की मान्यता दे सकता है इस अधिनियम के तहत ऐसा तरीका अपनाया जा सकता है कि सभी सिक्ख भाइयों की भावना का ख्याल रखते हुए व इस धर्म मे विश्वास रखने वाले भाइयों के लिए हम अलग से सिक्स गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी (एस०जी०पी०सी०) का गठन करें। आप जानते हैं कि पहले अम्बाला के साथ लगते एरिया

रोपड़, चण्डीगढ़, कुराली ये सभी अम्बाला के हिस्से थे। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि सिक्ख धर्म के जो आखरी गुरू हैं उनका जन्म भी यहीं हुआ। उनके नानके मेरे हल्के के गांव लखनौर साहिब में हैं, उनकी मां वहीं से थी। उनका बचपन वहीं गुजरा था। जब उन्होंने जुल्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी, खालसा सजा आदि सभी एक्टीविटीज अम्बाला में ही हुई थी। दुनियां को सबसे पहले भाई–चारे का और सेक्यूलेरिज्म का संदेश वही से गया था। अध्यक्ष महोदय, आपको भी मालूम है कि पुराने अम्बाला मे ब्राह्मण, बनिये और हर जाति बिरादरी के लोग मिलकर रहते हैं और इनमें से बहुत से लोगों ने सिक्ख धर्म को भी अपनाया हैं।

कृषि मंत्री (सरदार एच०एस० चट्ठा): अध्यक्ष महोदय, मैं इस डिबेट में पार्टीसिपेट तो नहीं करूंगा क्योंकि मैं उस कमेटी का चेयरमैन हूं जिस कमेटी ने रिपोर्ट देनी है। मेरे पास कल बहुत से विधायक साथी आये थे और मुझ से पूछ रहे थे कि हमारे यहां कितने गुरूद्वारा हैं, उनकी कितनी– कितनी जमीनें हैं और दूसरी प्रोपर्टीज क्या–क्या हैं। मैं कमेटी का चेयरमैन होने के नाते इस महान सदन में सभी को बताना चाहूंगा कि हरियाणा में टोटल हिस्टोरिकल गुरूद्वारे 100 हैं। इनमें से 52 गुरूद्वारों की मैनेजमैंट का काम एस०जी०पी०सी० के तहत चल रहा है। और मैट गुरूद्वारों को एस०जी०पीसी० ने ऐसे ही छोड़ दिया। गुरूद्वारो के टोटल असैट्स 500 करोड़ रुपये के लगभग हैं। लैंडिड प्रोपर्टी 3536

एकड़ के करीब है और सालाना इन्कम 100 करोड़ रुपये के लगभग है लेकिन उनका रिकार्ड 18 करोड़ रुपये बोलता है। इनमें 8 गुरूद्वारे ऐसे हैं जिनकी सालाना आमदनी 20 लाख रुपये से ऊपर है, 27 गुरूद्वारे ऐसे हैं जिनकी सालाना आमदनी एक लाख रुपये से ऊपर है और 17 गुरूद्वारे ऐसे हैं जिनकी आमदनी अच्छी है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को यही जानकारी देना चाहता था, बाकी सदन का काम है। मैं और कुछ नहीं कहना चाहता।

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि सिक्स होना बहुत बड़ी बात है और सिक्स होना मुश्किल भी है। सिक्स वह है जो लड़े दीन के हेत। जिसने कुर्बानी दी हो। अब हर आदमी सिक्ख बन जाता है लेकिन पहले परिवार का जो बडा बेटा दान दिया जाता था वही सिक्स बनता था वह चाहे किसी भी परिवार से, जाति से या धर्म से हो वही सिक्ख बनता था और वह हर कोम के लिए हुआ करता था। अध्यक्ष महोदय, जिस समय हिन्दुस्तान जात–पात और धर्म से ग्रस्त था उस समय गुरू गोविन्द सिंह जी ने खंडे–बाट्टे से सिखाया था कि जात–पात और धर्म से ऊपर उठो। उन्होंने बहुत से गुरुओ, ऋषी–मुनियों की वाणियों को लेकर एक ग्रंथ रचा था और पूरी दुनियां को सेकयूलेरिज्म का पाठ पढ़ाया था। अध्यक्ष महोदय, मैं 1983 में चाईना गया था। चाईना धर्म को न मानने वाला देश है। वहां का कानून भी धर्म को मानने से मना करता है। वहां पर मैंने

सभी मंदिरों पर चाहे वे बौद्ध मंदिर के थे ताले लगे हुए थे। एक दिन हम एक यूनिवर्सिटी में गये। वहां के स्टूडैंटस ने हम से गुरू गोविन्द सिंह जी और सिक्ख धर्म पर चर्चा की। उन्होंने गुरू गोबिन्द सिंह जी के बारे में बहुत ऊचे विचार प्रकट किए। उन्होंने कहा कि गुरू गोबिन्द सिंह जी महानायक थे as a solder, as a poet. अध्यक्ष महोदय, यदि हम गुरू गोविन्द सिंह जी की कुर्बानियों को देखें तो आज सिक्स धर्म की परिभाषा जो है वह बड़ी लम्बी चौड़ी परिभाषा है। कोई भी आदमी अपने कर्मो से सिक्स बन सकता हे। आपने और रणदीप जी ने मुझे सिक्स कह कर पुकारा उसके लिए में आपका धन्यवादी हूं।

श्री एस०एस० सुरजेवाला: स्पीकर सर, में यह कहना चाहता हूं कि मैम्बर्ज को मंत्री से पहले बोलने देना चाहिए।

परिवहन मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, सरदार निर्मल सिंह जी ने जो बातें कही मुझे लगता है कि आपने बहुत सोच समझकर वाजिब फरमाया क्योंकि अपनी कार्यशेली से वे अपने जीवन के रास्ते से कई मायनों मे इस परिभाषा के अन्दर बिलकुल पूरे खरे उतरते हैँ। श्री निर्मल सिंह गैर सरकारी संकल्प का प्रस्ताव आज लेकर आये हैं। दुर्भाग्य एक बार फिर यह है कि जहां सारा सदन, सभी पार्टियो के सदस्य आज यहां पर हैं और उनके चेहरे, भावनाए उनकी उत्सुकता इस प्रस्ताव पर अपने–अपने विचार व्यक्त करने के लिए देखने लायक हैं।

स्पीकर साहब, हमारे इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्य आज हाऊस में नहीं हैं जबकि उनके भी प्रस्ताव आज लगे हैं परन्तु वे अपना सामान उठाकर चले गये हैं। वे यह जानते थे भी कि आज वखरी एस०जी०पी०सी० बनाने का प्रस्ताव आयेगा जो कि हरियाणा के सिक्सों. हरियाणा के पंजाबी भाईयों तथा आम आदमी के लिए एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव है। चौटाला साहब ने तो आज सदन मे आना ही उचित नहीं समझा क्योंकि अगर वे यहां आते तो उन्हें इस वखरी एस०जी०पी०सी० के प्रस्ताव के ऊपर सकारात्मक और पक्षधर विचार देने पडते इसलिए वे सदन मैं नहीं आये। वे अपनी पार्टी को यह बोल गये कि तुम भी वखरी एस०जी०पी०सी० का प्रस्ताव आने से पहले सदन से वाक आऊट कर जाना क्योंकि ऐसा न करने से कहीं प्रकाश सिंह बादल नाराज न हो जाये। स्पीकर सर, इनैलो के सदस्यों का यह बहुत कंडमनेबल व्यवहार है। यह एक बड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा था। चौटाला साहब और उनकी पार्टी के सदस्यों को आज यहां आना चाहिए था उन्हें अपने सुझाव और विचार व्यक्त करने चाहिएं थे। जब कोई बात कहने की जरूरत नहीं होती तब सदन में आकर छलांगे मारते हैं। जब कोई प्रान्त के लोगों के हितों से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा सदन में आता है तो फिर पीठ दिखाकर भाग जाते हैं। एक तरफ जहां सरदार निर्मल सिंह जी आज सत्ता पक्ष में बैठे हैं वहीं दूसरी तरफ डनैलो के सदस्य इतनी दूर बैठे हैं क्योंकि प्रदेश की जनता ने उन्हें दूर भेज दिया है। एक तरफ तो सत्ता पक्ष खुले मन से इस विषय पर चर्चा करवाने को तैयार है। दूसरी तरफ इनैलो के

नेता हैं जो इस प्रस्ताव पर अपनी बात तक कहना नहीं चाहते। अध्यक्ष महोदय, मैं भी इस सदन का सदस्य होने के नाते इस विषय पर आपकी अनुमति से चन्द बात जरूर रखना चाहूंगा। हम धन्यवाद देते हैं सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा जी को जिन्होने बहुत सारे ऐसे आकड़े इकट्ठे किए जो हरियाणा की जनता के नोटिस में आज तक आये ही नहीं थे जिनकी वजह से प्रकाश सिंह बादल की पार्टी हमारे सिक्स भाइयों को, हमारे पंजाबी भाईयों को गुमराह करती थी। आज उन्होंने सदन के सामने दूध का दूध ओर पानी का पानी उन आकड़ों के माध्यम से रख दिया। अध्यक्ष महोदय, हम सब जानते हैं कि 308 साल पहले 13 अप्रैल 1699 को खालसा पन्थ की स्थापना हुई थी ओर हरियाणा में जैसा माननीय चट्ठा साहब ने बताया कि 100 के करीब हमारे गुरूद्वारे हैं। इनमें से 52 जो हैं वो इन्होंने अपने प्रबन्धान के अन्दर ले रखे हैं। यहां पर ओं या 9 तो गुरूद्वारे ऐसे हैं जिनका बड़ा विशेष ऐतिहासिक महत्व है और आजु की चर्चा से कहीं न कहीं उनका जुड़ाव भी है, उनकी मैं यहां चर्चा करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, नाडा साहेब गुरूद्वारा जहां आप भी हमेशा मत्था टेकने जाते हैं, आपकी भी विशेष आस्था नाडा साहेब के गुरूद्वारे में है। स्पीकर सर, 10 वें गुरू, गुरू गोविन्द सिंह जी यहां आये थे। 50 लाख रूपये से अधिक महीने का गुल्लक और दूसरी आय है जो कि सिर्फ नाडा साहिब गुरूद्वारे की है। स्पीकर सर, अम्बाला शहर मे मन्त्री साहब गुरूद्वारा है जहां पर सिक्को के छठे गुरू हरगोबिन्द साहिब महाराज आये थे। हुस गुरूद्वारा में 35 लाख रूपये से अधिक

सालाना को अनुमानित आय होती हें। स्पीकर साहब, अम्बाला शहर के पास पंजोखरा साहब जो गुरूद्वारा है यहां पर आठवें गुरू गुरू हरकिशन साहब आए थे और वहां पर किसी ने हठ किया कि जो विद्या है, जो लान है वह चन्द लोगों की दासी है तो गुरू साहब ने वहां पर गंगे से गीता का पाठ करवा के दिखाया था। स्पीकर सर, यह हमारे लीजैंड का भी हिस्सा है। पंजोखरा साहब गुरूद्वारे की आय भी सालाना 30 लाख रूपये से अधिक है। स्पीकर सर, इसी प्रकार से यमुना नगर में कपाल मोचन में जो गुरूद्वारा है वहां पर पहले गुरू गुरू नानक साहब तथा दसवे गुरू गुरू गोबिन्द सिंह जी यहां पर आये थे। स्पीकर साहब, 30 लाख रुपये सालाना की आय इस गुरूद्वारे की भी है। स्पीकर सर, पांचवा महत्वपूर्ण ऐतिहासिक गुरूद्वारा जो हमारे यहां पर है वह है गुरूद्वारा छेंवी पातशाही कुरूक्षेत्र जिससे चट्ठा साहब का विशेष जुड़ाव रहा है और लगाव भी रहा है और इनकी वहां प्रति विशेष आस्था भी है। स्पीकर सर, छेवें गुल गुरू हरगोबिन्द कुरूक्षेत्र में भी आए। कई और ऐतिहासिक गुरूद्वारे हैं और हमें इस बात का फख्र है कि सात गुरूसाहेबान यहां पर आए और उन्होंने हरियाणा की इस भूमि को कृतार्थ किया। कुरूक्षेत्र, जहां गीता की भूमि है वहीं यह भूमि गुरूओं की भी भूमि है। स्पीकर साहब, एक और महत्वपूर्ण गुरूद्वारा मेरे विधान समा क्षेत्र मे धमतान साहब गुरूद्वारा है। आठ सौ एकड़ से अधिक तो जमीन इस गुरूद्वारा साहब के पास है और नौवे गुरू गुरू तेगबहादुर जी जब अपनी कुर्बानी देने के लिए दिल्ली गये थे तो वे हमारी इस धरती को कृतार्थ करके गये थे।

धमतान साहब के अन्दर वे पड़ाव करके गए थे। स्पीकर सर. सातवां ऐतिहासिक गुरूद्वारा भी मेरे जिले में है और उसको नौंवी पातशाही गुरूद्वारा जीन्द साहब कहते हैं। इस गुरूद्वारे के पास भी साढ़े आठ सौ एकड़ जमीन है। गुरू तेगबहादुर जी जब अपनी कुर्बानी देने के लिए दिल्ली गये थे तब वे यहां पर रूके थे। इस गुरूद्वारे की भी बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी है। ऑफिशियल जानकारी चट्ठा साहब ने दे दी है। हमारे इन सारे गुरूद्वारों के पास कुल जमीन 3536 एकड़ है। स्पीकर साहब, यहां पर मैं यह बताना चाहूंगा कि अनौपचारिक जानकारी के मुताबिक यह मेरी जानकारी में है। चट्ठा साहब की कमेटी इस बात की जांच भी करेगी कि कुल जमीन साढ़े पांच हजार एकड़ से अधिक है और एस०जी०पी०सी० की लापरवाही के चलते हुए कई लोगों ने हमारे गुरूद्वारा साहब की जमीनों में आज कब्जे तक कर लिये हैं। स्पीकर सर, अगर 3600—3700 एकड़ की फिगर भी मान ली जाए तो 5,62,600 रुपये किल्ला के हिसाब से 100 करोड़ रुपये से अधिक आय बनती है। आपने फरमाया कि यह अनुमानित आय है जब कि पंजाब की एस०जी०पी०सी० जो यहां के गुरूद्वारों को नियन्त्रण कर रहे हैं वे अपने बजट में केवल 18 करोड़ रुपये की आय हमारे गुरूद्वारों से दर्शाते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से हमारे सिक्स भाईयों के साथ तथा पंजाबी भाइयों के साथ इस प्रकार से भेदभाव का व्यवहार किया जा रहा है, यह उसका सुचक भी है। स्पीकर सर, इसके अलावा मैं यह भी बताना चाहूंगा कि इन सारे गुरूद्वारों के अतिरिक्त करीब 500 से ज्यादा डेरे और

गुरूद्वारे ऐसे हैं जो कि एस०जी०पी०सी० के नियन्त्रण में नहीं आ पाये हैं या नहीं लिये गये हैं। उसका कारण केवल एक है कि जो आज की सिक्स गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी है वह पूरी तरह से सरदार प्रकाश सिंह बादल की जकड़ में है। उन्होंने कभी हरियाणा में सिक्ख धर्म के, सिक्ख मर्यादा के हमारे प्रचार–प्रसार के अन्दर, शिक्षण संस्थाओं को खोलने के बारे में तथा सामाजिक उत्थान में कोई रूचि नहीं ली, नहीं तो वे सारे गुरूद्वारे भी जो आज एक–एक जगह पर चलते हैं उनको भी एस०जी०पी०सी० के अन्दर लिया जा सकता था। स्पीकर सर, मैं यहां पर एक विशेष बात की चर्चा करना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश को बने हुए 41 वर्ष के करीब हो चुके हैं। एस०जी०पाइ०सी० की संस्था में कही पर भी हरियाणा का कोई भी सिक्स भाई नुमांयदा नहीं है। अध्यक्ष महोदय, हमारे हरियाणा के सिक्ख भाई, हरियाणा के पंजाबी भाई को उस संस्था में नुमायदगी देने के लिए कोई राजी नहीं है। मैं इस बारे में सदन में कुछ आकड़े रखना चाहता हूं। जहां तक शिक्षण संस्थाओं का सम्बन्ध है एस०जी०पी०सी० ने पंजाब के अन्दर कई खालसा हायर सकैन्डरी स्कूल खोले हैं, जहां पर बहुत उच्च शिक्षा दी जाती है। गुरूद्वारों में जो चढ़ावा या दान वगैरह आता है वह पैसा उन स्कूलों में लगाया जाता है। अध्यक्ष महोदय, 34 से ज्यादा खालसा हायर सकैन्डरी स्कूल पंजाब में खोले गए हैं। हमारे यहां पर 41 साल बीत जाने के बाद भी आज तक हरियाणा में कोई भी स्कूल एस०जी०पी०सी० द्वारा नहीं खोला गया है। जबकि यहां गुरूद्वारों मे चढने वाला चढ़ावा सारा

एस०जी०पी०सी० के पास जाता हे। अध्यक्ष महोदय, 2 साल पहले जब एस०जी०पी०सी० के इलैक्शन हुए थे उस समय ओं सदस्य हरियाणा से चुन कर गए थे। मैं उनको बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने प्रकाश सिंह बादल के खिलाफ वोट दिए थे और हरियाणा से 70 प्रतिशत वोट बादल साहब के खिलाफ डाले गए थे। पंजाब में एस०जी०पी०सी० ने मैडिकल, डैंटल, नर्सिंग कालेज खोलें हैं लेकिन इनमें से एक भी कालेज हमारे हरियाणा में एस०जी०पी०सी० द्वारा 41 सालों में नहीं खोला गया है। अभी मेरे से पहले बोलते हुए भाई निर्मल सिंह जी ने चर्चा की थी कि जब हरियाणा में इस तरह से कालेज खोलने की मांग उठाई गई थी और एस०जी०पी०सी० पर दबाव दिया गया था तो अध्यक्ष महोदय, एस०जी०पी०सी० ने जबरन हमारे यहां पर गुरूद्वारे के जमीन को टेकओवर कर लिया था। वहां पर मीरीपीरी डैंटल कालेज खोलने का निर्णय लिया गया था। उसमें भी एस०जी०पी०सी० ने हेराफेरी की थी। वहां पर 24 एकड़ जमीन जो कि जी०टी० रोड़ से लगती थी और उसकी लागत 50 करोड़ रुपए के करीब थी उस पर ट्रस्ट बना दिया। उस ट्रस्ट के 8 सदस्य हैं और उसके चेयरमैन सरदार प्रकाश सिंह बादल हैं और उन आठ सदस्यों में से ओं सदस्य प्रकाश सिंह बादल के हैं और एक सदस्य की जगह खाली रख दी है और उसको भी एस०जी०पाइ०सी० ही नोमिनेट कर सकती है। यह जो जमीन थी वह गुरूद्वारा मस्तगढ़ की लोकल कमेटी की थी और उसकी गिरदावरी भी उन्होंने गलत ढंग से करवा ली थी। इसके लिए उन्होंने लोकल कमेटी को सुपरसीड कर दिया था और

वहां पर एक रिसीवर लगा दिया। अध्यक्ष महोदय, आपको भी पता है कि रिसीवर को कभी भी अधिकार नहीं है कि गिरदावरी करवाए। उसने क्या किया, उसने बादल सरकार के नाम पर जो ट्रस्ट है उसके नाम पर वह गिरदावरी करवा दी। इसके साथ ही बी०पी०एस० मान बादल साहब के रिश्तेदार हैं उनको उसका डायरेक्टर लगा दिया और उसको 80 हजार रूपए प्रतिमास के हिसाब से तनख्वाह दी जा रही है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह से करके वे हमारे सिक्स भाईयों के साथ नाइन्साफी कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, 41 सालो में एस०जी०पी०सी० द्वारा जहां पंजाब में 2 इंजीनियरिंग कालेज खोले गए हैं, उनके मुकाबले मे हरियाणा में एक भी इंजीनियरिंग कालेज नहीं खोला गया है। इसके अलावा पंजाब में 18 डिग्री कालेज भी खोले गए हैं और हमने जब पूछा कि हरियाणा में 41 सालों में कितने डिग्री कालेज खोले गए तो फिर जवाब शून्य में आया है। स्पीकर सर, एक भी खालसा हायर सैकेंडरी स्कूल नहीं खोला, एक भी मेडीकल कालेज नहीं खोला, एक भी इंजीनियरिंग कालेज नहीं खोला, एक भी डेंटल कालेज नहीं खोला, एक भी नर्सिग स्कूल नहीं खोला, एक भी डिग्री कालेज नहीं खोला। स्पीकर सर, स्कूल और कालेज पर हमारा कोई हिस्सा नहीं जबकि हमने 100 करोड़ रुपये दिये वह सारा पैसा बादल साहब और उनकी पार्टी ने धर्म के प्रचार–प्रसार के बजाए अपनीं पार्टी के प्रचार प्रसार के लिए इस्तेमाल किया। स्पीकर सर, हमारे सिक्स ओर पंजाबो भाइयों के दुखडे की कहानी यही खत्म नहीं होती। मैं आपकी इजाजत से सदन को एक बात

और बताना चाहूंगा कि धार्मिक प्रचार भी एस०जी०पी०सी० का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जैसा कि निर्मल सिंह जी ने बोलते हुए कहा कि सिक्स एक धर्म नहीं बल्कि सिक्स एक मर्यादा भी है। धार्मिक प्रचार क्या है, धार्मिक प्रचार यह है कि अगर कोई बच्चा ग्रंथी की पढ़ाई करना चाहे, कोई बच्चा रागी की पढ़ाई करना चाहे, कोई बच्चा ढाडी की पढ़ाई करना चाहे, कोई बच्चा कविशर की ट्रैनिंग करना चाहे या कोई बच्चा गुरमत संगी सीखना चाहे तो वह यह सीख सकता है। स्पीकर सर, हरियाणा के गठन के 41 साल बीत जाने के बाद भी इस प्रकार की ट्रेनिंग लेने के लिए हरियाणा के नौजवान बच्चों, सिक्ख भाइयो को पंजाबियों को और सिक्स दोस्तों को पंजाब मे जाना पड़ता है क्योंकि हरियाणा में कोई ऐसी संस्था खोलने की एस०जी०पी०सी० ने जहमत नहीं की। यह जहमत इसलिए नहीं की क्योंकि वह तो पूरी तरह से बादल साहब के नियंत्रण में है और उनका हमारे सिक्स भाइयों सै कोई लेना देना नहीं है। ये सामने वाले जो हमारे भाई अभी भगोडे हो गये हैं इनका और उनका जो गठजोड़ है उसके माध्यम से ये केवल सिक्स भाईयों का राजनैतिक इस्तमाल करना चाहते हैं। सामाजिक उत्थान की बहुत सारी संस्थाएं भी एस०जी०पी०सी० ने खोली हैं। वृद्ध आश्रम, बच्चों के ट्रैनिंग सैंटर और सिलाई सैंटर 400–500 की संख्या में खोले गये हैं। जब हमने इस बारे में जानने की कोशिश की कि या सालों में हरियाणा मे ये कितने खोले गये तो जबाव फिर शून्य आया है। एक भी सामाजिक उत्थान की संस्था, एक भी शिक्षण संस्था एक भी धार्मिक प्रचार की संस्था हमारे प्रान्त

के अन्दर नही खोली गयी है। हमारे गुरूद्वारे जिनका चट्ठा साहब ने भी जिक्र किया कि उनके अंदर कर्मचारी कहां के लगाए गए हैं वह भी देखने की बात है। सभी गुरूद्वारो में 1500 के करीब कर्मचारी एस०जी०पी०सी० द्वारा लगाए गए हैं। इस बारे में हमने या दूसरे माननीय सदस्यों ने जब आकडे इकट्ठे करने का प्रयास किया तो पाया कि 90 प्रतिशत कर्मचारी हरियाणा के सिक्स नहीं. हरियाणा के पंजाबी नहीं बल्कि पंजाब के बादल साहब के हल्के या दूसरे इलाकों से एस०जी०पी०सी० द्वारा पंजाब से लाया जाता है और हमारे गुरूद्वारों के अंदर उनको नौकरी दी जाती हैं। 100 प्रतिशत मैनेजेरियल पोजीशन पंजाब के लोगों की है। स्पीकर सर, क्या यह हरियाणा के सिक्खो का अधिकार नहीं, क्या हरियाणे के सिक्ख पंजाब के सिक्कों से कम है, क्या हमारा गौरवमयी सिक्सों का इतिहास किसी प्रकार से पंजाब से कम हैं? क्या हमारे सिक्कों का यह अधिकार नहीं कि उनके बच्चे धार्मिक प्रचार के अंदर, गुरूद्वारों की मैनेजमैन्ट के अंदर जिम्मेवारी की पोजीशन लें? हमारे सिक्स और पंजाबी भाई भी बहुत काबिल हैं उनको यह अधिकार मिलना चाहिए था परन्तु उनका यह अधिकार पूरी तरह से छीन लिया गया। जिस दिन पंजाब और हरियाणा का पुनर्गठन हुआ था उस समय भी यह बात आयी थी। हालांकि हरियाणा के ये लोकदल के हमारे भाई वखरी एस०जी०पी०सी० का विरोध करते हैं और बादल की पार्टी तो चीखें मारती ही है। स्पीकर सर, जिस दिन पंजाब और हरियाणा का अलग अलग गठन हुआ था उस दिन इंदिरा गांधी रमी ने पंजाब पुनर्गठन अधिनियम बनाया था। इस

पंजाब पुनर्गठन अधिनियम के अंदर यह स्पष्ट लिखा था कि वखरी एस०जी०पी०सी० का कानून आ सकता है और वह कानून बन भी सकता हे। मैं आपकी इजाजत से इस अधिनियम की सैक्शन 72 (I) और 72 (III) पढ़कर इस सदन के समक्ष रखना चाहूंगा। स्पीकर सर, इसमें लिखा है कि– General provisions as to statutory Corporations (I) Save as otherwise expressly provided by the foregoing provisions of this Part, where any body corporate constituted under a Central Act, State Act or Provincial Act for the existing State of Punjab or any part thereof serves the needs of the successor States or has, by virtue of the provisions of Part II become an inter-State body corporate, then, the body corporate shall, on and from the appointed day, continue to function and operate in those areas in respect of which it was functioning and operating immediately before that day, subject to such directions as may from time to time be issued by the Central Government, अगली लाइन महत्वपूर्ण है until other provision is made by law in respect of the said body corporate सर, 72(iii) में एस०जी०पी०सी० की चर्चा की गई है 72(iii) for the removal of doubt it is hereby declared that the provisions of this section shall apply also to the Panjab University constituted under the Punjab University Act, 1947, the Punjab Argricultural University constituted under the Punjab Agricultural University Act, 1961, and the Board constituted under the provisions of Part HI of the Sikh Gurudwaras Act, 1925.

बादल साहब हों या ओम प्रकाश चौटाला हों, ये दोनों मिलकर एक सांठ–गांठ करके हमारे सिक्सों को बादल साहब का या बादल साहब के माध्यम से चोटाला जी का बंधुआ बना कर रखने का षडयंत्र करते हैं। सैक्शन 72 की धारा (i) और (iii) जिसकी संरचना भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने की थी यानि हमारी मुखिया श्रीमती इन्दिरा गान्धी जी ने की थी उसके तहत हमें ये सीधे अख्तियार हैं। इसका प्रावधान किया गया है। वखरी एस०जी०पी०सी० हरियाणा प्रान्त के अंदर बन सकती हें। जैसे सैक्शन 78 के तहत हमें अपने हिस्से का पानी लेने का अधिकार है, और सैक्शन 72 में पंजाब पुनर्गठन अधिनियम के तहत अपने अधिकार लेने का हमें पूरा अधिकार है। चटठा साहब के आकडे हुमारे पंजाबी और सिक्स भाईयो की एक दर्दनाक कहानी कहते हैं। सिक्स शब्द से मतलब केवल सिक्ख से नहीं है। सिक्स हमारे पंजाबी भी हैं, सिक्स हमारा किसान भी है। पंजाबी वह सारे साथी भी हैं जो पाकिस्तान से आए हुए है। सिक्ख धर्म में कंवल सिक्ख की ही नहीं दूसरे धर्मों के मानने वाले लोगों की भी आस्था है। भाई निर्मल सिंह जी जो प्रस्ताव यहा आज के दिन लाए हैं वह पंजाबी भाइयों की आशाओं के अनुरूप है। बहुत शुक्रिया।

वित्त मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): स्पीकर सर, हमारे साथी भाई निर्मल सिंह जी आज यहां गैर सरकारी प्रस्ताव 'सिक्ख 'गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी' हरियाणा के लिए अलग से बने, उसके लिए प्रस्ताव लाए हैं। मैं इस प्रस्ताव के समर्थन में अपनी भी कुछ

बातें रखना चाहूंगा। दो साल पहले जब हम चुनाव लड़ रहे थे तो उससे पहले जो सारे प्रान्त के सिक्ख मुखिया थे और जिनको कि मैं यह कहूं कि वे धार्मिक विचारों से ओत–प्रोत थे। जिनको मैं यह कहूं कि अपनी दिनचर्या में सिक्ख धर्म के नियमों का पालने करने वाले ऐसे शख्स थे जो धर्म की परिभाषा को और धर्म की गरिमा को समझते थे। जिनको हम जत्थेदार भी कह देते हैं। बहुत बड़ी संख्या में वे हमारे हरियाणा के कांग्रेस के जो नेता थे उनको एक–एक करके मिले। जब पार्टी के घोषणा–पत्र पर हम विचार कर रहे थे तो वे मुझे भी मिले और उन्होंने इच्छा जाहिर की कि आपकी कांग्रेस पार्टी हमें समर्थन दे। उन जत्थेदारों ने मुझे बताया कि हम यह महसूस करते हैं सिक्स गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी (एस०जी०पी०सी०) के फण्ड का हमारे साथ न्यायसगत बंटवारा नहीं हो रहा है। जिस कारण हरियाणा के हमारे धार्मिक कार्यकलाप चाहे वे गुरूद्वारों का निर्माण हो या दूसरे कार्य हों, उनका संचालन ठीक प्रकार से नहीं हो रहा। इस बारे मे मेरे से पहले बोलने वाले पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर ने भी विस्तार से बताया हैं। स्पीकर सर, चाहे वे मैडीकल कालेज हो, एग्रीकल्चर कालेज हों या दूसरी शिक्षण संस्थाएं हों जो एस०जी०पी०सी० के माध्यम से चलती हैं उनमें उचित न्याय हमें नहीं मिल रहा है। हम भी चाहते हैं कि हम अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दें जो धर्म के अनुरूप हों ओर धर्म की मान्यताओं के आधार पर हो। जो मापदण्ड मानव जाति के लिए सिक्ख धर्म के गुरूओं ने स्थापित किए हैं। उनकी मान्यताओं के आधार पर हमारे बच्चे शिक्षा ग्रहण

करें। जैसे गुरू नानक देव और गुरू गोबिन्द सिंह जी ने जिन मान्यताओं को संजोया था, जो हमारे पंजाब की संस्कृति का हिस्सा बन गये हैं उन मान्यताओं से हम पीछे न रहे इसलिए हम चाहते हैं कि हमें भी उनमें शामिल किया जाए। स्पीकर साहब, हरियाणा मे जो सिक्स आबादी हे वह यह चाहती है कि हमारी अलग से एस०जी०पी०सी० बने। सर, वर्ष 1925 में जब एस०जी०पी०सी० का गठन हुआ था, उससे पहले सारे पंजाब, पाकिस्तान का पंजाब, यहां का पंजाब, पेशावर से लेकर पलवल तक बहुत बड़ा पंजाब था और उस समय गुरुद्वारे बडे–बड़े महन्तों के कब्जे में थे। उन महन्तों ने उनको अपना ही साम्राज्य बना लिया था। अब 25–30 सालों से एक नया फिनोमीना या नई चीज उभरकर आई है। वह यह है कि देश कैं बड़े–बड़े हिस्सों में आज नये–नये और मार्डन महन्त पैदा हो गए हैं। भक्तों के चन्दे से हजारों एकड़ जमीन खरीदी जा रही है। उनकी एक लम्बी लिस्ट मेरे पास है। मैं नाम नहीं लेना चाहूंगा। इनमें से कई तो आज राजनैतिक तौर पर भी बहुत ही हस्तक्षेप करने वाले महन्त भी हैं। मेरे कहने का अभिप्राय यह है कि जो धर्म, मर्यादा और बलिदान पर आधारित था उस पर बड़े– बड़े महन्तों ने आहिस्ता–आहिस्ता कब्जा कर लिया है। इस बारे में बहुत बड़ी मूवमैंट चली थी। स्पीकर सर, देश की आजादी की लड़ाई से पहले हमारे जो सिक्सों का गौरवमय इतिहास है। उसके लिए उस जमाने में एक बहुत बड़ी मुहिम चली थी कि वे गुरुद्वारे जो डेरों में प्रवर्तित हो गये थे या महन्तों ने उन्हें अपनी निजी सम्पत्ति बनाकर उनपर

कब्जे कर लिए थे उनको एक लम्बे संघर्ष के बाद जो बहादुर सिक्स समुदाय हैं उन्होंने उसको आजाद करवाया और सिक्स गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी (एस०जी०पी०सी०) के नाम से एक संस्था बनाई गई और इस संस्था के जिम्मे सारे धार्मिक कार्य लगाये गये। आहिस्ता–आहिस्ता जब उस कमेटी पर राजनीति का राजनैतिक हस्तक्षेप होने लगा तो आहिस्ता–आहिस्ता यह संस्था गुरूद्वारों और दूसरे कार्यकलाप से अलग हटकर राजनीति का अखाड़ा बननी शुरू हो गई हैं और उसका परिणाम यह है कि एस०जी०र्पा०सी० का चुनाव पार्टी के आधार पर होना शुरू हो गया जिसमे मुख्य भूमिका अकालो दल की रही। अध्यक्ष महोदय, अकाली दल क्लेम भी करता है कि हम तो धर्म को राजनीति से अलग नहीं कर सकते। इस देश की जितनी भी धर्म निरपेक्ष पार्टियां हैं उनका मानना है कि हम एस०जी०पी०सी० के चुनावों में कोई दखल नहीं देगे और दिया भी नहीं गया। मैं अकेली कांग्रेस की बात नहीं कर रहा बल्कि जो दूसरी धर्म निरपेक्ष पार्टियां हैं, जो प्रजातंत्र में विश्वास रखती हैं उन्होंने भी इसमें दखल नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय, जेसे–जैसे एस०जी०पी०सी० में पैसा आना शुरू हुआ वैसे–वैसे उसमें राजनीतिक दखल बढ़ती गई। आज एस०जी०पी०सी० के पास हजारों करोड़ रुपये से भी ज्यादा पैसा श्रदालुओं द्वारा दिया जाता है। राजनीतिक पार्टियों के हस्तक्षेप के कारण ही हरियाणा के सिक्स भाईयों ने तंग आकर, खिन्न होकर यह तय किया कि हरियाणा प्रदेश की अलग से एस०जी०पी०सी० बने। हमारे प्रदेश के सिक्स भाइयों ने कहा कि एस०जी०पी०सी०

उनसे मदद भी लेती है लेकिन उसके बदले उनकी आबादी के हिसाब से उन्हें कुछ नहीं दिया जाता। उनके साथ दुर्व्यवहार होता है, अन्याय होता है इसलिए वे हरियाणा की अलग से एस०जी०पी०सी० बनाना चाहते हें। अध्यक्ष महोदय, इसका एक दूसरा कारण और भी था। मैं यह सब राजनैतिक दृष्टिकोण से नहीं कह रहा हूं बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण से कह रहा हूं। पंजाब के अंदर जब उग्रवाद का खात्मा हुआ उस समय हरियाणा के सिक्स भाइयों ने यह महसूस किया कि अब उग्रवाद के चंगुल से पंजाब ओर देश की जनता निकल चुकी है। उस समय हरियाणा के सिक्सों के मन मे पहली बार यह बात आई कि जिस धरती पर वे फसल बीजते हैं और खेती करते हैं वह प्रांत उनका अपना प्रांत है। इसलिए इस प्रांत के विकास मे, सामाजिक व्यवस्था में, प्रांत की राजनीति में और प्रांत की आर्थिक स्थिति मे उनकी भी इतनी ही भागीदारी होनी चाहिए जितनी हरियाणा के दूसरे लोगों की हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, मैं तो इस बात का भी कायल हू चाहे और कोई स्वीकार करे या न करे कि हरियाणा प्रदेश कृषि के क्षेत्र में यदि नाम कमा रहा है तो सिक्स भाइयों की भी उसमें बराबर की भागीदारी है। तरावड़ी के इलाके का चावल पूरे देश और विदेशों में विख्यात है। तरावड़ी में कृषि नये नजरिये से की जाती है और उनके नये नजरिये ने कृषि को लाभकारी बना दिया है। उनसे किसान सीख भी रहे हैं कि कृषि को लाभदायक कैसे बनाया जाये। इसमें जो मुख्य भूमिका है वह सिक्स भाइयों की है। इस तरह से खेती करके सिक्ख भाइयों ने हरियाणा की आर्थिक स्थिति

में भी काफी योगदान दिया है। मैं तो इसको इतना महत्वपूर्ण मानता हू जितना महत्वपूर्ण मैं उद्योगों को भी नहीं मानता और दूसरी चीजों को भी महत्वपूर्ण नहीं मानता। स्पीकर साहब, आज, जो लोग इस प्रस्ताव का बॉयकाट करके गये हैं उनका दृष्टिकोण बड़ा छोटा और संकुचित है। चौटाला साहब चार बार मुख्यमंत्री रहे हैं। एक बार चौटाला तीन दिन के लिए, दूसरी बार 13 तीन के लिए, तीसरी बार 3 महीने के लिए और पीछे 6 साल के लिए चौटाला मुख्यमंत्री रहा। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों का राजनीति का स्तर इतना नीचे चला गया है कि ये लोग जनता को भड़काकर जात– पात और धर्म की राजनीति करके वोट लेते हैं। इनकी सरकार बनने के बाद ये लोग सिर्फ अपने परिवार का बेस बनाते हैं इससे ज्यादा इन्हें और कुछ लेना–देना नहीं है ओं अध्यक्ष महोदय, यह एक रिकार्ड की बात है कि हमारी मौजूदा सरकार आने से पहले 35 साल में हरियाणा सिविल सर्विसिज में केवल एक सिक्ख लड़के का सिलैक्शन हुआ है इससे बड़ी गैर जातियता और क्या कहेंगे। हरियाणा के अन्दर ई० असैम्बली कांस्टीच्यूसीज हैं और जो–जो असैम्बली कान्हीच्यूसीज जिसमें सिक्स प्रतिनिधि के रूप में, एम०एल०ए० के रूप में आ सकते हैं उनमें से 90 परसेंट को जब डिलिमिएटेशन हुआ उनकी रिजर्व कर दिया गया ताकि इनके प्रतिनिधि न आ सकें। हमारी सरकार ने और मुख्यमंत्री ने मिलकर और खास तौर से जो उस डिलिमिटेशन कमेटी के सदस्य थे, हमने इस बात के लिए लड़ाई लड़ी कि ऐसे क्षेत्रों को जिनमें सिक्स समुदाय को पिछले 40 साल में प्रतिनिधित्व नही मिला

उनको एक बार सिक्खो के लिए रिजर्व कर दिया जाये ताकि अपनी राजनैतिक अभिव्यक्ति के लिए इस सदन मे सिक्कों को स्थान मिल सके। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको यह दावे के साथ कह सकता हूं आगे जब भी कभी चुनाव होंगे तो मै से 6 तक हमारे सिक्स भाई इस सदन के सदस्य बनेंगे जो कि एक रिकार्ड होगा। यही एक चीज थी जिससे उनके मन में यह आस्था पैदा हुई कि अगर हम एक अलग एस०जी०पी०सी० बनायेंगे तो हमारे को धार्मिक मामलों की स्वतंत्रता होगी। संविधान के मुताबिक भी हम किसी धर्म के ऊपर किसी प्रकार का अंकुश नहीं लगा सकते। आज बहुत से हमें चेलैंज करते हैं। (विघन) अब पंजाब में नई सरकार बनी है। उन्होंने बड़ा जोर देकर यह कहा है कि हम देखेंगे कि हरियाणा में एस०जी०पी०सी० अलग कैसे बनाते हैं वे कहते हैं कि हम जत्थे लेकर जायेगे, संघर्ष करेंगे और हम ऐसा नहीं होने देंगे क्योंकि ये हमारी धार्मिक मान्याताएं हैं। मैं यह बताना चाहता हूं कि यदि हरियाणा के अन्दर आज भी रैफरण्डम करवाया जाये और अगर हरियाणा के सिफ सिक्खो से ही पूछा जाये तो बहुत बड़ा समुदाय 90 से 95 प्रतिशत इस बात का पक्षधर है कि हरियाणा के अन्दर अलग से एस०जी०पी०सी० बननी चाहिए। यह हमारी अभिव्यक्ति नहीं है, यह उन लोगो की अभिव्यक्ति है, जिन्होंने हरियाणा को अपना प्रान्त माना है, जिन्होने हरियाणा को अपनी मातृभूमि माना है। पाकिस्तान से पार्टीशन के बाद सिक्सों के जत्थे के जत्थे हरियाणा में आकर बसे थे और आज उनकी तीसरी और चौथी जनरेशन है, वह भी आज गर्व से कहती है कि

हम हरियाणवी हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं खेल के बारे में बताता हूं कि जब शॉट पुट में बहादुर सिंह, ऐशियन गेम्स में गोल्ड मैडल जीतकर लाता है तो यह पूछा जाता है कि यह सिरसा वाला बहादुरसिंह है या जालन्धर वाला। बाद में पता चलता है कि यह सिरसा वाला बहादुर सिंह ही था जो गोल्ड मैडल जीतकर आया है। कॉमन वैल्थ खेलों मे जब महिलाओं की हॉकी टीम जीतकर आती है तो हमारा सिर फख्र से ऊंचा हो गया क्योंकि 11 खिलाड़ियों में से ओं महिला खिलाड़ी अकेले शाहाबाद की थी और उन में से भी 6 खिलाड़ी बहादुर सिक्सों की बेटियां थी इससे बड़ी और गौरवमयी बात हमारे लिए और क्या हो सकती हे। आज हमारे जो सिक्स भाई हें वे इस हरियाणा की सभ्यता का और इस उभरते आर्थिक परिवेश मे हरियाणा की संस्कृति का एक अभिन्न अंग बन चुके हैं। वे भी इस बात को समझते हैं कि अगर हमारी अलग एस०जी०पी०सी० बनेगी तो हमारी राजनीतिक ताकत बढ़ेगी और हमें ज्यादा फायदा भी अवश्य होगा। मैं यह मानकर चलता हूं कि जब अलग एस०जी०पी०सी० हमारे सिक्स भाइयों की होगी तो बेशक वे अपनी अलग से राजनीतिक पार्टी बनायें, मुझे कोई एतराज नहीं होगा। हम कोई गलती करते हैं तो हमारे साथ लड़ें, चौटाला जी कोई गलत काम करते हैं तो उनसे लड़े या बी०जे०पी० के भाई कोई गलती करते हें तो उनसे लड़े। इस प्रकार हमारे सिक्स भाई हमारी मुख्य धारा का हिस्सा बनेंगे, इनको अपनी स्वतंत्र अभिव्यक्ति करने का अधिकार होगा और यह अधिकार जब मिलता है तो समाज के अन्दर एक ऐसी भावना आम आदमी

में पैदा होती है कि यह मेरी मिट्टी है, यह मेरी सरकार है, यह मेरा राज्य है और इसके अन्दर मेरा अपना योगदान है। यही भावना हमारे गुरूओं ने पैदा करके दिखाई थी। स्पीकर सर, यह इतिहास की बात है, इसके बारे में भी मैं यह कह सकता हूं कि एक बार बहुत पहले की बात है। एक साहब मुझे कहने लगे आ चौधरी साहब, ऐ जेहड़े पंजाब दे जट सिक्स हैंगे इन्हां दा ते पंजाब विच पूरा कब्जा है, तुहाडा इत्थे किस तरहा दा हो सकता है क्योंकि तुसी हिन्दू जट्ट हो ते ओह सिक्स जट्ट हन ते ओह इत्थे माईनोरिटी विच हैंगे तुली मेजर रिलीजन दे हो पर तुहानूं कोइ, पुच्छदा नहीं है। मेरे साथ एक साहब बैठे हुए थे उनकी बहुत ही क्रिस्प रिप्लाई थी उन्होंने बहुत बढ़िया जवाब दिया। उसने कहा कि गुरू गोबिन्द सिंह जी ने अपना घोड़ा घग्गर तक घुमाया, अगर यमुना तक घुमा देते तो हमारा भी कल्याण हो जाता हैं। कपाल मोचन में गुरू साहब रहे वहां पर अभी भी थोड़े बहुत सिक्ख भाई हैं। हम तो अपनी बात कह रहे हें कि घग्गर से आगे यमुना तक घूम जाते तो हम भी उसी समुदाय का हिस्सा होते। स्पीकर सर, हम आज भी मानते हैं कि हमारा खून का रिश्ता है और हमें इस बात का गर्व है। स्पीकर सर, ये जो बातें हैं हमारी आपस की बात है और ये हमे एकता के सूत्र मे बांधती हे। पंजाब के पिछले मुख्य मन्त्री कैप्टन अमरेन्द्र सिंह ने प्रयास किया पाकिस्तान के पंजाब से दोस्ती करने का। भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जो भी शायद वकिलों के एक डेलीगेशन कै साथ पाकिस्तान गए थें। इनके मन को भी यह बात छूई। पाकिस्तान के पंजाब के लोगों ने इनके साथ अपनी एकता

के लिए अपने प्यार के लिए फ्लू के रिश्ते की बात की। इनको जब भी मौका मिलता है ये मुझे भी सुनाते और मुझे कहते कि भाई साहब आप भी पाकिस्तान जा कर आओ, मैं भी समय मिलने पर जा कर आऊंगा। मैं एक बात समझता हूं कि पंजाब का जो हमारा सिक्स भाई है वह पाकिस्तानी क्षेत्र के पंजाब के सिक्सों से बेहतर सम्बन्ध बनाने के बारे में सोचता है तो हरियाणा में क्यों सम्बन्ध खराब रहें। हरियाणा में सम्बन्ध खराब करने वाले ये लोग थे जो आज सिक्सों के नाम पर वोट मांगते थे और अकाली दल और एस०जी०पी०सी० से फतवा जारी करवाते थे। जब सिक्को की भलाई की बारी आती थी तो 37 ओं साल के इतिहास में हरियाणा में केवल एक सिक्स को एच०सी०एस० बनाया गया। इसी तरह से नौकरियो मे क्या और दूसरी चीजों में क्या उनको कभी भी इन्साफ नहीं मिला। एक बार हमारा सिक्स भाई एक ऐसी अनिश्चितता में रहा कि मैं हरियाणा का हिस्सा रहूं या रहूं। वह यह सोचने पर मजबूर हो गया। अध्यक्ष महोदय, हालात बदले और उन बदले हुए हालात में समाज की मान्यताएं बदली और आज वे हरियाणा का सिक्स होने में अपना गौरव महसूस करते हैं। ये वे बातें हैं जिन पर गौर करना जरूरी है। हम ऐसा चाहते हैं बेशक हमारी पार्टी की राजनैतिक प्रतिबद्धता हो। लेकिन मैं पार्टी से ऊपर उठ कर कहता हूं कि आज समाज के अन्दर एकजुटता होने का सबसे बड़ा माहौल है। गौतम जी यह उसका प्रमाण है कि हमारी जो धर्मान्धता हैं, उस धर्मान्धता से हमारा समाज बहुत ऊंचा उठ गया है। स्पीकर सर, मैंने पंजाब के इलैक्शन में देखा कि वे

बड़े–बड़े जमींदार 'अकाली' जिन्होंने 40 साल मे कभी कांग्रेस को वोट देने की तरफ हाथ नहीं किया था वे जमींदार अकाली मेजोरिटी के अन्दर बहुमत मे कांग्रेस पार्टी को मतदान कर रहे थे। स्पीकर सर 4–4 मंजिला उनकी कोठियां खेतों में हैं और उन पर कांग्रेस का तिरंगा झंडा लगा हुआ था। मैं यहां पर पार्टी की बात नहीं कर रहा हूं बल्कि सोच की बात कर रहा हूं। यह सोच इसलिए बनी क्योंकि आज हमने समाज में विकास के लिए, प्रगति के लिए, आर्थिक दशा सुधारने के लिए सगाज मे एकजुट होकर रहने की आदत डाली है। समाज से अलग होकर हम नहीं रह सकते है। हमें समाज में एकजुट होकर रहना पड़ेगा। अगर आज पंजाब मे हिन्दू भी इस तरह सोचते तो गौतम जी आपकी पार्टी की 19 सीटें भी नहीं आती। पंजाब की बहादूर जैनटरी ने, किसानों ने और पंजाब के गांव में रहने वाले लोगों ने इरा देश में धर्मनिरपेक्षता पर मोहर लगाई है। इसी से इन्फलुएंस होकर बादल सरकार ने कहा कि वे पंजाब मे सैक्शन पांच को एप्रोप्रियट करेंगे और असैम्बली मे यह प्रस्ताव रखेंगे। इसके साथ उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब से पानी की एक बूंद भी हरियाणा को नही जाने दूंगा। मैं तो बादल साहब को यह कहता हूं कि जब .आप इतनी बातें करते हो तो फिर क्यों धर्म की ठेकेदारी करते हो, सिर्फ राजनीति करो और एस०जी०पी०सी० से कब्जा छोड़ो। एस०जी०पी०सी० को धर्म के आधार पर चलने दो। अगर आप ऐसा करते हो तो आपको एस०जी०पी०सी० का सिक्स बताएगा कि क्या हरियाणा के अन्दर हमारे भाई नहीं बसते हैं जिन पर आप इस

तरह से जुर्म करते हो। मैंने तो पहले ही दिन कह दिया था कि आगर हमें भारत के फेडरल स्ट्रैकचर को मजबूत करना है, तो हमे संघीय मर्यादाओ मे रहना चाहिए। हमारे सविधान के निर्माताओं ने संविधान मे जो प्रोवीजन रखा है अगर उसकी कोई उल्लघना करता है तो वह सैक्शन 356 का दोषी होगा। अध्यक्ष महोदय, ये जो बातें हैं इन बातो से प्रेरित होकर हरियाणा में सिक्स भाइयों ने एक महत्वपूर्ण फैसला लेकर एक नया माहौल बनाया है इसको मैं मेवात की जनता के साथ कम्पेयर करना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, 1947 में जब देश आजाद हुआ था तो उस वक्त एक्ट के तहत यह तय हुआ था कि वहां पर जो मुसलमान भाई थे वे पाकिस्तान जा सकते थे लेकिन दोनो प्रान्तों के भू–भाग पर मेवात ऐसा एरिया था जहां पर 80 से 85 प्रतिशत आबादी हमारे मेव भाइयों की थी और उन्होंने उस वक्त एक मत होकर यह निर्णय लिया कि वे इस जमीन को छोड़कर कहा पर नहीं जाएंगे। उन्होने कहा कि यह भूमि हमारी जन्मभूमि है, हमारी माता है हम इसको छोड़कर कहीं पर नहीं जाएंगे। यह मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि यह बात हमारी हरियाणा की सभ्यता की प्रतीक है। हमारी कांग्रेस सरकार अपनी डयूटी को भलिभांति समझती है। यह बात यह दर्शाती है कि हम कितने निष्पक्ष हैं और कितना प्रेम हमारा एक दूसरे के लाश है। यही कारण है कि हमारी सरकार सिक्स भाइयों की धार्मिक जरूरतों को उनकी समाजिक नीतियों का सम्मान करती है। यह जो प्रस्ताव आज सदन मे निर्मल सिंह जी लेकर आए हैं यह हमारे चुनावी घोषणा– पत्र के वायदो मे से एक था

कि सिक्को का जो हक है अगर हमारी सरकार सत्ता में आई तो हम उनको उनका हक दिलवाएंगे। अध्यक्ष महोदय, श्री निर्मल सिंह जी जो सदन में प्रस्ताव लेकर आए हैं मैं उसका समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

श्री के०एल० शर्मा (शाहबाद): अध्यक्ष महोदय, श्री निर्मल सिंह जी सदन में जो प्रस्ताव लेकर आए हैं उस पर बोलने के लिए मुझे समय देने के लिए मैं आपका बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, इस प्रस्ताव से मैं पर्सनली तौर पर भी सम्बध रखता हूं और मैं इरा प्रस्ताव का समर्थन करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरे से पहले बोलते हुए मंत्री जी ने भी अपनी बातें कहीं हैं। मैं इस सदन में एक घटना के बारे में कहना चाहता हूं जो मेरी कास्टीचुएंसी से जुड़ी हुई बात है। एस०जी०पी०सी० ने हमारे यहां पर मीरीपीरी मैडिकल कालेज बनाने की बात कही थी। सरदार दिलावर सिंह जी भी यहां दर्शक दीर्घा में बैठे हुए हैं, उनको भी पता है कि टोहरा साहब जो उस वक्त एस०जी०पी०सी० के प्रधान थे, ने आकर शप्हबाद में एक प्रस्ताव रखा कि 32 एकड़ जमीन जो एस०जी०पी०सी० की वहां पर है, उस पर वे मीरी पीरी नाम की एक संस्था बनाना चाहते हैं। यह जमीन एस०जी०पी०सी० ने ठेके पर दे रखी थी। बहुत सालों से एक ही व्यक्ति के पास यह जमीन थी। जब उन्होंने कहा कि हम मीरी पीरी नाम से एक कालेज बनाना चाहते हैं क्योंकि इसके बनने से बहुत फायदा लोगों को होने वाला है तो स्पीकर सर, आप यकीन मानिए कि

उनको कहीं जाना नहीं पड़ा। इलाके के लोगों ने उस जमीन पर कई सालों से काबिज उस व्यक्ति को इतना मजबूर कर दिया कि उसको वह जमीन खाली करनी पड़ी। लोगों ने कहा कि जो पवित्र प्रस्ताव टोहरा साहब हरियाणा के अंदर लेकर आए हैं उसका हमें समर्थन करना चाहिए और हमें इनकी मदद करनी चाहिए। स्पीकर सर, जिस दिन टोहरा साहब शाहबाद में आए उस वक्त कांग्रेस पार्टी का मैं मंत्री था क्योंकि यह 1993–94 की बात है लेकिन कांग्रेस का मंत्री होते हुए भी शाहबाद के अंदर जिस तरह का जश्न का मौहाल आयोजित किया था वह देखने लायक था। बैंड और बाजों के साथ उनको रिसीव किया गया क्योंकि एस०जी०पी०सी० हरियाणा के अंदर एक अच्छा काम करने जा रही थी। लोग यह सोचते थे कि काफी बड़ा मैडीकल कालेज हमारे इलाके के अंदर खुलेगा और हमारे सारे लोगों को उसका फायदा मिलेगा। स्पीकर सर, जिस वक्त लोगों को उनके आने का पता लगा तो सारे इलाके के लोगों ने करोड़ों रुपये अपनी जेब से निकालकर उसी वक्त स्टेज पर दे दिए थे और बहुत से लोग ऐसे भी थे जो ट्रैक्टर ट्राली लाए हुए थे और उसमें ही वे लोग संगत के लिए खाना भर–भरकर लाए थे। बहुत अच्छा माहोल उस समय लोगो के अंदर बन गया था क्योंकि एक अच्छा कार्य वहां पर होने जा रहा था। स्पीकर सर, हुआ क्या, वह जमीन तो छुड़वा ली गयी और सालों बाद भी यह पता नहीं चला कि वह पैसा कहां चला गया। जो लोग हरियाणा के लिए अलग से एस०जी०पी०सी० बनाना चाहते थे उन्हीं लोगों ने जोर लगाकर लड़ाई लड़कर

इलैक्शन के माध्यम से एस०जी०पी०सी० की सीटें जीतकर उनका कम्पैल करके पूछा कि आपने जो यहां पर मेडीकल कालेज बनाने का वायदा किया था और जो आपने शाहबाद की जनता से पैसा इकट्ठा किया था वह कहां गया? आप वहां का पैसा वहां पर जाकर लगाईये। स्पीकर सर, मैडीकल कालेज तो क्या खुलना था एक बहुत बड़ा ट्रस्ट बना लिया गया और यह सोचकर कि कभी न कभी यह मांग उठेगी कि हरियाणा के लिए अलग से एस०जी०पी०सी० हो तो यह सारी प्रोपर्टी उनके पर्सनल नाम से रह जाएगी। जैसा यहां बताया कि उस एस०जी०पी०सी० के मुखिया बादल साहब हैं तो जिस प्रकार की आदमी की नीयत हो वैसी ही वह बात करता है। अगर वह आदमी एकता की बात करे तो यह ठीक नहीं लगता। वह वहां बैठकर किस तरह हमारे हित की बात सोचेगा 7 स्पीकर सर, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि मैं तो अपनी कांस्टीच्यूएंसी की बात करता हूं कि हमारे शाहबाद की जनता में पारस्परिक स्नेह किस प्रकार का है। स्पीकर साहब, जिस वक्त उग्रवाद का माहौल था और जिस वक्त आपस मे बहुत ज्यादा खींचतान हुई थी तथा जिस समय श्रीमती इंदिरा गाधी जो की हत्या हुई थी उस वक्त की बात मैं आपको बताना चाहूंगा। उस समय थोडा सा माहौल शाहबाद में भी खराब होने लगा था। उस समय मंडी के अंदर एक जलसा आयोजित किया गया था। उस समय यह कहा गया था जैसा माहौल दिल्ली के अंदर हैं उसको देखते हुए कुछ शरारती तत्व यहां पर भी ऐसा ही माहौल पैदा करना चाहते हैं। हमारे शाहबाद की जनता जिसमें सिक्स संगत भी

थी और हिन्दू संस्थाएं भी थी वह श्री मस्तगढ़ गुरूद्वारा साहब में जाकर खड़ी हो गयी और उन्होने कहा कि इस ओर बढ़ने वाला कोई भी व्यक्ति यदि बुरी नीयत से आएगा तो वह हमारी लाशों से होकर गुजरेगा। स्पीकर सर, इस तरह का माहौल बनाने की उस वक्त बात कही गयी थी। जितना हरियाणा के हिन्दू और सिक्सों के बीच आपसी भाईचारा है, आपसी एकता है उसकी तो इनके सामने मिसाल होनी चाहिए कि हरियाणा के अंदर कितना अच्छा हमारा बिहेवियर रहा है। स्पीकर सर, ये वही वक्त था जब हमने ट्रिब्यून के अंदर लिखा हुआ पढ़ा "no killing in punjab today" आज पंजाब के अंदर कोई हत्या नहीं हुई है। जिस प्रदेश का नाम ही पंजाब हो पंजाब का मतलब है पांच पानियो का समूह, या पांच नदियों का समूह कह सकते हैं। उसके बारे में अखबार मे यह बात लिखी हो कि आज कोई हत्या नहीं हुई तो मुझे इस पर एक शेर याद आता है– लिटाकर के जनाजे में क्यूं सेहत भाव कहते हो,

इधर जलाते हो मुझको, उधर पंजाब कहते हो।

हमने पंजाब के इन सिक्स भाइयों की लड़ाई इनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ी है। आकड़े जो मैं एकत्रित करके लाया था वे आकड़े अभी चट्ठा साहब ने भी बताये हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि जो इनकी लैंड प्रॉपर्टी हे वह 3500–3600 एकड़ है और जब से 50 साल से यह बना है उसकी उस वक्त से लेकर आज तक की इंकम कहां गई। यहां पर अभी जो साथी कालेज की बात कर रहे थे उसमें जो भी इम्पलौयमैंट हुई है वह

सारी की सारी पंजाब से हुई है। हमारे यहां शाहबाद में एक दामला गांव है वहां का एक लड़का योक। लगा हुआ था जब यह ट्रस्ट बना तो उसको भी उस नौकरी से निकाल दिया। जिस समय यहां के लोग संघर्ष कर रहे थे और कह रहे थे कि बादल को यहां नहीं आने देंगे बादल का यहां क्या काम है तो इस संस्था के लोग मेरे पास आए और कहने लगे कि अमन कायम करने की आपकी भी डयूटी बनती हे। मैंने कहा कि यदि हमारी कुछ डयूटी बनती हे तो आपकी भी कुछ डयूटी बनती है। हमारे यहां का एक लड़का आपके यहां नौकरी पर लगा हुआ था उसको आपने नौकरी से निकाल दिया। तब जाकर उन्होंने उसमें उसको चौकीदार की नौकरी दी। बताइए, इस शर्त पर यह छोटी सी एक नौकरी हमारे हरियाणा के आदमी को दी हे। शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी की हरियाणा से 100 करोड़ रुपये की इकम बताई है। जब 100 करोड़ रुपया हमारे यहां से इक्ट्ठा करते हैं और वहां पर 18 करोड़ रुपया मात्र जमा होता है बाकी का 82 करोड़ रुपया कहां जाता है। यह हमारे यहां के लोगों की खून पसीने की कमाई है वे जाकर श्रद्धा से वहां चढ़ाते हैं। (इस समय सभापतियो की सूची मे से एक सदस्य श्री आनंद सिंह डागी पदासीन हुए।) चेयरमैन साहब, वह पैसा उनके कल्याण व खुशअसलुबी के लिए रखा जाना चाहिए था। यदि वह पैसा पंजाब के इलैक्शन में लोगों को दबाने के लिए व गोलियां चलवाने के लिए इस्तेमाल किया जाए तो यह बहुत गलत बात है। बीरेन्द्र सिंह जी 500 करोड़ रुपये की बात कर रहे थे 500 करोड़ रुपये की राशि से तो एक छोटा सा समाज

गुजारा कर सकता है। शाहबाद के अंदर शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव हुए। मैं एक मिनट इस ओर आपका ध्यान दिलाना चाहूंगा कि गुरुद्वारा साहब का अध्यक्ष चुनने के लिए पांच व्यक्ति चुने गए और उनको डेट दी गई कि इस डेट को प्रातः 10 बजे गुरुद्वारा साहब में एकत्रित होकर प्रधान चुनना है वे लोग बैठे रहे। तीन लोग एक साइड देते रहे ओर दो लोग एक साइड बैठे रहे। दो हरियाणा के थे और तीन पंजाब के थे वैसे तो यह निश्चित था कि वे लोग अपना प्रधान ही बनाएंगे लेकिन उनमें से एक व्यक्ति को बाहर बुलाया और कहा कि तू निर्वाचित तो है नहीं फिर भी तेरे को अध्यक्ष बना देते हैं। उस बेचारे को एक दुकान पर ले जाकर बैठा दिया और उससे दस्तखत करवा लिए और बाद में उस पर अपना नाम लिख दिया आप देखिए वे लोग कितना पापी मन लेकर आते हैं, किसी और को अध्यक्ष नहीं बनने देते तो उसके पीछे कोई बात तो होगी। अगर सेवाभाव हो तो ऐसा करने की जरूरत ही क्या है। अगर ऐसी कोई बात उनके दिमाग में नहीं है तो यहां के लोगों को सेवा करने का मौका क्यों नहीं देते हैं। अभी सदन में एक बात कही गई कि कुछ लोग पाकिस्तान से आये थे। स्पीकर सर, पाकिस्तान से कौन लोग आये। जब हम वहां से आये तब वह पाकिस्तान नहीं था तब सारा हिन्दुस्तान था, हरियाणा और पंजाब नहीं थे केवल पंजाब था। हम पंजाब से अलग हुए तो एक अलग राज्य हरियाणा बना और आज हम अपने आपको हरियाणवी कहते हैं। इसलिए मेरी यही रिक्वैस्ट है कि आईन्दा कभी भी हमें पाकिस्तानी न कहा जाए। चेयरमैन सर, में

यही बात कहूंगा कि जो यहां पर यह अलग सिक्स गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी (एस०जी०पी०सी०) के लिए प्रस्ताव लाया गया है उसके पीछे एक सैंक्टिटी है। एक बात लोगों के मन में थी कि जो हमारा यहां पर पैसा इकट्ठा करते हैं और लोग श्रद्धा से पैसा देते हैं उस पैसे का उपयोग सही ढंग से किया जाए। अगर उस 100 करोड़ रुपये का इस्तेमाल सहीं का से होता तो अलग से एस०जी०पी०सी० बनाने के लिए कोई नहीं कहता। उस 100 करोड़ रुपये में से केवल 18 करोड़ रुपये का वहां प्रयोग किया जाए और बाकी पैसा पर्सनल जेबों में चला जाए और गलत कामो के लिए यूज किया जाए। जो ठीक नहीं है चेयरमैन सर, मैं इसलिए पहले समय मांग रहा था कि निन्दा प्रस्ताव को बाद में लाना चाहिए था। मैं उस समय यही बात बताना चाहता था कि इस प्रस्ताव को लाने के बाद इनैलो के सदस्यों को भागने का मौका मिल जायेगा। चेयरमैन सर, आपको अच्छी तरह से मालूम है कि हमारे स्पीकर साहब, कादियान साहब ने विधायकों के लिए एक आरियेण्टेशन प्रोग्राम चलाया था और उसमें सभी माननीय सदस्यों को यह बताया गया था कि इस सदन में प्रत्येक सदस्य को किस प्रकार का बिहेव करना चाहिए। उस समय इन्दौरा साहब से भी पूछा गया था कि अब तो आपकी समझ में आ गया होगा कि हाउस में किस प्रकार का बिहेव करना चाहिए। उस समय इन्दौरा साहब ने यही बात कही थी कि बात तो समझ में सारी आ गई हे। लेकिन पतनाला तो फिर भी वहीं गिरेगा। उस समय स्पीकर साहब ने एक बात कही थी मुझे अच्छो तरह से याद है एक–एक वर्ड मुझे याद

है कि इन्दौर। साहब का नेता इन्हें तपती धूप में यह कहे कि सदन में रजाई ओढ़कर जाना है तो यह चाहे पसीनम पसीना हो जाएं लेकिन रजाई ओढ़ कर आयेंगे। वह कार्यक्रम हाउस को दुरूस्त चलाने के लिए लगाया था लेकिन उन पर कोई असर नहीं हुआ। मैं इसलिए उस समय बोलने के लिए समय मांग रहा था और ये बाते मैं उनके सामने कहना चाहता था लेकिन मुझे समय नहीं दिया गया। चेयरमैन सर, मेरी आपसे गुजारिश हे कि सारे लोगों की भावना को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव को पारित किया जाए। आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए धन्यवाद।

श्रीमती गीता भुक्कल (कलायत, एस०सी०): सभापति महोदय, आज इस सदन में चौधरी निर्मल सिंह जी ने हरियाणा में सिक्सों के लिए अलग से सिक्स गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी (एस०जी०पी०सी०) बनाने के लिए जो प्रस्ताव रखा है मैं उस पर चर्चा करने के लिए सदन में खड़ी हुई हूं। जैसा कि हमें पता है कि चाहे वह हरियाणा का इतिहास हो या देश के इतिहास की बात हो सिक्सों ने हर जगह अपनी अहम भूमिका निभाई है। जैसा कि हमें मालूम है पहले भी हमारे कुछ साथियों ने इस प्रस्ताव पर चर्चा की है कि जितनी भी हमारी सिक्स गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटियां हैं पैसे के हिसाब से, फंड्स के हिसाब से उनकी बहुत ज्यादा इंकम रहती है। 100 करोड़ रुपये के करीब उनकी इंकम बताई गई है लेकिन यह पता तो चलना चाहिए कि वे 100 करोड़

रुपये खर्च कहां पर होते हैं। सभापति महोदय, एस०जी०पी०सी० के 100 मैंबर्ज में से 160 मैंबर इलैक्टिड होते हैं। जिनमें हरियाणा प्रदेश के 11 मैंबर, हिमाचल प्रदेश का एक मैंबर और चण्डीगढ़ से भी एक मैंबर है। सभापति महोदय, सिक्स धर्म की जो सबसे बड़ी खासियत है वह यह है कि इसमें महिलाओं और रिजर्व कैटेगरी के लोगों की तरफ विशेष ध्यान दिया जाता है। इसमें 20 इलैक्टिड महिलाएं होती हैं और 20 इलैक्टिड रिजर्व कैटेगरी के मेंबर होते हैं। इस धार्मिक संस्था की सबसे बड़ी बात यह है कि इसके अध्यक्ष के चुनाव के लिए महिलाएं भी चुनाव लड़ सकती हैं। सभापति महोदय, चाहे हरियाणा के पानी का मामला हो या कोई और मामला हो हमेशा हमारे प्रदेश के लोगों के साथ अहित होता रहा है, इसलिए हम चाहते हैं कि एस०जी०पी०सी० में हमारे साथ किसी तरह का अहित नहीं होना चाहिए। यदि भक्ति काल की बात करें तो हमारे सिक्स गुरूओं गुरू गोबिंद सिंह और गुरू नानक जी आदि ने जितनी भी बुराईयां समाज में थी उनको खत्म करने का काम किया था। सभापति महोदय, एस०जी०पी०सी० की जितनी भी कमेटियां हैं उनका राजनैतिक तौर पर, सामाजिक तौर पर और सोशल एक्टिविटीज आदि में अहम भूमिका रहती है जबकि हमारे हरियाणा के सिक्स भाई वंचित रहते हैं। सभापति महोदय, एस०जी०पी०सी० की चाहे एजुकेशनल इन्स्टीच्यूट हों, चाहे सिलाई सैंटर हों हर जगह पंजाब के सिक्स भाइयों ने डोमीनेट किया हुआ है। हरियाणा प्रदेश के सिक्स भाइयों को काफी कम हिस्सा इन कमेटियों में मिलता है। सभापति महोदय, जिस तरह से दिल्ली में

अलग से एस०जी०पी०सी० बनी हुई है उसी तरह से हरियाणा में भी अलग से एस०जी०पी०सी० बननी चाहिए। जैसा कि बताया गया है हमारे प्रदेश में एस०जी०पी०सी० के पास 500 करोड़ रुपये के करीब असैट्स हैं और 100 के करीब हिस्टोरिकल गुरूद्वारे हैं। जिनमें 52 गुरूद्वारे एस०जी०पी०सी० के अंडर हैं ओर 48 गुरूद्वारे एस०जी०पी०सी० के अंडर नही हैं। इनमें बहुत से गुरूद्वारे तं। ऐसे हैं जिनकी सालाना इन्कम लाखों रूपये में हे। सभापति महोदय, जब हमारे सिक्ख भाई पूरी तरह से एस०जी०पी०सी० में अपनी भागीदारी निभाते हैं तो उनका भी अधिकार है कि उनको पूरी तरह से सुविधाएं मिले। यदि मैं महिलाओं की बात करूं तो सिक्स धर्म मे वैसे भी कहा हुआ है 'सौ किऊ मंदा आखिये जित जम्मे राजान। उसमें वैसे ही महिलाओं को बहुत ज्यादा भागीदारी मिलती रही है। सभापति महोदय, एस०जी०पी०सी० एडमिनिस्ट्रेशन और वित्त आदि पर पूरे का पूरा कंट्रोल करती है। हम चाहते हैं कि जो पैसा है उसमें से कुछ पैसा हरियाणा के विकास के लिए भी यूटीलाईज हो क्योंकि एस०जी०पी०सी० का कंट्रोल कुछ राजनैतिक– पार्टियों या कुछ परिवारों तक ही सिमट कर रह गया है। हमारे हरियाणा के सिक्ख भाइयो को और पंजाबी भाइयों को उनका हक नहीं मिल रहा। सभापति महोदय, जितने भी हमारे हिस्टोरिकल गुरूद्वारे हरियाणा में हैं चाहे वह नाडा साहिब है, मंजी साहिब है, धमतान साहिब है, पंजोखरा साहिब है, कपालमोचन साहिब है, छैवीं पातशाही गुरुद्वारा कुरुक्षेत्र में है या दूसरे गुरूद्वारे हैं उनमें पूरी तरह से हमें अपना हक मिले और

अलग से हरियाणा प्रदेश की एस०जी०पी०सी० बने जो इन पर कंट्रोल रखे। सभापति महोदय, सामाजिक सैक्टर में काम करने वाले सभी हरियाणा के सिक्ख भाईयों की और पंजाबी भाइयों की भावनाओं को देखते हुए यह जरूरी है कि प्रदेश की अलग से एस०जी०पी०सी० बने जो अपने कार्य यहां पर करे, तो बहुत अच्छा होगा। चेयरमैन सर, मुझे अच्छी तरह से याद है कि मेरा जो कलायत हल्का है इसमें भी काफी सिक्स रहते हैं तां मैं इक गल कहणा चाहवाँगी कि जेड़े वी साडे पंजाबी भरा ते सिक्स भरा हैं उन्होने हरियाणा विच पूरी तरा नाल सानू स्पोर्ट कीता है तां मैं वी पे गल दि स्पोर्ट कर दी हां कि साडे हरियाणा दा जेड़ा घोषणा पत्र सी साडी पार्टी ने औदे विच केहा सी कि सिक्सां दी इक वखरी एस०जी०पी०सी० बनाण बारे असी कोई निर्णय करांगे। तां सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा जी दी अध्यक्षता विच सरकार ने एक कमेटी वी बनाई तां उदी रिपोर्ट भी पेश होती। मेरी तां इस सदन तों इक गुजारिश है कि आज अली सारे साडे जिन्ने वी सिक्स भरा हैं, जिन्ने भी पंजाबी ने उन्ना दे हकों वास्ते ते हरियाणा दे हक वास्ते ए जेड़ा असी नॉन ऑफिशियल रैजोज्यूशन लेकर आये हैं ओनू असी पास करिये ते अपने सारे भरावां दा मान–सम्मान बढाईये ऐदे नाल ही मैं तुहाडा धन्यवाद कर दी हां, धन्यवाद।

श्री नरेश मलिक (हसनगढ़): सभापति महोदय, भाई निर्मल सिंह जी जो प्रस्ताव लेकर आये हैं उसपर बोलने के लिए आपने मुझे समय दिया उसके लिए धन्यवाद। चेयरमैन सर, आज

जो यह प्रस्ताव आया वे यह हरियाणा वासियो के लिए है। मैं कहता हूं कि यह प्रस्ताव सिक्ख भाइयों व पंजाबी भाईयों के लिए ही नहीं बल्कि मैं कहता हूं किए 36 बिरादरी के लिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण है। जिस तरह अनेक सदस्यो ने बताया कि किस तरह से हमारे सिक्ख भाई या पंजाबी भाई जो इतनी श्रद्धा से गुरूद्वारों में पैसा एकत्रित करते हैं और उस पैसे को किस तरह से दूसरे लोग चाहे प्रकाश सिंह बादल या दूसरे लोग चाहे कोई भी हो, इसमें कहने में मुझे कोई हिचक नहीं है गलत इस्तेमाल करते हैं। चेयरमैन साहब, आज हरियाणा के विकास के योगदान के अन्दर चाहे वो एग्रीकल्चर हो, चाहे इण्डस्ट्रीज हो और दूसरे विकास के कार्य जिनके द्वारा हम हरियाणा को एक नम्बर का प्रदेश बनाने का सपना देख रहे हैं। उसमें मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि मेरे सिक्स भाई हैं, पंजाबी भाई हैं, उनका सबसे बड़ा अहम रोल, अहम हिस्सा हीगा। हरा कौन ने आज से नहीं आजादी से पहले भी हमारी हर कौम की जिस तरह से रक्षा की है इस देश को भाईचारे की ताकत दी है इसके लिए हम सब उनके ऋणी हैं। आज हम यह नहीं कहते कि हरियाणा की एस०जी०पी०सी० अलग बनाने से हमारा पंजाब से भाईचारा टूट जायेगा। पंजाब अगर बडे भाई की तरह हरियाणा के सिक्कों के साथ व्यवहार न करे और सौतेला व्यवहार करे तो यह ठीक नहीं है। पंजाब उनको हर तरह से सहयोग न करे तो इतने सालों से पंजाब का साथ हम कैसे दे रहे हैं। अभी मंत्री जी ने बताया कि हमारे यहां एस०जी०पी०सी० का कोई कॉलेज या कोई संस्था नहीं है। सबसे बड़े दुख की बात

यह हे कि आज पंजाब के तकरीबन हर गांव से हर परिवार से एक सदस्य अमेरिका, कनाडा या अन्य मुल्क में सैटल हैं। हरियाणा के सिक्स भाइयो को, पंजाबी भाइयों को इस प्रकार से सबसे कम मौका मिला है। श्री निर्मल सिंह जी ने इस सदन में बहुत ही अहम प्रस्ताव रखा है। मैं इस प्रस्ताव पर कुछ और भी सुझाव देना चाहूंगा। सभापति महोदय, आपके माध्यम से मैं इस सदन से भी एक प्रार्थना करना चाहूंगा। जैसे आपको सभी सदस्यों से यह अपेक्षा हे कि हम हाउस की कार्यवाही को अच्छे तरीके से चलने दें चेयर के प्रति हमारा पूरा मान–सम्मान हो लेकिन चेयरमैन सर, विधायको की रक्षा करना भी चेयर का फर्ज है।

श्री सभापतिः मलिक साहब, क्या इससे ज्यादा रक्षा भी हो सकती है। पार्टी का एक ही आदमी है और वही सदन में खडा होकर बोल रहा है इससे ज्यादा चेयर से और क्या अपेक्षा हो सकती है।

श्री नरेश मलिकः चेयरमैन सर, क्या एक आदमी को बोलने का राईट नहीं होता है 7

श्री सभापतिः इसी वजह से तो बुलवा रहे हैं। इस प्रकार की बात कहने की नहीं हे।

श्री नरेश मलिकः सभापति महोदय, मैं इससे पहले प्रस्ताव पास होने से बोलना चाहता था।

श्री सभापतिः मलिक साहब, अभी प्रस्ताव पास नहीं हुआ है अभी तो प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है।

श्री नरेश मलिकः सभापति महोदय, मैं इस प्रस्ताव की बात नहीं कर रहा हूं लेकिन उस वक्त मुझे बोलने का मौका नहीं मिला। ठीक है, कोई बात नहीं। सभापति महोदय, हम आपसे यह भी गुजारिश करते हैं कि चेयर भी हमारा ध्यान रखने की कृपा करे। जहां तक सिक्स गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी की बात है, (विघ्न) अभी बताया गया हे कि सौ करोड़ रुपये सालाना की इन्कम इन गुरूद्वारों में होती है। सिक्ख कौम एक ऐसी कौम है जो पत्थर से भी पानी निकाल सकती है। यदि इनके पास एक रूपया भी न हो तो भी ये अपनी मेहनत और लगन से अपना लक्ष्य हासिल करने में सक्षम है। इनका जो अधिकार है वह इनको मिलना चाहिए और यहां पर जो प्रस्ताव आया है सरकार और इस सदन के सभी माननीय सदस्य इस प्रस्ताव का समर्थन करें। में इस सदन से एक और अनुरोध करूंगा कि अगर इसके साथ साथ एस०जी०पी०सी० जिसको हम मान्यता देने जा रहे हैं उस को आर्थिक मदद भी देनी चाहिए। सभापति महोदय, वित्तमन्त्री महोदय, इस समय सदन में उपस्थित नहीं हैं। मैं यह निवेदन करता हूं कि हरियाणा की अलग से बनने वाली एस०जी०पी०सी० को आर्थिक मदद देने के लिए बजट में प्रावधान करना चाहिए चाहे पचास करोड़, सौ करोड़ रुपये या जितनी भी राशि मुनासिब समझें उसका प्रावधान बजट में

करना चाहिए। (विघन) मैं तो इस हक मे हूं कि आर्थिक मदद करने का प्रावधान भी इस प्रस्ताव में होना चाहिए। (विघ्न)

श्री सभापतिः मलिक साहब, आपका समय जितना बनता था उससे ज्यादा आप बोल चुके हैं इसलिए अब आप बैठें। आपने एक लाईन शुरू की थी वह छोड़ कर आप दूसरी, लाईन पर आ गए।

श्री नरेश मलिकः सभापति महोदय, मुझे समय ही कितना मिला है। मैं कोई गलत बात नहीं कह रहा हूं इसलिए मेरा निवेदन है कि मुझे थोड़ा समय और बोलने की इजाजत देने की कृपा करें। मैं यही उम्मीद कर रहा हूं कि सरकार आर्थिक मदद दे तो ज्यादा बेहतर होगा। मेरा यह सुझाव है और यह सुझाव गलत नहीं है। सभापति महोदय, मेरा तो एक निवेदन है कि माननीय मुख्य मन्त्री जी तथा वित्तमन्त्री जी इसमें यह भी संशोधन कर दें तो इस कॉम्युनिटी के लिए बहुत अच्छी बात है। सभापति महोदय, अगर हम पक्ष मे बोलें तो ठीक यदि हम विरोध में बोले तो हमें बैठने के लिए कह दिया जाता है। आपसे मेरा यह अनुरोध है कि मैं सरकार के खिलाफ नहीं बल्कि इस प्रस्ताव के पक्ष में बोल रहा हूं।

श्री सभापतिः अगर आप बोलना चाहते हैं तो थोड़ी देर और बोल लें और यदि मैटीरियल खत्म हो गया हो तो दूसरी बात है।

श्री नरेश मलिक: सभापति महोदय, मेरे पास बोलने के लिए तो इतना मैटीरियल है जिसका कोई हिसाब नहीं है ओर इस वक्त तो जो मुद्दा है वह सिक्स कॉम्मुनिटी का है और जो प्रस्ताव आया है मैं उसके पक्ष में बोल रहा हूं। माननीय वित्त मन्त्री जी भी हाउस से चले गए हैं। हमने सिक्स भाइयों के लिए डिलिमिटेशन कमीशन में कोशिश की कि विधानसभा चुनाव में कम से कम 4—5 सीट्स उनकी आ जाए तो बड़ी खुशी की बात होगी और हम इस बात का स्वागत करेगे। (विघ्न) चेयरमैन सर, कम से कम सरकार के किसी मन्त्री ने इस बात को तो स्वीकार किया है कि डिलिमिटेशन कमीशन में सरकार का अहम रोल रहा है। जबकि हमारे पार्लियामैंट्री अफेयर्स मन्त्री महोदय कुछ दिन पहले तक कहते थे कि डिलिमिटेशन कमीशन की सारी कार्यवाही चौटाला जी के निर्देश पर हुई है लेकिन आज सरकार की तरफ से इस बात को स्वीकार किया गया है।

परिवहन मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): चेयरमैन सर, ऑन ए डायट ऑफ आर्डर मैं यह कहना चाहूंगा कि माननीय साथी श्री निर्मल सिंह जी जिस विषय को हाउस के सामने लेकर आए हैं वह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है और उस पर चर्चा चल रही है। अगर इस प्रकार से हम बबलिंग करेंगे तो फिर गाड़ीका एकाडंट हो जाएगा। मलिक साहब से कहें कि वे गाड़ी सड़क के ऊपर चलाएं बबलिग न करें नहीं तो एक्सीडेंट हो जाएगा। (विघ्न)

श्री नरेश मलिकः चेयरमैन महोदय, जो आदरणीय वित्तमंत्री जी ने बोला था मैं उस बारे में ही बोल रहा हूं।

श्री सभापतिः एस०जी०पी०सी० का विषय है अन्प उस पर ही बोले। आप लाईन से हट रहे हैं।

श्री नरेश मलिकः चेयरपर्सन सर, मंत्री जी की तरफ से या सत्ता पक्ष के मेम्बर्ज की तरफ से एस०जी०पी०सी० के मुद्दे से हटकर बात कही जाए तो ठीक है। अगर हम कुछ कहें तो हमारा टाईम खत्म हो जाता है' और हमारे बोलने से सत्ता पक्ष को मुश्किल हो जाती हे।

श्री सभापति आप एस०जी०पाइ०सी० के बारे में बात करें। लाईन से न हटें।

श्री नरेश मलिकः चेयरमैन सर, आप कहते हैं कि आप विपक्ष को बोलने का पूरा समय देते हैं।

चेयरपर्सनः आप मुद्दे पर बोलें।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः चेयरमैन सर, डि–लिमिटेशन कमीशन है वह ज्यूडिशियल प्रक्रिया है इसका एस०जी०पी०सी० से क्या सम्बन्ध है। ये सदन में इधर–उधर की बात करके सदन का समय बर्बाद कर रहे हैं।

श्री नरेश मलिकः चेयरपर्सन सर, जब वित्तमंत्री जी बोलें तो ठीक है, अगर मैं वही बात कह रहा हूं तो उसमें क्या गलत

है। सुरजेवाला जी, वित्तमंत्री जी ने जब यह बात कहीं थी तब आप सदन में नहीं थे।

श्री सभापतिः आप जो बात कह रहे हैं वह न किसी मंत्री ने कही है और न ही किसी आदमी के हाथ की बात हे।

श्री नरेश मलिकः मेरा कहना यह है कि इस प्रस्ताव में सरकार गुरूद्वारों को फाईनेंशिएल मदद करने के बारे में भी बजट में प्रावधान करे। धन्यवाद।

संसदीय सचिव (श्री दिलू राम): चेयरमैन सर, श्री निर्मल सिंह जी ने जो प्रस्ताव सदन में एस०जी०पी०सी० से सम्बन्धित रखा है। मैं उसके लिए उनको बधाई देता हूं और उसका समर्थन करता हूं। चेयरमैन सर, मेरे हल्के में 50—60 हजार सिक्स भाई रहते हैं। इलेक्शन से पहले और इलैक्शन के दौरान हमारा उनसे वायदा था कि अगर हमारी सरकार सत्ता में आएगी तो हम एस०जी०पी०सी० के बारे में सदन में रेजोल्यूशन लेकर आएंगे जोकि हमारी सरकार अपने वायदे के अनुसार लेकर भी आई है। हमारे सिक्ख भाई मुझे इस बारे मे मिलते रहे हैं और मैं उनका विश्वास दिलाता रहा हूं कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने जो आपसे वायदा किया है वह जरूर पूरा होगा। उसी वायदे के अनुसार आज सदन में श्री निर्मल सिंह जी यह प्रस्ताव —लेकर आए हैं। आज तक सिक्स भाइयों के साथ ज्यादती होती आई हे और जब भी ये एस०जी०पी०सी० की मीटिंग में जाते थे तो एस०जी०पी०सी० के

पंजाब के सदस्यों को तो ए०सी० कमरे रहने के लिए दिए जाते थे और हमारे हरियाणा के सिक्ख भाइयो को नॉन–ए०सी० कमरे में ठहराया जाता था। पंजाब की एस०जी०पी०सी० ने सिक्स धर्म को अखाड़ा बना रखा है। हमारे हरियाणा के एस०जी०पी०सी० के सदस्यों ने हरियाणा सरकार पर जो विश्वारा जताया है। मेरा आपके माध्यम से कहना है कि उनको उनका हक मिलना चाहिए क्योंकि जुर्म सहने वाला भी उतना ही दोषी है जितना जुर्म करने वाला दोषी होता है। हमारे हरियाणा के सिक्स भाई 41 सालों से एस०जी०पी०सी० के सदस्यों का जुर्म सहते आ रहे हैं। पंजाब की एस०जी०पी०सी० ने कुछ भी फैसला इम्पलीमैंट करवाना होता है तो वे सीधे ही फतवा दे देते हैं। रेजोल्युशन अपने आप करते थे और मोहर अकाल तख्त की लगवा देते थे। मैं अपने हल्के से 6 इलैक्शन लड़ चुका हूं इसलिए मुझे पता है कि जितने भी मेरे सिक्स भाई थे वह उस फतवे को मानते थे। लेकिन जब उन पर ज्यादतियां हुई तो उन लोगों ने यह महसूस किया कि अब वाकई हमारे ऊपर ज्यादतियां हो रही हें और हमें हमारा हक भी नहीं मिल रहा है इसलिए ही चेयरमैन सर, अलग एस०जी०पी०सी० बनाने की मांग उठी है। चेयरमैन सर, मेरे हल्के मे 5– 6 गुरूद्वारे हैं और उनकी आमदनी भी बहुत ज्यादा है। किसी गुरूद्वारे के पास 200 किल्ले जमीन है, किसी के पास 250 किल्ले जमीन है तो किसी के पास 300 किल्ले जमीन है लेकिन. वहां उनके सेवक दस रुपये भी नहीं छोड़ते हैं सारा हिसाब करके हर महीने सारी आमदनी लेकर चले जाते हैं। इसलिए आज जो यह रेजोल्युशन

लाया गया है। मैं इसका समर्थन करता हूं ताकि हमारे सारे सरदार भाइयों को उनका हक मिले। चेयरमैन सर, मैं इन्ही शब्दों के साथ आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे इस रेजोल्युशन पर बोलने का मौका दिया।

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी): धन्यवाद चेयरमैन सर, आपने एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर मुझे अपने विचार प्रकट करने का मौका दिया है। मैं भाई निर्मल सिंह जी का आभार व्यक्त करना चाहती दूं कि वे समय की आवश्यकता को समझते हुए यह रैजोल्युशन लेकर आए हैं हमारे यहां के जो गुरूओं को मानने वाले भाई है उनकी भावनाओं को देखते हुए आज नॉन ओफिशिएल प्रस्ताव लाया गया है। मेरे से पूर्व के वक्ताओं ने विशेष तौर पर पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर साहब ने और ऐग्रीकल्चरल मिनिस्टर साहब ने बहुत अच्छी जानकारी इस बारे में दी हे। इस जानकारी से साफ जाहिर है कि लोगों के साथ बिलकुल ही पक्षपात हो रहा है और उनको कोई भी अधिकार नहीं दिया जा रहा है केवल उनसे काम ही लिया जा रहा है। चेयरमैन सर, आज हर एक नागरिक अपने अधिकारों के लिए जागरुक है। जहां तक सिक्ख धर्म की बात है वह केवल एक प्रान्त का नही है। अगर सच में देखा जाए तो यह पूरे हिन्दुस्तान की बात है गुरू तेग बहादुर का ला बलिदान हुआ है वह सोचकर देखें कि क्यों हुआ हे। जब कश्मीर के पंडित उनके पास गए थे और उनसे मुस्लिम शासक द्वारा उन पर किए जा रहे अत्याचारों से बचाने के

लिए कहा था तो उस समय गुरू गोबिन्द सिंह जी की उस बहुत कम थी। उस वक्त उनके पिता जी ने कहा था कि अब ऐसा समय आ गया है कि किसी न किसी महापुरूष को अपना बलिदान देना पड़ेगा। इस पर गुरू गोबिन्द सिंह जी ने कहा कि आपसे महान और कौन होगा इसलिए आपको ही बलिदान देना चाहिए। चेयरमैन सर, दिल्ली जाने के लिए वे जहां जहां से निकलते हुए गए वहां वहां पर उनकी स्मृति में बहुत से गुरूद्वारे बने हुए हैं। हमारा जिला भी इससे अछूता नहीं है हमारे जिले में भी चेयरमैन साहब आपके हल्के मे लाखन माजरा में एक गुरूद्वारा पड़ता है, यह गुरूद्वारा बहुत ही प्रसिद्ध हे। आज भी वहां पर उनको याद किया जाता है। गुरू तेग बहादुर जब दिल्ली गये थे तो वे वहां पर रूके थे। चेयरमैन सर, मेरा हल्का तो ऐसा है जहां पर पाकिस्तान से 14 गद्दियां लायी गयी थीं ये जैसी वहां पर थी वैसी ही उसी रूप में आज भी हल्के के गुरूद्वारों में और मन्दिरों में बनी हुई हैं और आज भी रागी बड़े फख्र से गाते हैं कि श्री तेग बहादुर हिन्द की चादर। जो लोग इनको केवल पंजाब की चादर बनाना चाहते हैं वह ऐसा करके उनका मान सम्मान बढ़ाना नहीं बल्कि घटाना चाहते है। जब हरियाणा के सिक्सों की इस तरह की आवाज आयी है कि हरियाणा के सिक्स अपनी अलग एस०जी०पो०सी० बनाना चाहते हैं तो उनकी सहर्ष इस बात को मान लेना चाहिए था क्योंकि धर्म कोई दबाव का विषय नहीं है बल्कि यह तो बिलकुल सबकी अंतर प्रेरणा की बात है। जो दिल से मानते हैं उनको वहां से कोई हटा नहीं सकता है। जिस तरह से हमारे गुरूद्वारों की

आर्थिक पोजीशन बतायी गयी हे उसको अगर हम देखें तो यहां पर भी अलग एस०जी०पी०सी० बनायी ही जानी चाहिए। हमें पूरा विश्वास है कि जब ऐसा हो जाएगा तो हमारे जो दसवे गुरू गोबिन्द सिंह जी का फरमान है कि शुभ कर्मण से कबहुं न डरूं देह शिवा वर मोहे इह। क्त कार्यो के लिए हमारी जो भी वृद्धा की, आस्था की आमदनी है वह प्रदेश के उत्थान के लिए खर्च होगी और इससे भाईचारा बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। मेरे जो भाई इसको एक ही तरफ ले जाना चाहते हैं, चन्द लोगों के बीच में ही इसको सीमित करना चाहते हैं। वे नहीं जानते कि गुरू गोबिन्द सिंह तथा हमारे सब गुरूओं के सन्देश गुरु ग्रन्थ साहब में लिखे हुए हैं। उसमें कौन सा महान संत हैं जिसकी वाणी उसमें नहीं है। कबीर दास जी की, रविदास जी की, बाबा फरीद जी की और बुल्ले शाह की भी वाणी उसमें है। सभी धर्मो के मालिकों ने जो संदेश दिया वही संदेश सिक्ख गुरूओं ने दिया। इसमे इतनी उदारता चाहिए कि संकुचित मन और संकीर्णता का इसमें कोई प्रश्न ही पैदा नहीं होता। कहने के लिए तो बहुत कुछ कहा जा सकता है। सोनीपत के पास बडखालसा के नाम से गुरुद्वारा है उसका यह नाम क्यों रखा गया है क्योंकि वहां पर ऐसे बहुत सारे लोग थे जो अपना सर कटाने के लिए तैयार थे। यही बात नहीं गुरुद्वारा सीस गंज गुरु साहब के सीस लेने वाले की याद में आज तक कहा जाता है कि रंग पेटे गुरु के बेटे। यह और जातियों मे भी नयी चीज नही है। गुरुओं का संदेश पूरी मानवता के कल्याण के लिए है। जो भी धर्म को मानने वाला है उसका फर्ज बनता है

वह समूची मानवता के लिए ऊंचे से ऊंचा कार्य करे, तभी हम उनके अनुयायी कहलाने का अधिकार रखते हैं। इसके लिए में फिर से निर्मल सिंह जी को बधाई देती हूं और यह प्रार्थना भी करती हूं कि इस बात की आज बहुत जरूरत है। हरियाणा के लिए अलग से शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बननी चाहिए ताकि हमारे सिक्स भाई भी अपनी आजादी से निर्णय ले सकें और अपने पास जो पर्याप्त साधन हैं उनका इस्तेमाल अपने बच्चों की पढाई के लिए, गरीब लोगों की मदद के लिए कर सकें साथ ही गुरुओ का संदेश घर–घर तक पहुंचे और उनका सम्मान हरेक के दिल में बद। मैं ज्यादा समय न लेते हुए चेयरमैन साहब का धन्यवाद करती हूं और यह प्रार्थना भी करती हूं कि बड़ी खुशी के साथ बहुत जल्दी इस प्रस्ताव को पास कर दिया जाए।

शिक्षा मंत्री (श्री फूल चंद मुलाना): चेयरमैन साहब, त्वाडा बोहत–बोहत धन्यवाद। चेयरमैन साहब, निर्मल सिंह जी बहुत ही महत्वपूर्ण रेजोलूयूशन सदन के सामने लाए हैं चट्ठा साहब ने तो कुछ नहीं कहा। उन्होंने सिर्फ एक रूपरेखा सदन के सामने रखी। रणदीप सिंह सुरजेवाला पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर हैं उन्होंने सभी तथ्यों से सदन को अवगत करवाया। कानूनी पहलू भी सदन के नोटिस में लाए। इस महत्वपूर्ण विषय पर खेद का विषय यह है कि जिन लोगों का हरियाणा प्रदेश के हितों से कोई सरोकार नहीं है वे आज सीटों पर नहीं है, उनेकी सीटें खाली पड़ी हैं। चेयरमैन महोदय, जब जात–पात का जहर

फैलाना हो या जाति पाति के आधार पर वोट प्राप्त करने हो तब वे लोग हमेशा आगे रहते हैं। आज उनकी गैर—हाजिरी हमको और सारे सदन को अखर रही है। चेयरमैन साहब, शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी केवल मात्र केशधारी सिक्खो के लिए नहीं है। सिक्स वह है जो गुरु की शिक्षा को माने। सिक्स भी दो प्रकार के हैं। एक सहजधारी और एक केशधारी। हमारे यहां पर दोनों तरह के हैं। आप देहात में देखते हैं हमारे बहुत सारे सहजधारी सिक्स जब कोई भी फंक्शन अपने धरो में करवाते हैं तो गुरू ग्रन्थ साहब का प्रकाश करवाते हैं। हरियाणा मे बहुत सारे सिक्ख हैं। हम भी गुरू की शिक्षा को मानते हैं हम भी सभी सिक्स हैं। भाई निर्मल सिंह जो प्रस्ताव इस सदन में लेकर आये हैं यह हमारी भावनाओं का प्रतीक है। चट्ठा साहब ने बताया कि हरियाणा में 100 गुरुद्वारे हैं जिनमें से 52 गुरुद्वारे तो एस०जी०पी०सी० के तहत हैं और मैट गुरूद्वारे ऐसे हँ जो उन्होंने अपने चहेतों को सौंप रखे हैं कि कमाओ खाओ और मौज करो। गुरूवाणी तो यह कहती हे कि ‘कीरत करो, नाम जपो और वंण्ड छक्को।‘‘ हरियाणा के गुरूद्वारों से 100 करोड़ रुपये की आमदनी होती है लेकिन उसमें से एक भी पैसा हरियाणा मे नहीं लगता। अभी रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने बताया कि पंजाब में कितने ही मैडीकल कालेज, कितने ही दूसरे कालेजिज हैं, कितने ही स्कूल बनाये हैं लेकिन अम्बाला में एक खालसा स्कूल था उसको भी सरकार टेक ओवर करने जा रही है। क्योकि उस स्कूल को बन्द कर दिया गया था 1 हमारे सिक्स भाइयों को भरमाया गया कि शाहबाद में एक मीरीपीरी नामक

मैडीकल कालेज बनाया जा रहा है लेकिन जिस संस्था के नाम से वह कालेज बनाया जा रहा है उस संस्था को आज तक एन०ओ०सी० इश्यू नहीं हुआ है। कैसे कह सकते हैं कि जो एस०जी०पी०सी० बादल साहब के कब्जे में है वह हरियाणा के सिक्सों के हितों का ध्यान रखेगी। अभी जो एस०जी०पी०सी० का चुनाव हुआ उसमें हरियाणा के सिक्सों ने अपनी आस्था व्यक्त की और कहा कि हम अपने हरियाणा के सिक्सों को एस०जी०पी०सी० का मेम्बर बनायेगे उसमें 11 से सात मैम्बर हरियाणा के चुने गये जिनकी आस्था बादल धुए में नही थी क्योंकि सभी दुखी थे। हरियाणा में बहुत से गुरूओं का आगमन हुआ है। गुरू गोबिन्द सिंह, गुरू हरकिशन और गुरू तेग बहादुर तो जीवित भी हरियाणा से गए और जब उनका मृत शीश लाया गया तो वह भी हरियाणा की भूमि में लाया गया था। हरियाणा भी गुरूओं की भूमि है। हम सभी भी गुरू के सिक्स हैं। सिक्ख वह है जो गुरू की शिक्षा को माने। चाहे वह केशधारी है और चाहे सहजधारी है। हमारे हरियाणा के सिक्सों की भावनाओ के साथ लोकदल के साथियों ने खिलवाड़ किया है। आज भी आपने देखा होगा कि जब यह रेजोल्युशन आया वे इतने तेजी से सदन से भाग गये कि कभी स्पीकर साहब, उनको इस रेजोलुशन पर बोलने के लिए उनका नाम न ले लें। एक के बाद एक लाईन लगा दी। उनको पता था कि यह रेजोलुशन आयेगा। बादल साहब के पास .यह खबर जायेगी कि लोकदल के सदस्य हाउस में बैठे थे तो वे बुरा न मान जाएं इसलिए हाउस से चले गए। सभापति महोदय, जैसा कि मैंने

कहा गुरू गोबिन्द सिंह जी का नैनीहाल भी चौधरी निर्मल सिंह जी के हलके में हैं। उस गांव का नाम है, लखनौर साहिब वहा पर आज भी वह गुरूद्वारा बना हुआ है। और जिस गेंद से गुरू गोबिन्द सिंह जी बचपन में खेला करते थे वह आज भी वहां रखी हुई है, छोटे छोटे तीर भी रखे हुए हैं और जिन खिलौनों से वे खेला करते थे वं भी आज वहां पर रखे हुए हैं। उनकी मां हरियाणा की थी। उसके बाद जब मुगल हिमाचल के राजाओं से मिलकर गुरू गोबिन्द सिंह जी से लड़ाई लड़ रहे थे। उस समय गुरू गोबिन्द सिंह जी को जब आनन्दपुर साहिब से निकलना पड़ा तो उन्होंने पौन्दा साहिब में अपना स्थान निश्चित किया लेकिन वहां भी मुगलों ने हिमाचल के राजाओं से उन पर अटैक करवा दिया। तब जमना पर एक तरफ हिमाचल के राजाओं की फौज थी और दूसरी तरफ गुरू गोबिन्द सिंह जी की फौज थी, सढौरा के पीर बुधुशाह के बेटों ने गुरू गोबिन्द सिंह जी का साथ दिया और उनके दो बेटे शहीद हुए। जब भगाणी की लड़ाई हो रही थी उस समय गुरू नानक देव जी का जन्म दिन आ गया और भगाणी की लड़ाई के कारण गुरू गोबिन्द सिंह जी गुरू नानक देव जी का जन्म दिन नहीं मना सके। लेकिन लड़ाई जीतने के बाद कपालमोचन के स्थान पर गुरू गोबिन्द सिंह जी आये और 52 दिन तक वहां वास किया। उस समय कपालमोचन में गुरू नानक देव जी का जन्म दिन उन्होंने मनाया। यही कारण है कि आज के दिन भी उसी तारीख को गुरू नानक देव जी का जन्म दिन मनाया जाता है। सभापति महोदय, नाडा साहिब में गुरु गोबिन्द सिंह जी

रहे। अभी चड्डा साहब बता रहे थे कि नाडा साहिब में एक रविवार के दिन की इन्कम 50 लाख रुपये है लेकिन उसमे से कितना पैसा हमारे यहां लग रहा है यह सबको मालूम है। सारा पैसा पंजाब मैं लग रहा है और हरियाणा प्रदेश के सिक्स भाइयों के साथ भेदभाव हो रहा है। सभापति महोदय, हरियाणा प्रदेश में जो भी गुरु) ग्रंथ को या गुरूओं को मानने वाले लोग हैं उनके साथ मेद–भाव हो रहा है और हद देखिये वे लोग अपनी स्टेट को राईपेरियन स्टेट कहते हैं क्योंकि उनका मानना है कि पानी उनके यहां से गुजरता है। अरे तो भाई जी०टी० रोड़ हमारी स्टेट से जाती है। यदि पानी उनकी स्टेट में से जाता है तो क्या उस पर उनका अधिकार हो गया इस हिसाब से तो पानी पर उनका अधिकार है जहां से पानी निकलता है। वह तो मेरे ख्याल से पहले चीन से आयेगा और चीन के बाद फिर हिमाचल प्रदेश में आयेगा तो फिर पंजाब में आयेगा इस प्रकार से रायपेरियन का हक तो पानी पर चीन का होना चाहिए। सभापति महोदय, इस प्रकार की बेतूकी बातें करने वाले कहें कि हम धर्म के ठेकेदार हैं तो अच्छी बात नहीं लगती है। धर्म को मानने वाले तो पूरे देश में और सभी प्रांतों में हैं। हरियाणा में भी हैं ओर पंजाब में भी हैं लेकिन एक व्यक्ति किसी विशेष धर्म का ठेका ले ले यह अनुचित बात है। यह कोई उचित बात नहीं है कि सिक्स धर्म को मानने वाले हमारे लोगों को उनके अधिकारों से वंचित रखा जाये। सभापति महोदय, हमारा भी हक है, जब हम 100 करोड़ रुपये की सालाना आमदन दे रहे हैं तो उसमें से 90–95 करोड़ रुपये हमारे यहां खर्च होना चाहिए। अगर पांच–दस

करोड़ रुपये वे अपने खर्च के लिए ले जाये तो कोई बात नहीं। यह समय की मांग है कि हमारे प्रांत की जो इन्क्रम है वह हमारे प्रांत मे ही लगनी चाहिए। सभापति महोदय, मै मुख्यमंत्री महोदय को बधाई देता हूं कि उन्होंने भी अपने आपको इस भावना से जोड़ा है। निर्मल सिंह जी जो यह प्रस्ताव लेकर आये हैं इस पर सभी साथियो ने अपने सकारात्मक विचार रखे हैं और दूसरे सदस्य भी रखेगे। रणदीप सिंह सुरजेवाला जी जो हमारे पार्लियामैंट अफेयर्ज मिनिस्टर हैं बीरेन्द्र सिंह जी और चट्ठा साहब ने सारे तथ्यों से पूरे सदन को अवगत करवाया है। इन तथ्यो को देखकर लगता है कि हमारे साथ तो धोखा ही होता रहा है। इसलिए मैं भी सभी साथियों की भावनाओं से अपने आपको जोड़ते हुए यही कह सकता हूं कि हम सच्चाई के साथ चलेंगे। जैसा कि गुरू गोबिन्द सिंह जी ने भी कहा था कि–

देह शिवा वर मोहे ईहे, शुभ कर्मण ते कब हू न डरूं,
न डरूं अरसों जब ही जब रण मे जूझ मरूं,
निश्चय कर अपनी जीत करूं।

सभापति महोदय, मुझे पूरा विश्वास है कि सदन की भावना को मानते हुए जब आप यह प्रस्ताव पास करेंगे तो केन्द्र–सरकार भी उससे प्रभावित होकर इस प्रस्ताव को पास करेगी तथा हरियाणा प्रदेश की अलग से एस०जी०पी०सी० बनेगी। धन्यवाद।

Shrl Parmvir Slngh (Tohana): Chairman Sir, formation of separate SGPC, will be a very big step towards the welfare of the Sikh Community in Haryana so that the money donated religiously by them in the Gurudwaras can be spent on them. SGPC in Punjab is exploiting the resources of Haryana Gurdwaras.There is no doubt about it that SGPC of Punjab is in the clutches of Mr. Parkash Singh Badal. Most of the Sikhs in Haryana are doing agriculture and they are dependent on agriculture and he talks of stopping the flowing of water to Haryana. What he is thinking of the Sikhs in Haryana who are mostly dependent on agriculture . How can he be the sincere to the Sikhs in Haryana. He is not sincere towards the Sikhs in Haryana who are entirely dependent on Agriculture. It is a big doubt and I, therefore, strongly support the resolution moved by Shri Nirmal Singh for the formation of separate SGPC for Haryana. It will go a long way towards the welfare of the Sikh Community in Haryana and I again strongly support the resolution moved by Shri Nirmal Singh.

श्री जयसिंह राणा (नीलोखेडी): सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए धन्यवाद। आज जो यह गैर सरकारी प्रस्ताव भाई निर्मल सिंह जी सदन में लेकर आये हैं कि शिरोमणी गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी हरियाणा की पंजाब से अलग है। यह एक बड़ा महत्वपूर्ण प्रस्ताव है। इस देश के इतिहास में सिक्स धर्म का बहुत बड़ा योगदान है। सिक्ख धर्म की स्थापना वैसे ही नही की गई थी गुरू गोविन्द सिंह जी ने हिन्दु धर्म की रक्षा के लिए सिक्ख धर्म की स्थापना की, एक फौज को खड़ा किया जो कि हिन्दुओं की रक्षा कर सके। आज उस धर्म के माध्यम

से राजनैतिक दल राजनीति करे यह बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है शिरोमणी गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी जो सांझी है दोनों प्रदेशो की और वो 100 करोड़ रुपये इकट्ठे करके हरियाणा प्रदेश से ले जाये और जिसका एक परसेट भी हरियाणा प्रदेश में न लगे। (इस समय अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, मेरे से पूर्व बोलते हुए साथियों ने कहा कि हरियाणा के सिक्सों और पंजाबियों के साथ बड़ा भारी अन्याय है। मैं तो यह सकता हूँ कि पूरे, प्रदेश के सभी लोगों के साथ अन्याय है क्योंकि जब हरियाणा प्रदेश की अलग एस०जी०पी०सी० बनेगी और यह पैसा जो यही हरियाणा प्रदेश मे लगेगा जो भी संस्थाएं यहाँ पर बनेगी चाहे वो शिक्षा के लिए हो, चाहे कोई हॉस्पीटल हो उसमें हिन्दू ओर सिक्सों का कोई सवाल नहीं सभी धर्म के भाईयों को उसका लाभ मिलेगा। मेरे अपने चुनाव क्षेत्र मे एक बहुत बड़ा ऐतिहासिक गुरूद्वारा शीशगंज गुरूद्वारा तरावड़ी में है जिसका इतिहास है कि जब गुरू तेग बहादुर हिन्दुओ और हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए जब वे दिल्ली गये तो उनकी वहीं पर हत्या कर दी गई। उनके शीश को लेकर गुरुको के सिक्स जब दिल्ली से वापिस आये तो एक रात वे तरावडी में भी ठहरे थे इसलिए उनके नाम पर वहीं पर एक ऐतिहासिक गुरूद्वारा शीश गंज है। वहीं पर बहुत आमदनी है, प्रोपर्टी है और जमीन भी है हमारे यहां पर नए गुरुद्वारों का अपना निर्माण होने जा रहा है। वह प्रबन्ध शिरोमणी गुरूद्वारा प्रबन्ध कमेटी नहीं कर रही है, उस काम को समाज सेवी सन्त कर रहे हैं। इसके निर्माण में एस०जी०पी०सी० का कोई योगदान नहीं है।

स्पीकर सर, मैं ज्यादा कुछ न कहते हुए मुख्य मन्त्री जी से एक निवेदन करना चाहूंगा राजनीतिक पार्टियों ने हमेशा इसका फायदा उठाया है लेकिन वे लोग इस वक्त हाउस से चले गए हैं। हरियाणा में राजनीतिक तौर पर वहां से एक हुक्म नामा जारी होता रहा है कि सारे के सारे सिक्ख ओम प्रकाश चौटाला जी की पार्टी को वोट डालें। उन, 2000 के चुनाव से पहले जब जोड–तोड़ की राजनीति से श्री ओम प्रकाश चौटाला जी इस प्रदेश के मुख्य मन्त्री बन चुके थे उस वक्त उन्होंने एक घोषणा की थी कि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी का नाम गुरू गोबिन्द सिंह यूनिवर्सिटी रखेंगे और जब वे पूरे समुदाय और पूरे धर्म के लोगों की वोट समेट कर सत्ता में आ गए तो उसके बाद अपने उस आश्वासन का कोई जिक्र तक नहीं किया। स्पीकर सर, उन लोगों का हमेशा यह काम रहा है। स्पीकर सर, मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी से अनुरोध करूंगा कि बिना किसी देरी के इस कार्य को करें। शुभ कार्य में किसी प्रकार की कोई देरी नहीं होनी चाहिए। सरकार ने जो कमेटी चट्ठा साहब की अध्यक्षता में गठित की थी। जहां तक मुझे जानकारी है इस कमेटी की रिपोर्ट पूरी तरह से तैयार हो गई है। इसलिए उस रिपोर्ट को सदन में ला–कर एक बिल इसी सदन में लाएं जिससे हरियाणा की यह एस०सी०पी०सी० अलग हो क्योंकि यहां के सिक्सों की भावनाओं का भी सवाल है। पीछे जब शिरोमणी गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी के चुनाव हुए उन चुनावों में 70 से 75 प्रतिशत सिक्सों ने इस नई कमेटी के गठन के लिए वोट डाले थे। मेरे ख्याल में कोई एक–दो सदस्य तो हरियाणा से जीत गया

लेकिन यहां के सिक्खो ने पंजाब की एस०जी०पी०सी० को वोट डाले हैं। स्पीकर सर, इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं और मुख्य मन्त्री जी से अनुरोध करता हूं कि इस पर जल्दी से जल्दी कार्यवाही करने की कृपा करें।

श्री राम कुमार गौतम (नारनौंद): स्पीकर सर, भाई निर्मल सिंह जी का हरियाणा के लिए अलग शिरोमणी गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी के गठन का जो रैजोल्युशन यहां पर प्रस्तुत किया गया है मैं उसका समर्थन करता हूं। मैं तो यह भी चाहता हूं कि हर स्टेट में शिरोमणी गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी अलग से बने और सिक्स गुरूओं की जो कुर्बानियां थी वे साधारण कुर्बानियां नहीं थी। उनकी कुर्बानियो को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। जब तक यह इतिहास रहेगा जब तक यह कौम जिन्दा रहेगी तब तक उनका बलिदान और कुर्बानियों को भुलाया नहीं जा सकता। गुरू तेग बहादुर जी का शीश कटवाना हमारे हिन्दु धर्म के लिए गौरव की बात है और गुल गोबिन्द सिंह जी ने हिन्दु धर्म की रक्षा के लिए अपने बच्चे दीवारों मे चुनवा दिये। वे केवल सिक्सों के ही गुरु। नहीं है बल्कि वे 90 करोड़ हिन्दुओं के भी गुरू हें। हर स्टेट में गुरूद्वारों का प्रबन्ध अलग होना चाहिए। यह जो सिक्स कौम है यह वाकई ही एक बहुत मजबूत कौम है। स्पीकर सर, मैं चार साल तक चण्डीगढ़ में पढ़ा हूं और पंजाब यूनिवर्सिटी के बारे में मेरा तजुर्बा है कि सिक्स भाईयों के दिल बहुत बड़े हैं। पंजाब के सिक्स भाईयों के दिल भी बहुत बड़े हैं। पंजाब के जो सिक्स

हें उनका दिल और पंजाब का जो आम आदमी हे उसका भी दिल मैं समझता हूं कि बहुत बड़ा दिल है। स्पीकर सर, जहां तक हिन्दु और सिक्ख धर्म का सवाल है, मैं इनको अलग नही समझता सिक्स और हिन्दु एक हो धर्म के दो भाई हैं एक बड़ा भाई है और एक छोटा भाई हे। इन दोनों का खून का रिश्ता है इसको कभी भी अलग नहीं किया जा सकता है। सिक्ख इतनी संघर्षशील और मेहनती कौम है जिसने सारी दुनियां मे पहुंच कर अपनी कामयाबी को सिद्ध किया है। एक एक आदमी जा कर एक एक फार्म हाउस बनाता है। देश और दुनियां के विकास में सिक्ख कौम का बहुत बड़ा योगदान है। शहीद–ए–आजम भगत सिंह की कुर्बानी को पूरा हिन्दुस्तान कभी भूल नहीं सकता उन्होंने अपनी जान देश और कौम पर कुर्बान कर दी। पंजाब हमारा बडा भाई है और हम छोटे भाई हैं। लेकिन जब मामला पानी का आता हे तो वे सौतेली मां बनकर खड़े हो जाते हैं। मेरी पंजाब के सिक्ख भाईयों से प्रार्थना है कि उनको इस तरह से नहीं करना चाहिए। उनको कम से कम हमारे हिस्से का जो पानी है वह जरूर देना चाहिए। इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय, यह जो प्रस्ताव निर्मल सिंह जी लेकर आए हैं मैं उसका समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

श्री एस०एस० सुरजेवाला (कैथल): स्पीकर सर, आपने मुझे इस प्रस्ताव पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। स्पीकर सर, पंजाब में जो शिरोमणी अकाली दल पार्टी है जिसका एस०जी०पी०सी० पर कब्जा है, वै नए

किस्म के महंत हैं। स्पीकर सर, जिन महंतों से गुरूद्वारों को छुड़वाने के लिए 21 वीं सदी में हमारे गुरू गोबिन्द सिंह जी ने और सिक्स भाईयों ने कुर्बानियां दी थी कि वे महंत गुरूद्वारों में लूट खसोट न कर सके। वह जो मूवमैंट चली थी वह एक किस्म से आजादी की लड़ाई जैसी ही थी। मैं उस मूवमैंट के साथ एक परिवार को और जोड़ता हूं वह था पण्डित जवाहरलाल जी का परिवार क्योंकि उन्होंने देश की आजादी मे बहुत बड़ा योगदान दिया था। स्पीकर सर, पहले जो महंत थे वे गुरूद्वारों में बहुत ही गलत काम किया करते थे और उनसे उनका कब्जा हटाने के लिए हमारे सिक्ख भाईयों ने बहुत कुर्बानियां दी थी। स्पीकर सर, आज की जो पंजाब की एस०जी०पी०सी० है वह माडर्न महंत हैं और इन नए महतो से गुरूद्वारों के कब्जों को छुड़वाना बहुत ही जरूरी है। स्पीकर सर, हरियाणा की जो शिरोमणी गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी से जुड़े हुए सदस्य हैं वे आज सदन की दर्शकदीर्घा में बैठे हुए हैं। वे भी उतने ही बहादुर हैं जितने पहले वाले सिक्ख भाई थे। जिन्होंने पहले वाले महन्तों से गुरूद्वारों को छुड़वाने के लिए लड़ाई लड़ी थी। मैं इन सब भाईयों का धन्यवाद करता हूं कि जो इन्होंने यह कदम उठाया हे। अध्यक्ष महोदय, एक्चुअली इनकी हरियाणा की जो इनैलो की पार्टी है उनको अपनी पार्टी का नाम बदल कर हरियाणा अकाली दल रख लेना चाहिए। इनकी पार्टी पंजाब के अकाली दल की छोटी ब्रांच है। ये तो कुछ करते नहीं हैं जो कुछ भी करते हैं वह सब कुछ तो वे ही करते हैं। अकाली पंजाब में कहते हैं कि हम हरियाणा को एक बूंद पानी नहीं देगे

तब ये उस विषय में कुछ नहीं कहते हैं। आज भी सदन में इतना बढ़िया प्रस्ताव आया है तो वे सदन से बाहर चले गए हैं। यह बहुत ही शर्म की बात है। स्पीकर सर, मेरे से पहले बोलते हुए वक्ताओं ने बहुत ही अच्छी–अच्छी बाते कहीं है और मेरे कहने के लायक कुछ भी नहीं रहा है। इसके बावजूद मैं यह कहना चाहूंगा कि गुरूद्वारा पूजा और अर्चना का स्थान है। जिसमें सिक्सों की ही नहीं बल्कि हिन्दुओं की भी बहुत आस्था है। सिक्स धर्म के इतिहास के बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि गुरू गोबिन्द सिंह जी के पिता जी ने देश की लड़ाई के लिए अपना शीश कटवा लिया था और गुरू गोबिन्द सिंह जी के बेटों को जिन्दा ही दीवार में चिनवा दिया गया था। स्पीकर सर, गुरू गोबिन्द सिंह जी के परिवार ने इतनी बडी कुर्बानी दी है जो कि कोई नहीं दे सकता था। इनके अलावा दूसरा परिवार मेरी नजर मैं गांधी परिवार हे। जिन्होंने अपनी दो–दो, तीन–तीन पीढ़ियां देश भक्ति के लिए कुर्बान की है। अध्यक्ष महोदय, गुरू गोबिन्द सिंह जी एक ऐसे इंसान हुए हैं, एक ऐसे कहान देशभक्त हुए हैं, ऐसे गुरू हुए हैं जिनकी मिसाल बहुत कम मिल सकती है। वे बहुत दूरदर्शी थे, वे सन्त भी थे,वे बहादुर भी थे, वे अच्छे जनरल भी थे और वे अच्छे पोयट या लिखाडी भी थे। उन्होंने जिस बुद्धिमत्ता से खालसा पंथ की नींव रखी, खालसा पंथ को बनाया वह मैं समझता हूं कि दुनिया के जो बहुत बड़े बहादुर जनरल हुए हैं वे भी उनसे मुकाबला करने में पीछे हैं। अध्यक्ष महोदय, बहुत सी बातें हमारे साथियों ने कहीं हैं। मैं तो अंत में एक ही बात कहना चाहता हूं

कि पंजाब की अकाली पार्टी जिसका गुरूद्वारों पर कब्जा है उन्होंने सिक्ख धर्म का जो अहित किया है, जो नुक्सान किया है उसकी मिसाल कहीं नहीं मिलती। इस सिक्ख धर्म के लिए ही पहले हिन्दु विशेष तौर से और दूसरे धर्मों के लोग भी अपने बडे बेटे को केशधारी बनाते थे लेकिन आज क्या हालत है? आज हालत यह है कि आतंकवाद का समर्थन 'करके, गुरूद्वारों का नंगा दुरूपयोग करके, गुरूद्वारों को देशभक्ति के खिलाफ मोर्चाबंदी करवाकर उन्होंने सिक्खो को कहां पहुंचा दिया। एक वक्त तो ऐसा भी आया था जब सिक्खों को देश और दुनिया में इन्होंने बदनाम किया था। अध्यक्ष महोदय, प्रकाश सिंह बादल और इनके दूसरे लीडर इतने कायर भी हैं कि आतकवादियों का ये समर्थन भी करते थे और उनसे डरते भी थे। कई सालों तक, कई महीने तक यह अंडरग्राउंड हो गये थे। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि पंजाब में आतकवाद का खात्मा मो हमारे बहादुर देश भक्त भाइयो ने ही है यह काम दूसरा कोई नहीं कर सकता था। खेतों में जिनको हम डेरे कहते हैं या जो फार्म हाउस थे तो एक वक्त था कि एक–एक करके आतकवादियों ने सबको भयभीत किया, डराया लेकिन जल्दी ही वह वक्त भी आया जब पानी सिर से ऊपर चला गया तो हमारे सिक्स भाइयों ने ही आतंकवाद का खात्मा किया। उनसे नफरत करी, उनका हर तरह से सोशल बायकाट किया और उनको गिरफ्तार करवाया। आतकवाद खत्म करने का क्रेडिट उस वक्त के जो पंजाब पुलिस के डी०जी०पी० जो स्वंय एक सिक्स थे और जिन्होंने उस समय सारी मूवमैन्ट को लीड करके

इस देश को आतंकवाद से आजाद करवाया था, उनको भी जाता है। इसी प्रकार से सरदार बेअन्त सिंह का नाम भी उन बहादुर लोगों की लिस्ट में है जो बहादुरी के साथ पंजाब को दोबारा से नेशनल मैन स्ट्रीम मे लाए थे। अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि हरियाणा का जो सिक्ख है उसके हित हर तरह से हरियाणा के साथ ही जुड़े हैं। मेरे से पहले बोलते हुए मुलाना साहब तथा दूसरे साथियों ने कहा कि हरियाणा का पानी पंजाब वाले बंद करने की बात करते हैं तो हरियाणा के सिक्ख के लिए इससे ज्यादा नुक्सान की बात कोई और नहीं है। उन्होने हमारे गुरूद्वारों पर कब्जा कर रखा है। इनका लाभ जो हमारे प्रान्त के लोगों को, सिक्सों को पहुंचना चाहिए उन्होंने उससे बिलकुल वंचित किया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं इस रैजोल्युशन का समर्थन करता हूं और मुझे उम्मीद है कि बहुत जल्दी यह एक्ट की शक्ल में, लॉ की शक्ल में कानून बनेगा और इसके बाद हमारे गुरूद्वारे आजाद होंगे और हमारे सिक्ख भाइयों को इनका लाभ मिलेगा। धन्यवाद।

श्री शादी लाल बत्तरा (रोहतक): अध्यक्ष महोदय, जब देश आजाद हुआ तो उस वक्त आज का हरियाणा और पंजाब एक ही प्रदेश के अंग थे। 1966 तक प्वाइंट पंजाब हरियाणा पर भी और पंजाब पर भी राज्य करता रहा। अब एक सोच आई कि हमारे अधिकारों का हनन हो रहा है और जो विकास होना चाहिए था, वह नहीं हो रहा है। री–ऑर्गनाइजिंग स्टेट में हरियाणा बना और एक एक्ट के तहत बना। उससे राजननीतिक तौर पर तो हमें

आजादी मिल गई और उस समय कहा गया कि धार्मिक संस्थाओं को भी उनका अधिकार दिया जाएगा। 41 साल तक पंजाब राज्य हमारी धार्मिक संस्थाओं पर राज करता रहा, उनको गवर्न करता रहा। उन गुरूद्वारो को हम किस तरह से गवर्न करें और वे कैसे बने इसका अधिकार हमें नहीं मिला। आज समय आ गया है कि हम यह मांग उठाएं कि जो एस०जी०पी०सी० कर रही है वह गलत है। आज हरियाणा में जितने भी गुरुद्वारे हैं हर गुरुद्वारे की गोलक की 25 परसैंट रिसीट जो होगी उसे वे ले जाते हैं। गुरुद्वारे का मैनेजमैंट बाकी की 75 प्रतिशत की राशि से होता है। अगर 75 प्रतिशत राशि में करें तो अंडर सैक्शन 85 में नोटिफाई है कि इनका सारा पैसा एस०जी०पी०सी० को जाएगा। कुछ गुरुद्वारे ऐसे हैं जिनमे 1987 में यह हुआ था 20 लाख तक की आमदनी वाले गुरुद्वारे हरियाणा मे रह सकते हैं और लोकल बॉडीज में आ सकते हैं। जैसे ही आमदनी 20 लाख से ज्यादा होगी तो वे एस०जी०पी०सी० के कंट्रोल में आ जाएंगे। एस०जी०पी०सी० अपॉइंट किसको करती है, हरियाणा में से किसी को नहीं करती है। तनख्वाह भी बहुत अच्छी देती है। आम ग्रन्थी की तनख्वाह 12 हजार रुपये महीना होती है और हरियाणा का पैसा हरियाणा का चढ़ावा पंजाब में ले जाया जाता है और वहां इसे यूज करते हैं। चा हे वह विकास कैं रूप मे यूज करें चाहे थैली के रूप मे देते हैं। फिर हमारा पैसा वहां क्यों जाए? क्या हम अपने अधिकारों की रक्षा करने में समर्थ नहीं हैं? गुरु आए थे और उन्होने हमें मानवता का पाठ पढ़ाया था और यह पढ़ाया था कि हम अपने

दुश्मनों से अपने अधिकार केसे वापस लाएं। उस वक्त मुसलमानों का राज होता था। सिक्सों ने कुर्बानियां दी और उनकी उन कुर्बानियों के बाद वे गुरु कथ साहब दे गए थे। गुरु ग्रंथ साहब की एक ही शिक्षा है कि अपने अधिकारों के लिए खडे गोप्यने और अगर खड़े नहीं होते हैं और उनको वापस लेने का प्रयास नहीं करते हैं तो इसका मतलब यह है कि आप कमजोर हैं, आप कायर हैं। आपको जीने का कोई अधिकार नहीं है। अगर उनकी शिक्षा पर हम चलते हैं तो पाते हैं कि हमारे अधिकारो का पूरी तरह से हनन हो रहा है। हर तरह से हनन हो रहा है। पैसा लिया जा रहा है। चट्ठा साहब ने कहा कि उनके पास 3516 एकड़ लैंड है। मेरे आकड़ों के हिसाब से 5 हजार एकड़ से भी ज्यादा भूमि गुरुद्वारों के पास है और उनका पूरा प्रयोग नहीं हो रहा है, सदुपयोग नहीं हो रहा है। कल्कि कुछ लोगों ने इन्क्रौच करके अपनी कर रखी है। अगर हरियाणा की एस०जी०पी०सी० अलग से हो तो वह जो जमीन है जिस पर नाजायज कब्जे हो रहे हैं उन कब्लो को छुड़वाकर उसकी आमदनी भी गुरूद्वारों मे लाई जा सकती है। यहां की 100 करोड़ रुपये की आमदनी यहां से ले जाते हैं यहां 18 करोड़ रुपए देते है बाकी के कहां क्या करते हें इसका कुछ पता नहीं है। एक ही भावना है कि उन्होंने यह सोच लिया है कि हम राजा हैं, हम जो कुछ करना चाहे कर सकते हैं। King can do no wrong. किसी ने कह दिया कि गुरूद्वारों पर हमारा राज चलेगा। आज एक जो समस्या उठी है कि आज जो हमारे सिक्स हैं या जो सहजधारी सिक्ख हैं जो गुरु ग्रंथ साहब को मानते हैं।

उन सबकी एक ही आवाज है कि गुरु ग्रंथ साहब को मानने के लिए गुरु ग्रंथ साहब का जहां प्रकाश हो रहा है। उसको गवर्न करने के लिए भी हमें अधिकार होने चाहिएं। लोकल बॉडी बननी चाहिए और वह बॉडी अमृतसर से कंट्रोल न होकर अपने हरियाणा में से कंट्रोल होनी चाहिए। उसके लिए गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अलग से बने यह प्रस्ताव आज हाउस में पेश हुआ है। इस प्रस्ताव पर मेरे भाइयों ने बड़े ही विस्तार से अपने विचार रखे हैं और एक ही विचार है कि अगर हमारी शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सैपरेट होती है तो हमारे गुरुद्वारो का प्रबंध करने का इंतजाम हमें दिया जाता है उनमें जो आमदनी होगी उसको हम अपने तरीके से खर्च कर पाएंगे, ठीक जगह पर पैसा लगा पाएंगे और हम सब का गर्व और गौरव भी वापस आएगा। फिर यह होगा कि हम सिर्फ राजनीतिक तौर पर आजाद नहीं हैं बल्कि हम धामिक तौर से भी आजाद हैं। अपने धर्म की पूजा कर सकते हैं। अपने धर्म की अर्चना कर सकते हैं। उनको गवर्न भी कर सकते हैं और लोकल बॉडी भी बना सकते हैं। मैं इस प्रस्ताव का पुरजोर समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: थैंक्यू बैरी मच, बत्रा साहब।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल): अध्यक्ष महोदय, चौधरी निर्मल सिंह जी हरियाणा के लिए अलग से एस०जी०पी०सी० बनाने का जो संकल्प बयाज लेकर आए हैं मैं उसका समर्थन करता हूं। अध्यक्ष महोदय, सिक्ख धर्म इस समस्त दुनिया का सबसे जवान

धर्म है और गुरुओ की कुर्बानियां और सिक्ख समुदाय की समस्त वीर–वीरांगनाएं और जो कुर्बानियां हैं इसके लिए उनको कभी भुलाया नहीं जा सकता। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस प्रस्ताव का समर्थन कर रहा हूं। अभी माननीय सभी साथियों ने अपनी राय यहां पर व्यक्त की है। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि यह प्रस्ताव सिक्स समुदाय ले ज्जा हुआ है और एस०जी०पी०सी० है वह चाहे पंजाब की हो लेकिन इस धर्म से जुड़े हुए जो हमारे गुरूद्वारे हैं जो संस्थाएं हैं इनका संचालन करने का अधिकार उनके पास है। मैं यह बात सदन मे कहना चाहता हूं कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा की अध्यक्षता में यह कमेटी बनाई और यह कार्यक्रम बनाया और जिसके बारे में चौधरी निर्मल सिंह जी यह प्रस्ताव लेकर आये जो हरियाणा के गुरूद्वारों की संस्थाओं की देखभाल ठीक तरीके से करेगी। इस धर्म के मानने वाले और इस धर्म में आस्था रखने वाले लोगों की भावना के मुताबिक सारे कार्य हो और यह संकल्प भी इस प्रस्ताव में हैं। अध्यक्ष महोदय, इससे भी बड़ा संकल्प यह है कि जो एक इतना महान धर्म जिसने दुनिया के सामने इतनी बड़ी मर्यादाएं स्थापित करके दिखाई, एक ऐसा धर्म जिसका इस देश के लोगों पर इतना बडा अहसान है कि देश कभी भी नहीं भूल सकता। अगर यह धर्म नहीं होता तो अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि उन दिनों जिस तरह से मुगल शासक हमारे देश पर हमला किया करते थे, किस तरीके से इस धर्म के लोगों ने उनका मुकाबला किया। इस देश की मर्यादाओं की रक्षा की। लेकिन

अध्यक्ष महोदय, जो सोचने वाली बात हें वह यह है कि पंजाब में जो एस०जाइं०पी०सी० हैं उनके लिंए मो और जो हरियाणाा में यह सुमदाय है उनसे भी मैं एक प्रार्थना करना चाहता हूं कि जो जवान पीढ़ी है जो सिक्स परिवारों के हमारे जवान बच्चे हैं वह भी इस धर्म की मर्यादाओं को कहने को तो दिखाई देते हैं कि सिक्स धर्म के समुदाय के संबंध रखते हैं इन जवान बच्चों के अगर हम स्वरूप को देखें तो उनकी नई भावना को देखें तो अध्यक्ष महोदय, हमें चिन्ता होती है। अगर हमारी जवान पीढ़ी हमारे गुरुओ की कुर्बानियों को याद नहीं रखेगी और जवान बच्चे सिक्स धर्म की मर्यादाओं को याद नहीं रखेगें और इस तरह से इस धर्म से हटकर नई दुनिया के साथ चलेंगे तो हमारी जवान पीढी मर्यादा से हटती चली जायेगी। अध्यक्ष महोदय, देश के अन्दर इस बात की चर्चा होती है कि दुनिया में एक ही धर्म है और धर्म नहीं है कि जो भी आन्दोलन हो या क्रान्ति हो रजो भी इस धर्म में आस्था मान करके और बनो गुरुओ की भावनाओं को मानकर के आगे चलेगा उनके जीवन में उनके कार्यों में हर तरह की व्यवस्थाओं में बहुत बड़ा सुधार आयेगा। इसलिए हरियाणा की एस०जी०पी०सी० को अलग से स्थापित कर रहे हैं ताकि नये सिरे से इस धर्म की मर्यादाओं को स्थापित करने का काम करेगी। अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों मैं विदेश गया था इंग्लैण्ड में जाकर देखा तो मैं बड़ा खुश हुआ कि सिक्ख जो कहा पर बसे हुए हैं वे सिक्ख धर्म की मर्यादाओं को आसमान की ऊंचाईयों तक ले जाने का काम कर रहे हैं। मैंने अपनी आखो से देखा कि विदेशों मे

जब पंजाबी भाषा में गीत गाये जाते हैं तो विदेशी लोग उन धुनों पर नाचना शुरू. कर देते हैं। उस भाषा को जो हम यहां नहीं बोल पाते यहां की नौजवान पीढ़ी बोल नहीं पाती विदेश में रहने वाले इस भाषा क्यो बोलने का प्रयास करने लगे हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर आज हम अपने देश में प्रदेशों के नाम पर बंटकर के इतने बड़े धर्म की मर्यादा का और इतनी बड़ी कुर्बानियो को भूलने की तरफ अगर हम चल पड़ेंगे तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। अध्यक्ष महोदय, मैं जिस इलाके से आता हूं वहां मुश्किल से 25–30 सिक्स परिवार रहते हें। एक दिन उनके छोटे–छोटे बच्चे खेल रहे थे जब मैंने उन से पूछा बेटे क्या आपको पंजाबी भाषा बोलनी आती है तो उन बच्चो ने कहा नहीं हमें पंजाबी भाषा बोलनी नहीं आती। तो यह जो एस०जी०पी०सी० की हरियाणा प्रदेश में अलग से स्थापना होगी इसके लिए मैं तो पंजाब के सभी नेताओं से इस बात के लिए आग्रह करूंगा कि इसका उन्हें विरोध नहीं करना चाहिए, समर्थन करना चाहिए। अगर एस०जी०पी०सी० हरियाणा में बनेगी तो हरियाणा में वह न केवल धर्म के मामले में बल्कि पंजाबी भाषा को भी प्रदेश के स्कूलों और कालेजों मे स्थापित कर पायेगी। पंजाबी भाषा जिससे हरियाणा प्रदेश हरियाणा–पंजाब के बंटवारे के समय महरूम हो गया था उस भाषा को यह कमेटी हरियाणा में स्थापित करने में कामयाब होगी। अध्यक्ष महोदय, आप अनेर मैं सिक्स समुदाय से संबंध नहीं रखते लेकिन मैं फख्र के साथ कहता हूं कि मैं सभी गुरूओं और उनके नियमो को मानता हूं। जो सिक्स समुदाय के

अंदर गुरूद्वारे हैं उनमें माथा टेकता हूं गुरूद्वारे बहुत पवित्र स्थान हैं मेरे बेटे भी सबसे पहले गुरूद्वारे में सिर झुकाने के लिए जाते हैं और न जाने कितने ऐसे हजारी परिवार हैं जो सिक्स न होते हुए भी सिक्स धर्म की मर्यादाओं को मानने के लिए तैयार रहते हैं तथा सिक्स धर्म को अपनाना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं इस संकल्प के साथ यही निवेदन करता हूं कि हरियाणा प्रदेश की अलग से एस०जी०पइा०सी० कमेटी बने और जो हमारी सिक्स धर्म की मर्यादाएं हैं, गुरुओ की कुर्बानियां हैं जो उनकी वाणी हैं उनका भी हमें अनुसरण करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि मैंने अभी हूज–हू (who's who) की किताब पढ़ी हे। इसमें ओम प्रकाश चौटाला ने अपने विवरण में दिया है कि– प्रादेशिक विवादों में हरियाणा के पक्ष की हिमायत करना। अध्यक्ष महोदय, आज सदन में क्या हो रहा है? प्रादेशिक विवाद में आज हरियाणा के एक पक्ष की हिमायत की बहस होने लग रही है। चौधरी निर्मल सिंह जी एक अच्छा संकल्प सदन के सामने लेकर आये हैं, सरकार ने एक बहुत अच्छी कमेटी बनाई है और मुख्य मंत्री जी भी प्रयास कर रहे हैं लेकिन प्रदेश के हितों की हिमायत करने वाले जो किताबों में झूठा बखान करते हैं वे सदन से नदारद हैं। अध्यक्ष महोदय, यह भी देखने वाली बात है कि एक तरफ तो ये हिमायती होने की बात लिखते हैं और दूसरी तरफ इसी हुज हू (who's who) में इन्होंने यह भी विवरण दिया हुआ है कि––

चौधरी देवी लाल जी की नीतियों पर विश्वास करना।

अध्यक्ष महोदय, जब हरियाणा पंजाब का बंटवारा हो रहा था उस समय हिंदी और पंजाबी भाषा का जो झगड़ा हुआ था वह किसने करवाया था। वह झगड़ा चौटाला जी के पिता श्री चौधरी देवी लाल जी ने करवाया था। उन दिनों तो ये लोग कहते थे कि ये बातें अलग हैं, इसमें हमारा हित नहीं है और आज जब हारियाणा बन चुका हैं और हरियाणा के हित। की बात हो रही है, हरियाणा मे रहने वाली एक समुदाय विशेष के हितों की बात हो रही है तो ये श्रीमान जी यहां से गायब हैं। अध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ मैं इस संकल्प का समर्थन करता हूं।

श्री बच्चन सिंह आर्य (सफीदों): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे भाई निर्मल सिंह जी द्वारा आये गये प्रस्ताव पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं सिक्ख धर्म के इतिहास के उन पत्रों में नहीं जाऊंगा कि गुरू नानक देव से ले करके और दसवें पातशाह गुरू गोबिन्द सिंह जी का इतिहास क्या रहा है, इस बारे में सभी जानते हैं कि गुरूओं और सिक्कों का इतिहास क्या रहा है। यह धर्म बहादुरी और अध्यात्मक से भरा हुआ हे और इनके नियम पूरे संसार में रहने वाले सभी सिक्स भाइयों पर लाग होते हैं। चाहे वह पंजाब एस०जी०पी०सी० के हैं, चाहे हरियाणा एस०जी०पी०सी० के हैं। अध्यक्ष महोदय, प्रस्ताव यह नहीं हे कि हम सिक्स धर्म के इतिहास में जायें। यह प्रस्ताव इस बात को ले करके आया है कि जो

हरियाणा के अंदर सिक्ख भाई रह रहे हें उन लाखों लोगों की भावनाओं की बात है कि जो हमारे गुरूद्वारों में माथा टेकते हैं, जो सिक्स भाइयों की भावनाओं से जुड़ा हुआ मामला है वह पैसा पंजाब में जाये और उस पैसे का राजनीतिकरण होकर दुरूपयोग हो यह ठीक बात नहीं है। यही बात हे कि हमारे सिक्ख भाई हरियाणा की अलग से शिरोमणी गुरूद्वारा प्रबन्ध कमेटी बनाना चाहते हैं। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आज से कुछ समय पहले जब हरियाणा पंजाब एक राज्य था उस समय भी ऐसे ही जैसे सिक्स धर्म की बात है आर्य समाज की भी बात उठी थी। उस समय आर्य समाज की पूरे पंजाब की एक आर्य प्रतिनिधि सभा हुआ करती थी जिसका कार्यालय विद्युत भवन जालन्धर में हुआ करता था और आर्य समाज के गुरूकुल और संस्थाओ का सारा पैसा वहीं जाया करता था। उसमें से हरियाणा में कुछ पैसा आता या नहीं भी आता था और किसी प्रकार का विकास यहां नहीं होता था। इन बातों को ध्यान में रखकर जब हमारे सन्यासियों, साधुओ और आर्य समाज के लोगों ने यह आवाज उठाई कि हरियाणा की अलग से आर्य प्रतिनिधि सभा होनी चाहिए तो उस समय ईमानदारी से सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा ने पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश तीनों स्टेट्स की अलग– अलग आर्य प्रतिनिधि सभा बना दी। हरियाणा की आर्य प्रतिनिधि सभा का कार्यालय आज के दिन दयानन्द मठ रोहतक में है। आज जो एस०जी०पी०सी० पंजाब की है वह क्या कारण हैं कि हरियाणा की अलग से एस०जी०पी०सी० कमेटी नहीं बनना देना चाहती। जबकि

हरियाणा के सिक्स भाई अपने खून–पसीने की कमाई को गुरूद्वारों में चढ़ाते हैं और इससे करोड़ों रुपये की इन्कम होती है। वह इन्कम पंजाब में जा रही है और उनके मन में कहीं न कहीं लालच है और उस लालच में अकाली दल के सुप्रीमो श्री प्रकाश सिंह बादल हैं वे ओमप्रकाश चौटाला जी के धर्म भाई हैं वे इसका राजनीतिक लाभ उठाते हैं। उसका इस्तेमाल अपने राजनैतिक लाभ के लिए करते हैं। अध्यक्ष महोदय, यह बात सही है कि हरियाणा के भाईयों को भी इसी प्रकार का लालच देकर पिछले 5–7 साल से राजनीतिक लाभ ये उठा रहे हैं मेरे हलके मे भी 3 प्रसिद्ध गुरूद्वारे हैं। एक सच्चा सौदा गुरूद्वारा मलिकपुर में है। वहां महीने की लाखों रुपये की आमदनी है मगर एस०जी०पी०सी० पंजाब से फरमान जारी कर दिया जाता है और वह सारी कमाई पंजाब में चली जाती है। सफीदों से एक किलोमीटर दूर हे और उसकी हालत बहुत खराब है। दूसरा गुरूद्वारा सिंघपुरा गांव मे है जहां गुरू अर्जुनदेव जी आये थे और लम्बे समय तक वहां पर रहे थे। कुछ समय पहले एस०जी०पी०सी० पंजाब ने वहां पर कब्जा कर लिया। वे लोग कोर्ट में गये लेकिन अब भी वहां पर उन्हीं का कब्जा है। दैनिक आमदनी कई हजार की है। जो लोग मत्था टेकते है। वहां पर हजारों लोगों की भावना जुड़ी हुई है। अध्यक्ष महोदय, एस०जी०पी०सी० को सिर्फ पैसे का लालच है इसलिए मेरा पुरजोर निवेदन यह है कि जिस तरह से और धार्मिक संस्थाएं हरियाणा और पंजाब की अलग–अलग प्रतिनिधि सभाएं बनाकर उनका कार्यभार वहां के प्रान्तों के लोगों ने सम्भाल रखा है। मैं

इस प्रस्ताव का अनुमोदन करता हूं कि उसी तरह से हरियाणा की एस०रनी०पी०सी० भी अलग होनी चाहिए। धन्यवाद।

श्री अमीर चन्द मक्कड (हांसी): अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद। भाई निर्मल सिंह जी ने जो प्रस्ताव रखा है उसके हक में बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। मेरे से पहले भी इस प्रस्ताव पर बहुत सारे साथी बोले हैं। मैं यह समझता हूं कि हरियाणा के सिर्फ सिक्स भाइयों का ही नुकसान नहीं है बाकी लोगों का भी नुकसान कर रहे हैं। हरियाणा मे अलग गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी बनाने के लिए प्रस्ताव रखा है उसके बनने के बाद यहां पर भी विकास कार्य होंगे और जो पैसा पंजाब में ले जाते थे वह पैसा हरियाणा के हर व्यक्ति के काम आयेगा। जो भी राज्य मे कॉलेज बनता है, मैडिकल कॉलेज बनता है या कोई हस्पताल बनता है मुझे पता है कि उसमें 36 कौम के बच्चे पढाई पढ़ते हैं। इसलिए अलग एस०जी०पी०सी० न बनने के कारण सारे हरियाणा का नुकसान हो रहा हे। गुरू साहेबानों ने अपनी कुर्बानी देकर हिन्दु कौम को बचाया है आज वही हिन्दू कौम अगर सिर उठाकर चलती है तो यह सब गुरुओ की कुर्बानी का सबक है। किसी कवि ने यह कहा है कि चारों चार लाल, वार देंगे, देश लई ओर कौम लई। गुरू गोबिन्द सिंह जी के दोनों बच्चों को जब दीवार मे चुना जा रहा था तो छोटे बच्चे की दीवार पर ईट पहले आ गई तो बड़े बच्चे की आखो में आसूं आ गये। जल्लाद ने कहा अगर आप रो रहे हैं तो दीवार हटा देता हूं लेकिन इस्लाम कबूल कर लीजिए।

लड़के ने कहा नहीं जल्लाद मैं तो इसलिए रो रहा हूं कि मेरे से पहले छोटा शहादत पा रहा है, मैं इसलिए रो रहा हूं और मुझे इस बात का दुख है। उन गुरूओ की कौम के प्रति कितनी बड़ी कुर्बानी थी कितना जच्चा था। आज उन गुरु। साहेबानों की कुर्बानी का प्रकाश सिंह बादल सिर्फ अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करने की बात करते हें। वे वहां से यहां के सिक्सों के लिए हुक्मनामे भेजता है। कुछ सिक्स भाई उनकी बात को मानते हें लेकिन ज्यादा नहीं मानते। प्रकाश सिंह बादल ने पंजाब विधान सभा में यह प्रस्ताव रखा है कि जो पानी हरियाणा में जा रहा है उसको हम बन्द कर देंगे उन्होंने यह नहीं सोचा कि हरियाणा में जो सिक्स भाई हैं वे भी तो जमींदार हैं वे तो सिर्फ अपना पेट पालने की बात करते हैं न कि जनता की भलाई की बात करते हैं। चौटाला साहब की इनैलो पार्टी है वह पब्लिक को कितना गुमराह करती है और झूठ बोलकर वोट ले जाती है। वे इसी आधार पर चल रहे हैं। इनैलो के नेता बयान तो देते हैं कि हरियाणा के हित उन्हें सर्वप्रिय हैं और काम करते हैं प्रकाश सिंह बादल के लिए जो हरियाणा के हक के जल को खत्म करना चाहता है। हरियाणा के किसानों के हित मारना चाहता है। उनकी पार्टी के लिए पंजाब में जाकर प्रचार करते हैं, और उनकी पार्टी की जीत पर खुशियां मनाते हैं, डान्स करते हैं, पार्टिया करते हैं। इन बातों से क्या वे हरियाणा के हितैषी साबित हो सकते हैं? उन्हें पता लग गया था कि हरियाणा की अलग से एस०जी०पी०सी० बनाने के लिए प्रस्ताव आएगा इसलिए वे लोग

बाहर भाग गये ताकि प्रस्ताव पर कुछ बोलना न पड़े और न ही प्रस्ताव की खिलाफत करनी पड़े। इसलिए वे लोग आज हाउस से भाग गए। स्पीकर सर, इस प्रकार से हाउस से बाहर चले जाना गलत बात है। इसलिए हम उनकी इस कार्यवाही की निन्दा करते हें। स्पीकर सर, यह प्रस्ताव बहुत ही अच्छा प्रस्ताव है, मैं इस प्रस्ताव का पुरजोर समर्थन करता हूं ओर पूरे हाउस से यह निवेदन करता हूं कि इस रैजोल्यूशन को जल्दी से जल्दी पास कर दिया जाए ताकि हरियाणा में एस०जी०पी०सी० अलग से बन सके और सिक्सों को सही रूप से फायदा मिल सके। स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। जयहिन्द।

मुख्य मन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) अध्यक्ष महोदय, श्री निर्मल सिंह जी हरियाणा में अलग से एस०जी०पी०सी० बनाने के लिए जो प्रस्ताव लेकर आए हैं यह प्रस्ताव बहुत ही अहम प्रस्ताव है। जहां तक सिक्स धर्म का सवाल है, सिक्स धर्म सिक्स गुरुओ की कुर्बानियो और उनके त्याग का परिचायक है। में समझता हूं कि सभी माननीय साथियो ने इस पर चर्चा की और सभी साथी सिक्सों के त्याग और बलिदान से वाकिफ हैं जिसका कोई भी सानी नहीं है। उनके त्याग के बारे मे सभी को मालूम है जो कि इतिहास में सुनहरे शब्दों में लिखा जाना चाहिए। स्पीकर सर, जहां तक धर्म का सवाल है, हरियाणा में सिक्स भाइयों, मुस्लमान भाइयो और मेरे क्रिश्चिन भाइयों का माईनोरिटी में विशेष स्थान

है। इन धर्मों से सम्बन्धित सभी लोग हरियाणा प्रदेश में अल्पसंख्यक हैं और हम सब का यह फर्ज बनता है कि जो भी माईनोरिटी में हैं वे सब हमारे भाई हैं। हमारे देश में हम सब मिल–जुल कर प्रेम से रहें और उन सब को अपना–अपना हक मिले। चुनाव से पहले जब चुनाव की चर्चा चल रही थी और कांग्रेस पार्टी का मेनिफैस्टो तैयार हो रहा था उस समय बहुत सारी बातें सिक्स भाइयों के लिए की गई थीं। कुछ सिक्ख भाई मुझे मिले भी थे और मेरे कुछ अन्य साथियों को भी मिले थे ओर इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों को भी मिले थे। जो इलैक्शन मैनिफैस्टो के लिए तैयारी कर रहे थे। उस समय इन सब की बात सुन कर कांग्रेस पार्टी ने अपना जो मेनिफैस्टो रखा उसमें यह था कि –

"The Congress Party pave the way to aware the strongly demand of Sikh Population of Haryana regarding creating of separate Haryana Sikh Gurudwara Pradhandhak Committee on pattern of Delhi Sikh Gurudwara Prabandhak Committee of Delhi to manage their religious conditions, the party promises to take appropriate steps in that matter."

यह बात मैनिफैस्टो में रखकर कांग्रेस पार्टी चुनाव लड़ी और भारी बहुमत से चुनाव में हमारी विजय हुई। अब दो तरीके से लोगों ने यहां पर चर्चा की है। एक तो धार्मिक है और एक राजनीतिक है। स्पीकर सर, जहां तक हमारी कांग्रेस पार्टी का सवाल है, हम किसी के धर्म में दखलअन्दाजी नहीं करते। धर्म का

अपना काम है। अपना मैनेजमैंट है ओर यह उस धर्म के लोगों की भावनाओं के अनुसार होता है। हमें किसी धर्म में दखलअन्दाजी नहीं करनी चाहिए। इसलिए हमने अपने मैनिफैस्टों में इस बात को नहीं रखा था। स्पीकर सर, हरियाणा प्रदेश के जो सिक्स भाई हैं उनको उनकी भावनाओं को व्यक्त करने का हक है। जैसा मैंने कहा माईनोरिटी की बात थी और उनकी भावना के अनुरूप थी। जैसे चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने चर्चा की, मेवात का हमारा मुस्लमान भाई है। विभाजन के समय बहुत सारे मुस्लमान भाई पाकिस्तान चले गए थे लेकिन मेवात में हमारे मुस्लमान भाई वहीं रहे और भारत को अपनी धरती माता मान कर यहां पर रह रहे हैं, इसी बात का में उल्लेख करना चाहता हूं। सन 1947 में जब हिन्दुस्तान और पाकिस्तान अलग–अलग हुए तो मेरे मुस्लमान भाई मेवात से भी भावुकता मे या उकसाए हुए पाकिस्तान जाने को तेयार थे। स्पीकर सर, मेवात में एक गांव घासेड़ा है जहा महात्मा गांधी स्वयं गये थे और उनके साथ मेरे पिता जी भी गए थे। मुझे इस बात पर गर्व होता है कि चौधरी यासीन खान महात्मा गांधी जी के साथ गए थे और वहां पर उन्होने मुस्लमानों से यह कहा था कि आप यहां पर रहे आपको पूरे अधिकार मिलेंगे! स्पीकर सर, इसी बात को मद्देनजर रखते हुए हमने घासेड़ा गांव को आदर्श गांव बनाने का फैसला किया है ताकि ऐसे जो लोग यहां पर रहे हैं उनकी भावनाओं की कह हो सके। इसी तरह से सिक्स भाइयो की भावनाओं की भी पूरी कद्र हम करते हैं। स्पीकर सर, आज चाहे बीरेन्द्र सिंह जी बोले, चाहे मैं बोला, चाहे रणदीप सिंह

सुरजेवाला जी बोले उन्होंने सिक्खो की भावनाओं को प्रेरित किया है। हम इस बात को इस वास्ते नहीं कह रहे हैं बल्कि व्यक्तिगत तौर पर मैं इस बात से सहमत हूं हालांकि इसमें मेरा कोई धार्मिक दखल नहीं है। जो मेरे सिक्स भाईयों की भावनाएं हैं हम उनकी कदर करते हैं आज चाहे इस प्रस्ताव पर मैं बोला हूं, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी, रणदीप सिंह सुरजेवाला जी बोलें हैं। हम इस बात को सिर्फ राजनीति करने के लिए नहीं कह रहे हैं और न ही हम उनके धार्मिक काम में कोई दखल दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे सिक्स भाईयो की जो भावनाएं हें वह हरियाणा में प्रिवेल होनी चाहिए। हम यह सिर्फ इस वास्ते नहीं कह रहे हैं कि हमारा उनके साथ खून का रिश्ता है, हमारी रोटी—बेटी का उनके साथ रिश्ता है। बीरेन्द्र सिंह जी का बेटा सिक्ख परिवार में विवाहित है, मेरा सगा भतीजा सिक्स परिवार में विवाहित है, मेरे सगे साले की लड़की एक सिक्स लड़के के साथ विवाहित है, रणदीप सिंह सुरजेवाला जी के हल्के में सिक्कों का गांव पीपलथाह हैं। मैं सदन में यह कहना चाहता हूं कि इस वास्ते उनका समर्थन नहीं कर रहे हैं। यह जो प्रस्ताव हम लेकर आए हैं यह एक माईनोरिटी कम्यूनीटि की भावना है और हम उसका समर्थन करते हैं। हमारी सरकार की उनके प्रति जिम्मेवारी बनती है। इस बारे में बहुत सी बाते रामकुमार गौतम जी ने कहीं और सभी सदस्यों ने भी इस प्रस्ताव के पक्ष में अपनी अपनी बातें कहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, लेकिन मुझे बड़े ही अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि जो लोगों की भावनाओं के साथ खेलते रहे हैं। जिन्होंने धर्म और

राजनीति को अलग नहीं समझा, जो राजनीतिक कार्यों के लिए धर्म का शोषण करते रहे वे आज इस सदन में विपक्ष में बैठे हुए हैं। आज वे सोची समझी हुई साजिश के तहत सदन की कार्यवाही से गैरहाजिर हैं। अध्यक्ष महोदय, वे बाहर लौबी में बैठे हुए है, उनकी अन्दर आने की हिम्मत नहीं है। अध्यक्ष महोदय, प्रकाश सिंह बादल पंजाब में कहते हैं कि हम सैक्शन 5 को हटा देंगे और हमारे विपक्ष के साथी उनका समर्थन करते हैं। अब वे एस०वाई०एल० के बारे में और हरियाणा के हितों के बारे में सदन में क्या बात करेंगे? क्या वे हरियाणा में सिक्स। भाईयों की बात करेंगे ? उनके दिलों में जनहित के लिए और हरियाणा के हितों के लिए कोई बात ही नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मेंने कहा था कि यह प्रस्ताव हमारे घोषणा पत्र में भी था और जब हमारी सरकार बनी थी तो हमने सिक्स भाईयों से अपने इस वायदे को पूरा करने की बात भी कही थी 1 अध्यक्ष महोदय, मैं पिछले दिनों अमृतसर गया था और वहां पर एस०जी०पी०सी० की अध्यक्षा बीबी जागीर कौर भी हाजिर थीं। वहां पर मुझे पत्रकार भी मिले थे। उन्होंने बीबी जागीर कौर की उपस्थिति में मुझ से सवाल पूछा था कि आप हरियाणा में एस०जी०पी०सी० अलग से बनाएंगे तो मैंने उनको एक ही जवाब दिया था कि मेरे हरियाणा के सिक्स भाई जो कहेंगे हम उनकी भावनाओं की कदर करेंगे। यह उनका फैसला है और इसमें मेरा कोई दखल नहीं हे। में किसी के धार्मिक काम में दखल देने वाला नहीं हूं लेकिन उनकी भावनाओ की कदर करना हमारा फर्ज है। हो सकता है कि बीबी जागीर

कौर को यह बात अच्छी नहीं लगी होगी क्योंकि शायद वे इसका विरोध कर रहीं थी। अध्यक्ष महोदय, व्यक्तिगत तौर पर मैं चाहता हूं और बाकी लोग भी चाहते हैं कि हरियाणा में अलग से एस०जी०पी०सी० बननी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हमने इनकी भावना को देखते हुए सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया हुआ है हमने इस कमेटी का गठन इसलिए किया हुआ है ताकि हरियाणा प्रदेश के सिक्ख भाईयों की भावनाओं का पता चल सके। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहूंगा कि चट्ठा साहब की अभी रिपोर्ट नहीं आई है। रिपोर्ट आते ही सरकार उस रिपोर्ट पर एप्रोप्रिएट कदम उठाएगी ताकि हमारे सिक्स भाईयों की भावनाओं की कदर हो सके। धन्यवाद।

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर सर, इस प्रस्ताव पर बहुत से साथियों ने अपने विचार सदन में रखे। आदरणीय मुख्यमंत्री जी, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी, रणदीप सिंह सुरजेवाला जी, खरैती लाल जी, मक्कड साहब, कर्ण सिंह दलाल, शमशेर सिंह सुरजेवाला जी तकरीबन 15 मैम्बर्ज इस प्रस्ताव पर बोले हैं। मैं आपके माध्यम से सभी का धन्यवाद करता हूं। इस चर्चा के दौरान सदन में बहुत सी बातों पर प्रकाश डाला गया है। गुरूओं की शिक्षाओं पर भी प्रकाश डाला गया है। जिनको हम भूल गए थे। इस पर चर्चा करते हुए हमारी सबकी राय सामने आ गई है कि हरियाणा के सिक्ख भाईयों के लिए अलग से एस०जी०पी०सी० बनाई जाए। इसके

साथ ही हरियाणा की जनता को भी पता चला गया है कि ओम प्रकाश चौटाला और उनके सदस्य इस विषय में बोलने की बजाए सदन से बाहर चले गए हें। यह बात मी हरियाणा के इतिहास में भड़ गई है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: चौधरी निर्मल सिंह जी, वे सदन के दरवाजे के बाहर बैठे हुए हैं और चाय व समोसे खा रहे हैं। उनकी हिम्मत नहीं है कि वे अन्दर आकर इस विषय में कुछ कह सके।

श्री निर्मल सिंह: स्पीकर सर, मैं आपकी इजाजत से कहना चाहता हूं कि....

श्री अध्यक्ष: चौधरी साहब, आप बैठे। आप नैकस्ट टाईम कन्टीन्यू करेगे। Now, the House stands adjourned till 9.30 A.M.. tomorrow, the 16th March. 2007.

***13.30 hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 9.30 A.M. tomorrow on Friday, the 16th March, 2007).